डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | पौष शुक्ल पक्ष 02, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), बुधवार, 01 जनवरी 2025, वर्ष-31, अंक- 78, पृष्ठ-12 ₹3.00 रजिस्ट्रेशन नंः आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

नववर्ष की शुभकामनाएँ

सुस्वागतम 2025

वनवास के दौरान बुंडू आए थे प्रभु श्रीराम

राजधानी रांची से लगभग 40 किमी की दूरी पर बुंडू में एक प्राचीन सूर्य मंदिर है। यह सूर्य मंदिर न केवल अपनी अनूठी वास्तुकला के लिए काफी प्रसिद्ध है, बल्कि इस मंदिर का संबंध प्रभु श्रीराम से जुड़ा होने के कारण यहां लोग बड़ी संख्या में आते हैं और भगवान सूर्य की उपासना करते हैं।

यहां भगवान श्रीराम ने की थी **सूर्य देव** की आराधना

झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 40 किमी की दूरी पर बुंडू में मौजूद है प्राचीन सूर्य मंदिर। इस पूरे मंदिर का निर्माण भगवान सूर्य के सात घोड़ों वाले विशाल रथ के रूप में किया गया है। इसमें 18 पहिए लगे हुए हैं। इस प्राचीन मंदिर में भगवान सूर्य के साथ माता पार्वती, महादेव और गणेश जी की मूर्तियां भी मौजूद हैं। सालों पुराने इस मंदिर का जुड़ाव त्रेतायुग से भी है। ऐसा माना जाता है कि यहां भगवान श्रीराम ने सूर्य देव की आराधना की थी। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार वनवास के दौरान भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के साथ बुंडू आए थे। इस दौरान यहां प्रभु श्रीराम ने सूर्य देव की आराधना की थी। सूर्य देव भगवान श्रीराम के कुल देवता भी थे। इसी कारण बुंडू में सूर्य मंदिर का निर्माण करवाया गया। इस मंदिर में सूर्य देव का आशीर्वाद प्राप्त करने भारत के साथ नेपाल के लोग भी आते हैं। ऐसा माना जाता है कि भगवान सूर्य अपने भक्तों के सारे रोग हर लेते हैं। इसी कारण बुंडू सूर्य मंदिर को लेकर कहा जाता है कि यहां आकर माथा टेकने मात्र से लोगों के चर्म रोग ठीक हो जाते हैं। यहां पूरे वर्ष देश के कोने-कोने से लोग सूर्य देव के दर्शन-पूजन करने आते हैं।

132 साल का सफर पूरा, विकास की उम्मीदें आज भी कायम

- पलामू का इतिहास संघर्ष और वीरता से भरा है।
- नक्सली हिंसा, सुखाड़, पलायन और कुपोषण जैसी समस्याएं जिले के विकास में रुकावट डालती हैं।
- केंद्र सरकार के सुधार प्रयास जिले की विशाल जरूरतों को पूरा करने में अपर्याप्त हैं।
- पलामू में खनिज संपदा और पर्यटन स्थलों की अपार संभावनाएँ हैं, जिनका सही दिशा में उपयोग किया जा सकता है।

राणा अरुण सिंह

मेदिनीनगर। 1 जनवरी 1892 को अस्तित्व में आया पलामू जिला आज अपने 133वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। 23 लाख से अधिक आबादी वाले इस जिले का इतिहास संघर्ष, समृद्धि और चुनौतियों का गवाह रहा है। हालांकि, आज भी यह जिला विकास के मामले में पीछे है। लंबे समय से सुखाड़, पलायन, नक्सली हिंसा और कुपोषण जैसे गंभीर मुद्दे इसकी पहचान बने हुए हैं। पलामू का इतिहास वीरता और संघर्ष से भरा हुआ है। यह बंधुआ मजदूरी मुक्ति आंदोलन का केंद्र रहा, जिसने नक्सली गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया। हालांकि, समय के साथ शिक्षा और सरकारी प्रयासों ने नक्सलवाद को नियंत्रित किया है। बावजूद इसके, नक्सली हिंसा और अपराध आज भी जिले की बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं।

पलामू की लगभग 80% आबादी कृषि पर निर्भर है, लेकिन सिंचाई की कमी और तकनीकी संसाधनों के अभाव में किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जिले में औद्योगिक विकास की स्थिति भी बेहद खराब है। रेहला स्थित ग्रासिम केमिकल इंडस्ट्रीज को छोड़कर, राजहरा कोल माइन और जपला सीमेंट फैक्ट्री जैसे प्रमुख उद्योग दशकों से बंद पड़े हैं। इन उद्योगों को पुनर्जीवित करने के प्रयास अब तक विफल रहे हैं।

पलामू को केंद्र सरकार ने आकांक्षी जिलों की सूची में शामिल किया है, जिसके तहत शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे में सुधार के प्रयास हो रहे हैं। हालांकि, ये कोशिशें जिले की विशाल जरूरतों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त साबित हो रही हैं।

खनिज संपदा और पर्यटन स्थलों से भरपूर पलामू में अपार संभावनाएं हैं। बेतला नेशनल पार्क और पलामू किला जैसे धरोहरें पर्यटन को बढ़ावा देने का जरिया बन सकती हैं। इसके साथ ही, जिले के युवाओं को रोजगार और उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाने की मजबूरी खत्म करने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

132 वर्षों के इस सफर में पलामू ने चुनौतियों और संघर्षों का सामना किया है। अब समय है कि सरकार, प्रशासन और आम जनता मिलकर इसे विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाएं। पलामू का गौरवशाली अतीत यह भरोसा देता है कि सही दिशा में किए गए प्रयासों से यह जिला अपनी पूरी क्षमता और प्रतिष्ठा हासिल कर सकता है।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के दावों से इंडी गठबंधन मजबूत होगा या पड़ेगी दरार?

बिहार में 12 सीटों पर दावेदारी कर रहा झामुमो

- विधानसभा चुनाव में झामुमो ने गठबंधन के लिए छोड़ी थी 40 सीटें
- कांग्रेस को 16, राजद को चार और माले को दो सीटों पर मिली जीत

सुनील बादल

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के रूप में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अकेले 34 सीटें जीतकर सभी को चौंका दिया था। अब नवर्ष में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने राज्य से बाहर भी पार्टी की स्थिति को मजबूत करने के लिए बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर अभी से तैयारी शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार पार्टी की ओर से बिहार में आईएनडीआईए के तहत 12 सीटों पर दावेदारी करते हुए चुनाव लड़ने की बात कही जा रही है।

झामुमो नेताओं का कहना है कि पार्टी ने झारखंड में कांग्रेस के साथ राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और भाकपा-माले के लिए 81 में से 40 सीटें छोड़ी थी। इसमें कांग्रेस को 16, आरजेडी को चार और माले को दो सीटों पर जीत मिली। ऐसे में बिहार में भी राजद को बड़ा दिल दिखाते हुए झामुमो के लिए कम से कम 12 सीटें छोड़नी चाहिए। झारखंड में वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में राजद के सिर्फ सत्यानंद भोक्ता को जीत मिली थी। लेकिन, पूरे पांच वर्षों तक सत्यानंद भोक्ता सरकार में शामिल किए गए और मंत्री भी बनाए गए थे। इस बार वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में राजद के चार सदस्यों को जीत मिली। इस बार भी जेएमएम गठबंधन सरकार में आरजेडी कोटे से संजय प्रसाद यादव को मंत्री बनाया गया है।

चुनाव प्रचार के दौरान भी झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन और स्टार प्रचारक कल्पना सोरेन ने आरजेडी उम्मीदवारों के पक्ष में कई चुनावी सभाओं को संबोधित किया। वहीं, चुनाव के पहले गठबंधन के सवाल पर भी हेमंत सोरेन ने लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव को पूरा मान-सम्मान दिया।

बिहार विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा की दावेदारी से आरजेडी और कांग्रेस पर दबाव बढ़ने की संभावना है। वर्ष 2020 के चुनाव में भी जेएमएम की ओर से बिहार की 12 सीटों पर दावेदारी की गई थी। लेकिन, आरजेडी की ओर से जेएमएम की दावेदारी को खारिज कर दिया गया था। परंतु, जिस तरह से हाल के दिनों में जेएमएम और हेमंत सोरेन का प्रभाव देश की राजनीति में बढ़ा है, उससे आरजेडी-कांग्रेस की ओर से जेएमएम की अनदेखी करना आसान नहीं होगा। यदि ऐसा हुआ तो आईएनडीआईए की सरकार बनने और जेएमएम को सफलता मिलने पर कैबिनेट में शामिल करने की दावेदारी भी स्वाभाविक रूप से बन जाएगी। अब देखना है कि बिहार के जनजातीय वोटों से एनडीए के वोटों में सेंध लगाकर इंडी गठबंधन इससे मजबूत होता है या खींचतान से इसमें दरार पड़ती है। उल्लेखनीय है कि हर तीन साल में होने वाले झामुमो का महाधिवेशन फरवरी में होने वाला है। इसमें बिहार ही नहीं, अन्य राज्यों में संगठन के विस्तार पर चर्चा होगी और केंद्रीय पदाधिकारियों का चयन भी होगा।

कल्याण मंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से की समीक्षा बैठक

छात्रवृत्ति और साइकिल वितरण का कार्य ससमय पूरा करें : चमरा लिंडा

- कोडरमा एवं रामगढ़ में प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति की शून्य प्रगति पर जताई नाराजगी
- आदिवासियों-दलितों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना सरकार का लक्ष्य

नवीन मेल संवाददाता

रांची। कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने मंगलवार को मोरहाबादी स्थित कल्याण कांप्लेक्स में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के कल्याण पदाधिकारी, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, आईटीडीए तथा प्रमंडलीय उप-निदेशकों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बीच साइकिल और छात्रवृत्ति वितरण के कार्य प्रगति की जिलावार समीक्षा की। इस दौरान कल्याण मंत्री ने कई दिशा-निर्देश दिए। कल्याण मंत्री ने प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति वितरण के मामले में रामगढ़ और कोडरमा जिलों के प्रति नाराजगी जताई। उन्होंने रामगढ़ और कोडरमा जिला के कल्याण पदाधिकारी को अगले तीन दिनों के भीतर छात्रवृत्ति राशि वितरण किए जाने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति वितरण मामले में जो पदाधिकारी कोताही बरतेंगे, उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने निर्देश दिया कि कोडरमा और रामगढ़ जिले में अगले तीन दिनों में छात्रवृत्ति राशि वितरण की प्रगति में सुधार नहीं होने की स्थिति में संबंधित **शेष पेज 11 पर**

पलामू में नववर्ष के स्वागत की तैयारी

मेदिनीनगर। पलामू में नववर्ष के स्वागत के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। बेतला नेशनल पार्क, पलामू किला, कमलदह झील, असुरबांध, केचकी संगम, ततहा गर्म झरना, पंपू कल, मंडल डेम, गढ़वा जिला का अन्नराज डैम, लातेहार में लाधुप स्थित कांती झरना,हुटाप स्थित हिंडाल्को पार्क, निंद्रा स्थित झुंझुनिया वाटर फॉल, देवनद तट पर बना इको पार्क जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। इन स्थानों पर पिकनिक मनाने के लिए लोग पहले ही जुटने लगे हैं। प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं, और पुलिस बल सभी स्थलों पर तैनात किया गया है। इसके अलावा, ट्रैफिक व्यवस्था की निगरानी के लिए पलामू में ट्रैफिक पोस्ट पर कैमरे लगाए गए हैं। पर्यटकों के उत्साह को देखते हुए इन स्थलों पर नववर्ष का स्वागत धूमधाम से मनाया जाएगा।

सुनील भास्कर बनाए गए पलामू के जोनल आईजी

- रांची डीआईजी अनूप बिरथरे को आईजी रैंक में मिली प्रोन्नति
- रांची के एसएसपी चंदन सिन्हा डीआईजी रैंक में प्रोन्नत
- झारखंड के नौ आईपीएस अधिकारियों की हुई प्रोन्नति

नवीन मेल डेस्क

रांची। झारखंड कैडर के नौ आईपीएस अधिकारियों को सरकार ने प्रमोशन दिया है। इस संबंध में मंगलवार की रात गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना के अनुसार, सुनील भास्कर को पलामू का जोनल आईजी बनाया **शेष पेज 11 पर**

तीन आईपीएस का तबादला

पलामू के जोनल आईजी नरेंद्र सिंह का तबादला कर रेल आईजी के पद पर पदस्थापित किया गया है। इसी प्रकार, स्पेशल ब्रांच के डीआईजी कार्तिक एस को जैप के डीआईजी तथा दुमका डीआईजी संजीव कुमार का तबादला करते हुए हजारीबाग का डीआईजी बनाया गया है। धनबाद के एसएसपी एचपी जनार्दन को अपने कार्यों के अतिरिक्त जैप 3 के कमांडेंट का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

इंडिया

जो बीत गया 24 था और जो आ गया वह हमारा है

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

24 पर हमारा अधिकार नहीं था इसलिए वह चला गया हमें अपने हिसाब से कभी घुमाता कभी नचाता कभी दुख के सागर में डुबोता तो कभी सुख की नदियों में बहाता। हमें से कोई ऐसा नहीं होगा जो यह कह सके कि उसका 365 दिनों का सफर एक जैसा रहा क्योंकि यही प्रकृति का या हमारे जीवन का नियम है। आज 2025 के पहले दिन हम कुछ ऐसा करना चाहते हैं कि पूरा साल उसी तरह बीते और इस पहले दिन में हर कोई एक अलग अंदाज में नया साल मनाता है। कुछ ऐसे लोग हैं जो पहली जनवरी को अपना नया साल नहीं मानते पर उनमें से भी बहुत से लोग मंदिर मस्जिद गुरुद्वारा या जिस भी आस्था के प्रवर्तक हैं अपने धार्मिक स्थान में पूजा प्रार्थना करते हैं ईसाई तो निश्चित रूप से गिरजाघर में जाकर प्रार्थना करते हैं। बहुत से लोग जो नौकरी या व्यवसाय से जुड़े हैं साल में इस दिन को परिवार के साथ बिताने के लिए या बाहर शराब पीकर हुड़दंग मचाने वालों से बचने के लिए घरों में रहना पसंद करते हैं। अनेक लोगों को देखा जाता है कि वह अनाथ आश्रम वृद्ध आश्रम या वंचितों के पास जाकर अपनी खुशियां उनके साथ बांटना पसंद करते हैं जबकि बहुत सारे लोग 31 दिसंबर की मध्य रात्रि से ही खाना पीना और डांस पार्टी जैसे कामों से नए साल की शुरूआत करते हैं इनका मानना है की इसी तरह पूरा साल हंसी-खुशी में बीत जाए। सरकारी कार्यालय में घोषित छुट्टी नहीं होती पर उपस्थिति बहुत कम होती है और बहुत सारे लोग कार्यालयों में काम करते हुए भी नया साल सांकेतिक रूप से ही सही पर मनाते जरूर हैं।

बहुत सारे लोग नदी पहाड़ों झरनों या आसपास के पार्कों तक में अपने परिजन या दोस्तों के साथ कुछ पल सुकून के बिताना चाहते हैं। इन सभी के बीच एक बात यह लागू होती है की हर किसी को अपने जीवन में एक परिवर्तन या नवीनता की तलाश रहती है। इसमें सबसे आसान प्रकृति का साथ है जिसके बारे में भारत की सनातन संस्कृति सदियों से इंगित करती रही है। आधुनिक पश्चिमी पद्धति की शिक्षा हमें भारतीयता और भारतीय मूल्यों के प्रति एक हीन भावना से ग्रसित कर देती है क्योंकि हमें लगने लगता है की जो भी ज्ञान जो भी आविष्कार और जो भी लिखित शोध पश्चिमी देशों ने किया वैसा भारत ने बिल्कुल भी नहीं किया जबकि भारत के प्राचीन शास्त्रों में जो पहले कण्ठाग्र हुआ करते थे और एक दूसरे के पास लोक कथाओं या लोकगीतों या श्लोक के माध्यम से नई पीढ़ी को हस्तांतरित होते थे। इस पूरी व्यवस्था में जो मूल तत्व है वह है प्रकृति को सम्मान देना प्रकृति को पूज्य मानना या नदियों को माता तो पहाड़ों को पिता मानना। यहां तक कि तथाकथित सभ्य समाज जिन जनजातीय परंपराओं को हेय दृष्टि से देखता है उन आदिवासियों के बीच आधुनिकता के दौर में भी करम सरहुल, बिहू जैसे त्यौहार और सिंगबोंगा, मरांगबुरु जैसे प्रतीक यह बताते हैं कि उन्होंने सदियों पहले प्रकृति प्रेम के इस भाव को समझ लिया था ।आज आज हम जिस प्रकृति के पास शांति के कुछ पल ढूंढने जाते हैं वह सदियों पहले से परंपरा के रूप में ग्रामीण और जनजातीय समाज में पूजनीय या विशिष्ट है। आधुनिक मीडिया यानी टीवी चैनल और व्यावसायिक सिनेमा हमें शराब पीने धूमधड़ाका करने और हुड़दंग मचाने के लिए कहीं ना कहीं प्रेरित करती है लेकिन सच यह है कि हमारी छोटी सी पिकनिक जो घरों के छतों पर हो पास के पार्क में हो या पास या दूर के किसी भी जंगल पहाड़ या झरनों के पास हो हमें यह बताती है कि स्वस्थ रहने के लिए और सालों भर मानसिक या शारीरिक रूप से सक्षम बने रहने के लिए हमें प्रकृति का सम्मान करना ही चाहिए। बहुत से लोग अपने बड़े बुजुर्गों को प्रणाम करने के बाद कुछ समाज सेवा से नए साल की शुरूआत करते हैं उनके मन में यह भावना है कि ईश्वर ने जो उन्हें दिया है उनके प्रति आभार व्यक्त करने के लिए यही एक उचित मार्ग है। मनोवैज्ञानिक और हमारा अनुभव दोनों यह बताते हैं कि आज हम जो करते हैं हमारे बच्चे यह हमारे आने वाली पीढ़ी उसे ही दुहराती है। यदि हम शराब पीकर मनमाने ढंग से नया साल मनाते हैं तो हमें इस बात के लिए तैयार रहना चाहिए कि हमारे बच्चे युवा होने से पहले ही उसी रास्ते पर जाएंगे जो उन्हें एक मानसिक रूप से स्वस्थ नागरिक बन पाएगा या नहीं कहना मुश्किल है क्योंकि हर नववर्ष पर सड़क दुर्घटनाओं और लड़ाई झगड़े के समाचार हमें किसी न किसी रूप से जागरूक करना चाहते हैं। यह हमारी निजी स्वतंत्रता है कि हम किस रूप में नया साल मनाते हैं पर नया साल मनाने का तरीका क्या हो इसको समझने के लिए हमें इस बार यह जरूर विचार करना चाहिए कि इसके परिणाम क्या होंगे?

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर 72094 53444 पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर 72094 03444 संपर्क करें।

आज कल

सूचना व प्रसारण राज्य मंत्री ने रेलमंत्री को लिखा पत्र

नये साल में गरीब रथ का ठहराव व भीम टनल नामाकरण की उम्मीद बढ़ी

भीम टनल नामाकरण आरयूबी व एफओबी को लेकर भी पत्र में उल्लेख

केंद्रीय राज्यमंत्री ने ग्रामीणों के आवेदन के आलोक में रेलमंत्री को मोहम्मदगंज, बेगमपुरा में रेलवे अंडर ब्रिज, पदारथडीह-राजनडीह के लिए फुट ओवरब्रिज का विस्तार और भीमचूल्हा के ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए इसके समीप के टनल का भीम टनल नामाकरण को लेकर भी ध्यान आकृष्ट किया है। उन्होंने यह भी कहा है कि ग्रामीणों के इन मुद्दों का हल हो जाने से क्षेत्र का आर्थिक विकास भी होगा। रेलमंत्री को लिखे पत्र को केंद्रीय राज्यमंत्री के निजी सहायक स्थानीय निवासी अनिकांत सिंह ने शेयर करते हुए बताया है कि पलामू प्रवास से लौटने के बाद से ग्रामीणों के इन मुद्दों को गंभीरता से लिया गया है।

ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों में खुशी की लहर

केंद्रीय राज्यमंत्री की इस पहल से इस क्षेत्र के ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। उन्होंने इसके लिए केंद्रीय राज्यमंत्री के प्रति आभार जताया है। इसमें जिला पार्षद अंजू देवी, प्रमुख अर्चना देवी, उपप्रमुख नगीना सिंह, सांसद प्रतिनिधि महेंद्र प्रसाद सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष नीरज कुमार सिंह, मुखिया कमला देवी, शोभा देवी, उमेश राम, प्रिया सिंह, पंसस ममता देवी, उपमुखिया रविरंजन सिंह, निलेश्वर सिंह, युवा समाजसेवी अश्विनी कुमार सिंह, धीरेंद्र बैठा, उदय कुमार सिंह, शुभम कुमार सिंह, राकेश कुमार सिंह, सुशील कुमार मेहता, रौशन कुमार, वरिष्ठ कांग्रेसी रामजन्म राम, राजद नेता डा. पंचु रजवार, सिद्धार्थ कुमार, गणेश मेहता, विनोद पासवान और झामुमो प्रखंड अध्यक्ष रामवचन बैठा के अलावा व्यावसायी जगत लाल, नीरज उर्फ दीपू लाल, मथुरा गुप्ता, मनोज कुमार चौरसिया, विश्वनाथ गोस्वामी, कमलेश मेहता, छोटेलाल सोनी, विनोद सोनी, मुकेश चौरसिया, विजय कुमार पालो, विकास कुमार मुरली सहित अन्य कई लोग शामिल हैं।

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल मुरूगन के दौरे से ग्रामीणों के रेलवे से संबंधित मुद्दों के समाधान की उम्मीद बढ़ गई है। इस क्षेत्र के दौरे से लौटकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को लिखे उनके पत्र से इसके संकेत मिले हैं। पत्र में उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर ग्रामीणों से मिले आवेदन के आलोक में मोहम्मदगंज स्टेशन पर रांची-नई दिल्ली गरीब रथ के ठहराव के संबंध में ध्यान आकृष्ट कराया है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों आकांक्षी जिला भ्रमण कार्यक्रम के तहत वे पलामू जिला के दौरे पर थे। तब इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने उक्त ट्रेन के ठहराव के लिए उनसे आग्रह किया था। उन्हें बताया गया है कि इस संबंध में पूर्व में भी कई बार पत्र लिखकर मांग की गई है। इस पर विचार नहीं किया जा सका है। उन्होंने इस संदर्भ में यह भी उल्लेख किया है कि मोहम्मदगंज रेलवे स्टेशन पर ऊंटारी रोड, हैदरनगर, मझिआंव, कांडी और भवनाथपुर प्रखंड के सैकड़ों लोग ट्रेन पकड़ने के लिए आते हैं। यहां ठहराव होने से पलामू और गढ़वा जिले के लोगों को गरीब रथ ट्रेन पकड़ने के लिए अत्यधिक दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। बता दें कि सांसद विष्णु दयाल राम भी इसे लेकर प्रयासरत रहे हैं। लोस चुनाव से पहले धनबाद में रेल मंडल स्तरीय बैठक में और इसके बाद तीसरी बार सांसद बनने पर लोस, रेलमंत्री और रेलवे बोर्ड के समक्ष इसकी मांग को रखा था। बावजूद इसके गरीब रथ एक्सप्रेस का ठहराव अबतक संभव नहीं हो पाया है।

पुस्तकालय खुलने से पंचायत के लोगों के साथ विद्यार्थियों को होगा लाभः एसडीओ

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड के देवरी खुर्द पंचायत सचिवालय भवन में पुस्तकालय का उद्घाटन हुसैनाबाद के एसडीओ केके कनवड़िया, सीओ पंकज कुमार, मुखिया ममता देवी ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर एसडीओ केके कानवाड़िया ने कहा कि ग्राम पंचायत में पुस्तकालय होने से गांव के लोगों को खाली समय में अच्छी पुस्तक पढ़ने को मिलेगी। इससे ग्रामीणों में जागरूकता भी आएगी। उन्होंने कहा कि इससे गांव के विद्यार्थियों को काफी लाभ होगा। उन्हें जानकारी परक पुस्तकों के अलावा नई-नई जानकारियां मिलेंगी। मौके पर देवरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार, समाजसेवी उपेंद्र मेहता, उप मुखिया गुंजन देवी, वार्ड सदस्य गीता देवी, धर्मशीला देवी, उषा देवी, परशुराम मेहता, राजेन्द्र मेहता, अशोक मेहता, अनूप चंद्रवंशी, बिट्टू विश्वकर्मा, नीतीश आर्यन, सीटू मेहता, अनूप ठाकुर सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

बाबा महत्वना धाम देव स्थल पर लगा वार्षिक मेला, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। नप मुख्यालय से सटे खुटीसोत नदी तट पर अस्थित आस्था का प्रतीक बाबा महत्वना धाम पर मंगलवार को भव्य वार्षिक मेला लगा मेला में स्थानीय लोग के अलावा दूर-दूर से भी लोग काफी संख्या में आये थे। अहले सुबह से ही श्रद्धालु महत्वना धाम पहुंचकर पूजा-अर्चना शुरू कर दिये थे। बाबा महत्वना की विशेष पूजा अर्चना पूरे दिन चलता रहा। मेला आयोजन कमेटी द्वारा भोजपुरी दुगोला कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था,जो सारा दिन चलता रहा। भोजपुरी गायन कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि जिला योजना समिति सदस्य सह पार्षद संजय बैठा व धाम के पुजारी सरयू चौधरी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मेला में झारखंड व बिहार के प्रसिद्ध गायक विजय बावली व गुड्डू लाल यादव सहित स्थानीय कलाकारों ने भोजपुरी भक्ति गीत गाकर पूरे मेला क्षेत्र को भक्तिमय कर दिया। मौके पर युवा समाजसेवी ऋतुराज मिश्रा, समाजसेवी विजय कुमार रवि, भाजपा नेता मनीष कुमार, देववंश राम, नवल सिंह, धनंजय पांडेय, बबन बैठा, सत्यनारायण सिंह, मोड्ड स्टार खलीफा उर्फ पेंटर जिलानी, बिनोद राम सहित कई लोग मौजूद थे।

प्रदेश मंत्री को चुनाव प्रभारी बनाये जाने का स्वागत

नीलांबर पीतांबरपुर। भाजपा नेतृत्व द्वारा राज्यसभा सदस्य सह प्रदेश मंत्री प्रदीप वर्मा को पार्टी का चुनाव प्रभारी बनाए जाने पर व उन्हें उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ का बताये जाने का खंडन किया है। इस संबंध में लेस्लीगंज पंचायत के मुखिया पति सह चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष छोटे लाल सोनी, मुखिया रेखा देवी ने खंडन किया है। उन्होंने कहा कि प्रदीप वर्मा मूल रूप से झारखंड के पलामू जिले के लेस्लीगंज प्रखंड के निवासी हैं। उनका खानदानी घर और परिवार इस प्रखंड का निवासी है। प्रदीप वर्मा का चुनाव प्रभारी के रूप में नियुक्ति से क्षेत्र के विकास और पार्टी की मजबूती के लिए एक सकारात्मक कदम साबित होगा।

स्कूल के लिए निकली नाबालिग नहीं पहुंची घर, परिजन परेशान

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। थाना के एक गांव निवासी ने हुसैनाबाद थाना में आवेदन देकर 17 वर्षीय पुत्री 14 दिसंबर की सुबह अपने घर से कन्या मध्य विद्यालय जपला के लिए निकली थी। वह आज तक घर नहीं पहुंची है। थाना को दिए आवेदन में पिता ने कहा है कि दोस्तों रिश्तेदारों के यहां काफी खोज बीन करने पर भी उसका का सुराग नहीं मिल सका है। 16 दिसंबर को उनके मोबाइल फोन पर एक फोन आया। जिससे उनकी पुत्री से बात कराई गई। उसके बाद से उस नंबर पर वह फोन लगा रहे हैं, उधर फोन रिसीव नहीं किया जा रहा है। पिता ने आवेदन में कहा है कि उनकी पुत्री को बहला फुसला कर भगा कर ले जाया गया है। उन्होंने थाना प्रभारी से छानबीन कर पुत्री को बरामद करने का आग्रह किया है। हुसैनाबाद थाना प्रभारी संजय कुमार यादव ने बताया कि आवेदन पर थाना में मामला दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

एक हजार लीटर अवैध महुआ शराब पुलिस ने किया नष्ट

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। अनुमंडल क्षेत्र के देवरी ओपी अंतर्गत सोन नदी के डीला पर पुलिस ने छापेमारी कर अवैध देशी शराब बनाने में प्रयुक्त एक क्विंटल जावा महुआ व शराब बनाने के उपकरण को पुलिस ने डीला पर ही नष्ट किया है। बताया जाता है कि नये वर्ष को लेकर इन क्षेत्रों में भारी मात्रा में अवैध महुआ शराब बनाने व बेचने का कारोबार होता है। शराब बनाने वाले दूर से ही पुलिस को देखकर फरार हो जाते हैं। देवरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार ने बताया कि इस मामले में सनहा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि इसकी अनुमानित कीमत 70 हजार रुपये है। यह छापेमारी आगे भी जारी रहेगी।

संत तुलसीदास इंटर कॉलेज के संस्कृत विभागाध्यक्ष सेवानिवृत, दी गयी विदाई

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। रेहला बी मोड़ स्थित संत तुलसीदास इंटर कॉलेज के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. विजय प्रसाद शुक्ला मंगलवार को सेवानिवृत हो गये। सेवानिवृत्त होने बाद उनके सम्मान में मंगलवार को कॉलेज परिवार द्वारा समारोह आयोजित किया गया। उन्हें सम्मान पूर्वक विदाई दी गई। समारोह की अध्यक्षता प्राचार्य अर्चना कुमारी व संचालन लेखापाल सुभाष पांडेय छोटू ने किया। समारोह में कॉलेज कर्मियों द्वारा डॉ. विजय प्रसाद शुक्ला को सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि नौकरी में योगदान और सेवानिवृति एक प्रक्रिया है,जिससे सभी को गुजरना पड़ता है। हमने तो इस वित्तरहित कॉलेज को अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया, लेकिन मुझे प्रसन्नता है कि हमारे त्याग से उच्च शिक्षा का यह शैक्षणिक संस्थान आज पूरे क्षेत्र में शिक्षा का अलख जगा रहा है।आर्थिक रूप से कमजोर युवा भी उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। उन्होंने कॉलेज के उज्वल भविष्य की कामना की। कॉलेज कर्मियों ने श्री शुक्ला के कार्यकाल की सराहना की। कहा कि कॉलेज परिवार इनके द्वारा बताये गये अनुशासन व संस्कार की रहा पर आगे बढ़ता रहेगा। मौके पर राजीव चौबे, इरफान अहमद, इबरार खलीफा, रेणु कुमारी, रूपा कुमारी, शुशील यादव, सोनालिका कुमारी, सोनी कुमारी, संतोष ठाकुर, चंद्रशेखर शुक्ला, प्रभाकर सिंह, अमित चौबे, लक्ष्मीकांत शुक्ला, सुनीता पांडेय, अंजना कुमारी, रेणु कुमारी, मृत्युंजय पांडेय, पानपति देवी, संतोष ठाकुर, शशिकांत कुमार, पंकज चौबे, विशाल चंद्रवंशी, सुजीत चौबे, अनिमेष तिवारी सहित सभी कॉलेजकर्मी व छात्र छात्रा मौजूद थे।

प्राकृतिक व ऐतिहासिक स्थलों के विकसित व संरक्षित करने की उम्मीद बढ़ी

मुख्यमंत्री के राज्य में इको टूरिज्म के विकास की योजना बनाने के निर्देश पर लोगों में खुशी

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के झारखंड में इको टूरिज्म के विकास के लिए एक बेहतर कार्य योजना तैयार करने के अधिकारियों को दिए गए निर्देश से इस क्षेत्र के प्राकृतिक और प्राचीन काल के धरोहरों के संरक्षित और विकसित करने की उम्मीद जताई गई है। लोगों का कहना है कि मुख्यमंत्री के कहे अनुसार झारखंड के इस क्षेत्र में भी इको टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं। यदि इन्हें विकसित किया जाएगा, तो इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलने के साथ ही साथ प्रकृति और जैव विविधता को संरक्षित रखा जा सकता है। वन पर्यावरण और पर्यटन विभाग के संयुक्त प्रयास से इको टूरिज्म को बढ़ावा देने पर इस क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को अलग पहचान मिलेगी। पर्यटन के क्षेत्र में राज्य के मानचित्र पर भीमचूल्हा के साथ ही काशीसोत डैम, लकड़ही पहाड़ के अजूबे चट्टान, गोलापत्थर, अन्हरहुआं पहाड़, पहड़वा बाबा, सीताचुआं और लिखलाही पहाड़ों सहित अन्य कई स्थलों की पहचान बढ़ेगी। इको टूरिज्म के विकसित होने से इस क्षेत्र के प्रकृति धरोहरों को संरक्षित रखा जा सकता है। गोड़ाडीह के ग्रामीणों के काशीसोत डैम को पर्यटक और जैव विविधता विरासत स्थल घोषित कराने की दिशा में शुरू किए गए प्रयास के साथ ही जिला पार्षद अंजू देवी की पहल पर वन, पर्यावरण व पर्यटन विभाग की जारी कोशिश के बीच मुख्यमंत्री के इस निर्देश से क्षेत्र के टूरिज्म कोरिडोर के रूप में स्थापित होने की संभावना बलवती हो गई है।

खंडहरनुमा पर्वतीय निरीक्षण भवन के दिन बहुरने के आसार बढ़े

भ्रमण और प्राकृतिक सौंदर्य के अवलोकन स्थल के रूप में भौंराहा पर्वत मध्य में स्थित खंडहरनुमा पर्वतीय निरीक्षण भवन के दिन बहुरने के आसार बढ गए हैं। संरक्षण के अभाव में इसके खंडहर में परिवर्तित होने से संबंधित खबर के सूर्खियों में आने पर सांसद विष्णु दयाल राम ने इसे गंभीरता से लिया है। सांसद प्रतिनिधि महेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि जल्द ही विभागीय अभियंताओं की टीम इसका मुआयना करने के साथ ही इसके कायाकल्प को लेकर प्राक्कलन बनाकर काम कराएगी। जैसा कि सांसद के हवाले से उन्हें जानकारी प्राप्त हुई है।

नववर्ष पर सैलानियों की बाट जोह रहे कई स्थल

बुधवार को नववर्ष की शुरूआत होगी। धार्मिक मान्यताओं में बुधवार को अराध्य देव गणेश का दिन माना जाता है। ऐसे नये साल का श्रीगणेश की वजह से लोगों में पिकनिक मनाने और भ्रमण को लेकर उत्सुकता और उत्साह बताया जाता है। ऐसे इस क्षेत्र के पर्यटक स्थल भीम चूल्हा सहित पर्वतीय निरीक्षण भवन, काशीसोत डैम साइड, पंसा नदी तट और कोयल-काशीसोत संगम स्थल सैलानियों की बाट जोह रहे हैं। मंगलवार को भीमचूल्हा में इसकी आहट सुनाई दे गई है। स्कूली बच्चों ने शैक्षणिक भ्रमण पर जमकर लुत्फ उठाया। कुछ लोगों लिट्टी चोखा का स्वाद लेते हुए साल को अलविदा कहा।

न्यूज बॉक्स

बराही धाम में श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर किया साल 2024 को विदा

हुसैनाबाद। वर्ष 2024 के अंतिम दिन मंगलवार को झारखंड के चर्चित बराही धाम में श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर नए साल का आगाज किया। सुबह सात बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ बराही धाम पहुंचने लगे। बराही धाम स्थित देवी मंदिर, हनुमान, शिव मंदिरों में पूजा अर्चना कर सुख - समृद्धि और बेहतर स्वास्थ की कामना की। इस मौके पर बजरंगबली का पाठ और बजरंगबली की धाम के पुजारियों ने आरती की। सर्द मौसम व ठंड हवा के झोंको के बीच में इस धाम में क्षेत्र के अलावा बिहार, उतर प्रदेश, छत्तीसगढ़ से काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजा की। बिहार के श्रद्धालु अमन कुमार ने बताया कि यहां आने पर उन्हें काफी सकून मिलता है। यहां पूजा करने से सकारात्मक ऊर्जा के साथ सभी मनोकामना पूर्ण होती है। इस दौरान श्री हनुमान, बजरंगबली की जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना रहा। आगंतुक श्रद्धालुओं ने मंदिर प्रबंध समिति की ओर से आयोजित भंडारा में महाप्रसाद ग्रहण किया। महाप्रसाद के लिये महिलाएं और पुरुषों के लिए अलग अलग स्टॉल धाम लगाया गया था। वैसे भी बराही धाम में पिछले दो वर्षों से प्रत्येक मंगलवार को भव्य भंडारे का आयोजन किया जाता है।

नए साल में विधि-व्यवस्था को लेकर देवरी ओपी प्रभारी व प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट ने सोन नदी तट लिया जायजा

हुसैनाबाद। नए साल के आगमन का उत्सव लोगों मे जोरों से देखा जा रहा है। लोग अपने चुनिंदा जगहों पर जाकर नए साल का शुरूआत करने का मन बना रहे है। पलामू जिला के हुसैनाबाद के देवरी स्थित सोन नदी पिकनिक स्पॉटो में बेहतरीन है। यहां नव वर्ष में लोगों की काफी भीड़ जुटती है। नए साल के पिकनिक स्पॉट पर भीड़ में शराब पीकर हुड़दंग करने या मनोरंजन व्यवधान उत्पन्न करने वालों की निगरानी के लिए जिला प्रशासन ने जिले के सभी पिकनिक स्थानों पर मजिस्ट्रेट प्रतिनियुक्त किया गया है। साथ ही पुलिस बल भी तैनात किए गए है लेकिन शराब ?पीकर हुड़दंग करने वाले उपद्रवियों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। उसी को लेकर साल के अंतिम दिन हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र के देवरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार, सोन नदी तट पर प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट आशीष कुमार सिंह, एएसआई अखिलेश कुमार एवं देवरी ओपी पुलिस बल के साथ देवरी कला स्थित सोन नदी तट का निरीक्षण कर जायजा लिया। देवरी ओपी प्रभारी ने बताया पिकनिक स्पॉट पर देवरी ओपी पुलिस द्वारा विधि व्यस्था बनाये रखने हेतु निरंतर गश्त कर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

नव वर्ष

बीते साल को अलविदा और नये वर्ष की तैयारी में जुटे युवा वर्ग

नव वर्ष में पूजा स्थलों पर दर्शन कर करेंगे नई शुरूआत

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। गुजरे साल 2024 को अलविदा कर युवा नववर्ष 2025 का झूमकर स्वागत किया। इनके उत्साह के आगे ठंड बेअसर हो रहा। इसको लेकर होटल, पिकनिक स्पॉट, पर्यटन स्थल आदि को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। युवाओं ने पिकनिक मनाने की तैयारी पूरी कर ली है। मंगलवार को बाजार में युवाओं की भीड़ अन्य दिनों की अपेक्षा ज्यादा दिखी। प्लान के मुताबिक वह आवश्यक सामग्री की खरीदारी करते दिखे। उनके द्वारा केक के भी ऑर्डर दिए जा रहे थे। बाजार में मटन, चिकेन, मछली, खोवा, पनीर, मशरूम की एडवांस

बुकिंग कराई जा रही है। हरा मटर, प्याज, लहसुन की मांग बढ़ी। कारोबारियों ने उक्त चीजों को स्टोर कर लिया है। किसी को नान-वेज व्यंजन का स्वाद लेना है, तो किसी को शाकाहारी का स्वाद चखना है। नए साल के उमंग पर युवा वर्ग ने डीजे पर डांस करने की तैयारी की है। दूध व पनीर का आर्डर दे दिया है। चिकेन, मटन, अंडा व मछली की खरीदारी खूब हुई। मालपुआ, खीर, मिष्ठान भोजन तैयार करने की भी है। कुछ लोगों ने देव स्थलों में पूजा-अर्चना करने के बाद नववर्ष के कार्यक्रम में शामिल होने का प्लान बनाया है। कुछ युवाओं ने भीड़ से बचने के लिए अपने घर पर ही परिवार के साथ नव वर्ष की खुशी बांटने का निर्णय लिया है। मुरली पहाड़ी स्थित कालेश्वर धाम, चार धाम, सोन नदी किनारे स्थित शिव मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना करेंगे।

पांकी में मिला हिमालयन उल्लू वन विभाग ने किया रेस्कयू

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिले के पांकी प्रखंड अंतर्गत डंडार के मजदूर किसान कॉलेज में मंगलवार को हिमालयन उल्लू मिला। कॉलेज के शिक्षकों ने उल्लू को देखकर वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और उल्लू का रेस्क्यू किया। उल्लू को पलामू टाइगर रिजर्व में सौंपने की जानकारी दी गई है। जिले में पहली बार हिमालयन उल्लू देखे जाने की जानकारी दी गयी है। मजदूर किसान कॉलेज में शिक्षकों ने दो उल्लू को उड़ते हुए देखा। अंजान पक्षी देखकर इसकी जानकारी वन विभाग के कर्मियों को दी। सूचना मिलने पर कुंदरी के वन क्षेत्र पदाधिकारी महेन्द्र प्रसाद एवं वनरक्षी दीनानाथ शर्मा मौके पर पहुंचे और कॉलेज के शिक्षकों के साथ मिलकर उल्लू का रेस्क्यू किया। वन क्षेत्र पदाधिकारी ने बताया कि उल्लू को पलामू टाइगर रिजर्व में सौंप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहली बार इस तरह का उल्लू पलामू जिले में देखा है। स्थानीय और बाहरी उल्लू की शारीरिक बनावट अलग-अलग है। संभावना है कि दोनों उल्लू भटक कर आ गए होंगे। उनकी शारीरिक संरचना से पता चलता है कि दोनों ठंडे प्रदेश में पाए जाने वाले उल्लू हैं। हिमालयन उल्लू होने की पूरी संभावना है।

लोक गायक रामनाथ नहीं रहे, लोगों ने जताया शोक

मोहम्मदगंज। लोकगायक रामनाथ व्यास का निधन हो गया। दाह संस्कार कोयल-काशीसोत संगम घाट पर किया गया। उनके आकस्मिक निधन से परिवार, समाज, गांव और कलाकारों में शोक व्याप्त हो गया है। बताया गया कि भजनियां गांव निवासी लोकगायक दिवंगत रामनाथ रजवार गायन और वाद्य कला में काफी कम उम्र से ही निपुण थे। उनकी व्यास के साथ ही सभी प्रकार के वाद्य यंत्रों (ढोलक, नगाड़ा, डुगी, नाल, हारमोनियम) के कुशल कलाकार के रूप में उनकी अलग पहचान थी। आसपास के किसी भी ऐसे आयोजनों में उनकी स्वैच्छिक उपस्थिति दर्ज होती थी। आमंत्रित करना भी लोग भूला नहीं पाते थे। जहां भी उनकी उपस्थिति होती थी, धार्मिक और सांस्कृतिक भजनों और गीतों की प्रस्तुति से शमा बंध जाता था। उनके निधन से लोकगायकी के क्षेत्र को अपूरणीय क्षति पहुंची है।

लीगल एड डिफेंस काउंसिल: गरीबों के लिए वरदान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। विधिक सेवा प्राधिकार के अंतर्गत संचालित लीगल एड डिफेंस कार्उंसिल सिस्टम गरीब और असहाय लोगों के लिए वरदान साबित हो रहा है। कोई भी व्यक्ति जिसकी वार्षिक आय तीन लाख रुपये से कम है, केवल शपथ पत्र देकर, जबकि अनुसूचित जाति-जनजाति, महिलाएं, दिव्यांग, प्राकृतिक आपदा से पीड़ित, या जेल में बंदी लोग प्रमाण पत्र देकर निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

इस सिस्टम के माध्यम से गरीबों के मामले मुफ्त में लड़े जा रहे हैं। लीगल एड डिफेंस काउंसिल से जुड़े अधिवक्ता नियमित रूप से जेल जाकर बंदियों की समस्याओं को सुनते और उनके समाधान के लिए कदम उठाते हैं। यह सुनिश्चित किया जाता है कि कोई भी बंदी अधिवक्ता की अनुपस्थिति के कारण न्याय से वंचित न हो।

पलामू के प्रधान जिला एवं सत्र

न्यायाधीश नीरज कुमार श्रीवास्तव और जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) के सचिव अर्पित श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में इस प्रणाली ने सैकड़ों गरीब लोगों को न्याय दिलाने का कार्य किया है। मजिस्ट्रेट कोर्ट से लेकर सेशन कोर्ट तक के मामलों में लीगल एड डिफेंस काउंसिल के अधिवक्ताओं ने अपनी मेहनत और ईमानदारी से कई लोगों को राहत दिलाई है।

चीफ अमिताभ चंद सिंह और डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय का कहना है कि 'डालसा द्वारा दिए गए हर आदेश को अमलीजामा पहनाने का प्रयास किया जाता है, ताकि कोई भी गरीब या असहाय व्यक्ति यहां से निराश न लौटे।' पिछले दो वर्षों में यह सिस्टम जरूरतमंदों के लिए न्याय की एक सशक्त प्रणाली बन चुका है।

जागरूकता और सहायता शिविर

डालसा और झालसा के सहयोग से जागरूकता शिविर आयोजित किए जाते हैं, जहां लोगों को विधिक सेवाओं और सहायता के बारे में जानकारी दी जाती है। जमानत, अपील, रिवीजन, गवाही, बहस सहित अन्य आवश्यक मुकदमों में लीगल एड डिफेंस कार्उंसिल की टीम ने सफलता हासिल की है।

टीम वर्क और उपलब्धियां

लीगल एड डिफेंस काउंसिल की टीम, जिसमें चीफ अमिताभ चंद सिंह, डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय, और असिस्टेंट सदस्य वीर विक्रम वक्स राह, पुष्कर राज, उत्तम कुमार और कुमारी नीतू सिंह शामिल हैं, ने सामूहिक प्रयासों से एक अलग पहचान बनाई है। इनकी मेहनत के कारण आज सैकड़ों मामलों में गरीबों को न्याय मिल रहा है।

झारखंड राज्य स्तरीय क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता में भाग लेने रवाना हुई पलामू टीम

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड स्टेट एथलेटिक्स एसोसिएशन और ईस्ट सिंहभूम एथलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वावधान में राज्य स्तरीय क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता का आयोजन 31 दिसंबर को जमशेदपुर के यूसीआईएल ग्राउंड, तूरामडीह, सुंदरनगर में किया गया है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पलामू टीम रवाना हो गई।

टीम की अगुवाई टीम मैनेजर अमरनाथ सर (तरहसी कॉलेज) और कोच मोनू कुमार कर रहे हैं। प्रतिभागियों में रिया कुमारी, रेशमा पांडे, और प्रीति कुमारी शामिल हैं। सभी खिलाड़ी डेहरी-बरकाकाना पैसेंजर ट्रेन से जमशेदपुर के लिए रवाना हुए।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का चयन 20 दिसंबर को आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया था। चयनित खिलाड़ियों में अख्तर अंसारी, सुधाकर कुमार मेहता, बजरंगी चौधरी, विकास कुमार सिंह, पुष्पा कुमारी, चांदनी कुमारी, शाहिना खातून, देवकांत कुमार विश्वकर्मा, चंचला कुमारी, सालेहा खातून और राजलक्ष्मी शामिल हैं। यह जानकारी पलामू डिस्ट्रिक्ट एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव संजय कुमार त्रिपाठी ने दी।

सघन जांच अभियान में 53150 रुपये का चालान शराब पीकर वाहन चलाने वाले तीन पकड़े गए

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। छह मुहान और रात में सादिक चौक के पास परिवहन विभाग और पुलिस ने सघन जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान चारपहिया और दोपहिया वाहनों की गहन जांच की गई। ब्रेक एनालाइजर मशीन से शराब पीकर वाहन चलाने वालों की जांच की गई, जिसमें दो बाइक चालक और एक कार चालक शराब पीकर गाड़ी चलाते पाए गए। सभी गाड़ियों को तुरंत जब्त कर लिया गया।

बिना लाइसेंस और हेलमेट वाहन चलाने पर कार्रवाई

जांच के दौरान कई वाहन चालक बिना हेलमेट, बिना लाइसेंस और ट्रिपल लोडिंग करते हुए पकड़े गए। कुल 13 दोपहिया वाहनों को जब्त कर शहर थाना परिसर में रखा गया। सभी गाड़ियों को जिला

परिवहन कार्यालय, डाल्टनगंज, पलामू चालान और फाइन के लिए भेजा गया।

चालान और जुर्माना राशि

31 दिसंबर 2024 को जिला परिवहन कार्यालय ने कुल 53150 रुपये का चालान जारी किया।

शराब पीकर वाहन चलाने वाले 3 चालकों का चालान: 31000 रुपये

13 दोपहिया वाहनों का चालान (बिना हेलमेट और लाइसेंस): 19000 रुपये

ई-रिक्शा का चालान: 1150 रुपये

2 कारों का चालान : 2000 रुपये

यातायात प्रभारी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना और यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराना है। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के अभियान लगातार जारी रहेंगे।

2024: झामुमो पलामू के लिए ऐतिहासिक वर्ष, कार्यकर्ताओं की मेहनत का दिखा असर

पलामू में झामुमो की संगठनात्मक मजबूती और समाजसेवा पर जोर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के पलामू जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने 2024 को पार्टी और कार्यकर्ताओं के लिए ऐतिहासिक वर्ष बताया। इस साल लोकसभा और विधानसभा चुनावों में झामुमो ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत और पंचायत स्तर तक संगठन के विस्तार से पलामू में पार्टी की शक्ति और प्रभाव बढ़ा।

संगठन और जनता से जुड़ाव

झामुमो ने ग्रामीण क्षेत्रों में सदस्यता अभियान चलाकर हजारों लोगों को पार्टी से जोड़ा। मुख्यमंत्री हेमंत

सोरेन की योजनाओं का लाभ दिलाने और जनता की समस्याओं का समाधान करने के लिए नियमित कार्यालय बैठकें और जनता दरबार आयोजित किए गए। 'आपकी सरकार आपके द्वार' जैसे कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी से पार्टी ने जनता का विश्वास जीता।

चुनाव परिणाम और सामाजिक पहल

हालांकि लोकसभा में पार्टी ने सीट नहीं लड़ी, लेकिन वोट प्रतिशत में बढ़ोतरी और विधानसभा की तीन सीटों पर जीत महागठबंधन के लिए बड़ी सफलता रही। समाजसेवा में भी पार्टी ने रक्तदान शिविर, गरीबों की आर्थिक मदद, और युवाओं को खेलकूद के माध्यम से जोड़ने पर जोर दिया।

भविष्य की योजनाएं और नववर्ष की शुभकामनाएं

आने वाले समय में झामुमो पलामू ने विकास योजनाओं, पेयजल आपूर्ति, बस स्टैंड के सुंदरीकरण और मेदिनीनगर के लीज नवीनीकरण जैसे मुद्दों पर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। झामुमो पलामू ने नववर्ष पर जनता को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास दिलाया कि यह संगठन उनके विकास और कल्याण के लिए हमेशा तत्पर रहेगा।

कानून-व्यवस्था और समाज सुधार में उत्कृष्ट उपलब्धियां का वर्ष रहा 2024 : एसपी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू पुलिस ने 2024 में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध नियंत्रण में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि पुलिस ने साइबर अपराधों पर नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाए, जिससे कई मामलों का त्वरित समाधान हुआ। गंभीर अपराधों में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोषियों को न्याय दिलाया गया और वाहनों की बरामदगी के साथ नक्सल गतिविधियों पर भी निर्णायक कार्रवाई की गई।

स्थायी वारंटों और न्यायिक मामलों का सफल निष्पादन कर न्याय सुनिश्चित किया गया। सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुधार से जुड़े अभियानों में पुलिस की भागीदारी सराहनीय रही। लोकसभा और विधानसभा चुनावों के दौरान शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने और सुरक्षा सुनिश्चित करने में पुलिस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

एसपी रीष्मा रमेशन ने पुलिसकर्मियों और जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पलामू पुलिस अपराध नियंत्रण और समाज सुधार के लिए भविष्य में भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करती रहेगी।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा 11 जनवरी को वित्त मंत्री को करेगा सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान महासचिव पुष्कर महतो के नेतृत्व में 11 जनवरी को झारखंड सरकार के वित्त, संसदीय कार्य, योजना एवं वाणिज्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर को सम्मानित किया जाएगा और ज्ञापन सौंपा जाएगा। यह कार्यक्रम रांची के भवानीपुर, सी टाइप क्वार्टर साइट, झंडा चौक, डोरंडा में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में राज्य के 24 जिलों के मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल और केंद्रीय पदाधिकारी शामिल होंगे। यह आयोजन पहले 12 जनवरी को निर्धारित था, लेकिन अब इसे एक दिन पहले, 11 जनवरी को दोपहर 3 बजे आयोजित किया जाएगा।

मांगों पर होगी चर्चा : मोर्चा के केंद्रीय संयोजक सतीश कुमार ने बताया कि आंदोलनकारियों के सवालों को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया है कि जेल जाने की बाध्यता समाप्त कर सभी आंदोलनकारियों को सम्मान पेंशन और सरकारी सुविधाएं दी जाएंगी। मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने भी गंभीरता से इन मुद्दों पर विचार कर समाधान का भरोसा दिया है। सतीश कुमार ने कहा कि झारखंड राज्य के निर्माण में आंदोलनकारियों की अहम भूमिका रही है। यह कार्यक्रम उन्हें सम्मान देने और उनकी मांगों को सरकार तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

मरीजों की परेशानी : मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज में ओपीडी सेवाओं पर सवाल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने में हो रही कटौती से मरीजों और उनके परिजनों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल प्रबंधन द्वारा घोषित ओपीडी समय का पालन नहीं होने से अस्पताल प्रशासन पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

समय का भ्रम और सेवाओं की कमी

सर्जरी और मेडिसिन ओपीडी का निर्धारित समय सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे और शाम 3 बजे से 5 बजे तक बताया गया है। हालांकि, मरीजों ने शिकायत की है कि चिकित्सक सुबह के समय भी तय अवधि से एक घंटा कम बैठते

हैं। शाम के समय ओपीडी विभाग बंद रहने से मरीजों को इमरजेंसी वार्ड का सहारा लेना पड़ता है। अस्पताल अधीक्षक डी. कुमार ने बताया कि ग्रामीण इलाकों से आने वाले मरीजों को देखते हुए ओपीडी का समय सुबह 9 से 2 बजे तक बढ़ाया गया है। बावजूद इसके, मरीजों को समय की कमी के कारण परेशानी उठानी पड़ रही है। ओपीडी विभाग के दरवाजों पर लिखे समय को देखकर मरीजों और उनके परिजनों में भ्रम की स्थिति बनी रहती है। परिजनों ने सवाल उठाया है कि यदि शाम के समय डॉक्टर मौजूद नहीं रहते, तो फिर समय लिखने का क्या औचित्य है? मरीजों और परिजनों ने प्रशासन से मांग की है कि ओपीडी सेवाओं का सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी को इलाज के अभाव में वापस न जाना पड़े।

अनुपमा तिवारी की 'अनुकृति' का भव्य लोकार्पण संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। हिंदी साहित्य भारती, पलामू के तत्वावधान में आयोजित लोकार्पण समारोह में कवयित्री अनुपमा तिवारी के काव्य-संग्रह अनुकृति का भव्य लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में झारखंड के प्रथम विधानसभा अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी, प्रो. सुभाषचंद्र मिश्र, प्रसिद्ध काष्ठ कलाकार प्रेम भसीन और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना और स्वागत नृत्य से हुई, जिसे अबोली शेखर, अनिंदिता सिंह और हिमाणी सिंह ने तमन्ना मल्लिक के निर्देशन में प्रस्तुत किया। लोकार्पण करते हुए इंदर सिंह नामधारी ने सुमित्रानंदन पंत की पंक्तियों का उल्लेख कर अनुपमा तिवारी की रचनाओं को अनुपम बताया। काष्ठ कलाकार प्रेम भसीन ने अनुकृति को एक प्रेरणादायक संग्रह बताते हुए इसकी विवेचना का वादा किया। सभाध्यक्ष प्रो. सुभाषचंद्र मिश्र ने कहा कि साहित्य और साहित्यकार किसी शहर की असली पहचान होते हैं।

कवयित्री अनुपमा तिवारी ने कहा कि साहित्य ने उन्हें जीवन के संघर्षों से लड़ने की शक्ति दी। उन्होंने अपनी कविताएं 'मैं हूं' और 'जीवन यात्रा' का वाचन कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। समारोह में क्षेत्र के कई साहित्यकारों, कवियों, और विद्वानों ने हिस्सा लिया। सभी ने अनुकृति की प्रशंसा करते हुए इसे साहित्य जगत के लिए एक अनमोल कृति बताया। कार्यक्रम का संचालन कवि राकेश कुमार और धन्यवाद ज्ञापन रमेश कुमार सिंह ने किया।

वार्ड 22: शहरी विकास की झलक और चुनौतियां

निवर्तमान पार्षद के दावे बनाम विकास की हकीकत

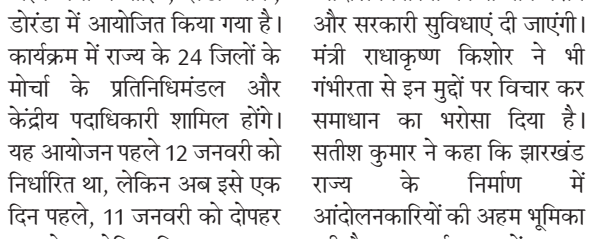

निवर्तमान पार्षद मनोज सिंह (बिल्लू सिंह) का दूसरा कार्यकाल रहा। उनके कार्यकाल में वार्ड में कई विकास कार्य हुए। नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की गई, और पेयजल आपूर्ति में सुधार किया गया। मनोज सिंह का दावा है कि उन्होंने प्रत्येक सड़क का पक्कीकरण कराया और स्ट्रीट लाइटों को अपने खर्चे पर भी दुरुस्त करवाया।

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निगम चुनाव में महत्वपूर्ण वार्ड संख्या 22, शहरी विकास और स्थानीय समस्याओं का प्रतीक है। यह क्षेत्र पहले नगर परिषद का हिस्सा था। वार्ड की आबादी 4346 है और इसका विस्तार उत्तर में सेवासदन मोड़ से नामधारी गुरुद्वारा तक, दक्षिण में कोयल नदी, पूर्व में नावाटोली रोड, और पश्चिम में दुर्गा मंडप तक फैला है।

वार्ड 22 शहरी और ग्रामीण जीवन के मिश्रण के साथ, विकास के साथ-साथ चुनौतियों को भी दशार्ता है।

वार्ड 22 के निवासियों की राय

सोनू मल्लिक, जो आगामी चुनाव में पार्षद बनने का दावा कर रहे हैं, ने कहा, 'वार्ड में जो कार्य होने चाहिए थे, वह अब तक पूरे नहीं हुए हैं। पिछले कई कार्यकाल में मूलभूत सुविधाएं बहाल करने हेतु कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।'

पिंटू कुमार ने कहा, 'मोहल्ले में पहले की अपेक्षा काफी विकास हुआ है, हालांकि नगर निगम को और भी ध्यान देना चाहिए।'

टुनटुन सिंह ने कहा, 'वार्ड में आज भी स्ट्रीट लाइटें दुरुस्त हैं और निगम द्वारा लोगों को दोबारा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।'

पलामू जिला : 132 साल का गौरवशाली इतिहास और विकास की उम्मीदें

युवाओं की राय

युवाओं ने विकास के विभिन्न आयामों पर दी अपनी राय

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले की स्थापना 1 जनवरी 1892 को हुई थी। 133 वर्षों के सफर में यह जिला अकाल, नक्सलवाद, और अन्य चुनौतियों से जूझते हुए आगे बढ़ा। विकास की राह पर जिले ने अपनी प्रतिभा का लोहा भी मनवाया। हालांकि, युवा पीढ़ी का मानना है कि वर्तमान में पलामू का विकास उस स्तर तक नहीं पहुंचा है, जहां इसे होना चाहिए।

एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष अमरनाथ तिवारी ने कहा कि पलामू का इतिहास वीरता और संघर्ष से भरा है। उन्होंने नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय में शोध कार्य और सत्र नियमित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

अभाविप के पूर्व छात्र नेता प्रकाश राय ने बताया कि अशिक्षा और नक्सली हिंसा में कमी आई है, लेकिन उच्च शिक्षा के लिए स्थानीय छात्रों को बाहर जाना पड़ता है। उन्होंने सरकार से स्थानीय युवाओं को लाभ पहुंचाने की अपील की।

व्यवसायी मुकेश कुमार चौरसिया ने कहा कि पलामू खनिज और संपदा से समृद्ध है, लेकिन विकास रुक सा गया है। व्यापार के लिए अनुकूल माहौल बनाना होगा ताकि अर्थव्यवस्था मजबूत हो सके।

जेएमएम युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सन्नी शुक्ला ने पलायन की समस्या पर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार में सुधार के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

युवा उद्यमी प्रकाश सिंह राजपूत ने पलामू किला और बेतला नेशनल पार्क के विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्यटन के लिए इन स्थलों का सही तरीके से विकास नहीं हुआ है।

जेएमएम युवा सचिव आशुतोष विनायक ने जिले में खेल मैदान और फ्लोराइड समस्या जैसी मुद्दों पर काम करने की मांग की।

समाजवादी पार्टी के अभिनव कुमार ने युवाओं से जिले के विकास में भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया। स्काउट एंड गाइड के रविंद्र कुमार ने बेरोजगारी की समस्या उठाई और रिक्त पदों को भरने की मांग की।

पलामू जिले के 133वें स्थापना दिवस पर युवाओं ने सकारात्मक बदलाव और समग्र विकास की उम्मीदें जताई हैं।

समाजसेवा और सादगी की मिसाल नीलू तुलस्यान : हृदयानंद मिश्र

मेदिनीनगर। नीलू तुलस्यान के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड, झारखंड सरकार के सदस्य हृदयानंद मिश्र ने कहा कि नीलू तुलस्यान एक सहज, सरल और नेकदिल इंसान थे। वे हमेशा जरूरतमंदों की मदद के लिए तत्पर रहते थे और एक सफल व्यवसायी के रूप में भी अपनी पहचान रखते थे। उन्होंने बताया कि नीलू तुलस्यान से उनके चार दशकों से भी अधिक आत्मीय संबंध थे। उन्होंने कहा कि सामाजिक जीवन में उनकी अनुपस्थिति से जो रिक्तता आई है, उसकी भरपाई निकट भविष्य में असंभव प्रतीत होती है। उनका निधन समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। नीलू तुलस्यान की सादगी, सेवा और योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति और शोक संतप्त परिवार को यह अपार दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

पिकनिक स्पॉट व सुरक्षा का लिया जायजा

नवीन मेल संवाददाता

धुरकी। थाना क्षेत्र के सुखलदीरी जलप्रपात व पनघटवा डैम का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, इंस्पेक्टर, थाना प्रभारी द्वारा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने थाना प्रभारी को सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित दिए आवश्यक निर्देश। थाना प्रभारी उपेन्द्र कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के दोनों पिकनिक स्पॉट की सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया है। पिकनिक स्पॉट पर पुलिस की तैनाती रहेगी। ड्रॉन कैमरा के मदद से और सादे लिबास में बल तैनात कर पिकनिक स्पॉट पर नजर रखी जा रही है। साथ ही थाना प्रभारी ने पिकनिक के लिए आने वाले लोगों से अपील की है कि लोग शराब का सेवन न करें और अधिक पानी वाले क्षेत्र के नजदीक न जाएं। मौके पर धुरकी पुलिस बल मौजूद थी।

नव वर्ष को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड में

वन भोज व वाहन परिचालन में सावधानी बरतें: उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। नववर्ष 2025 के आगमन पर उपायुक्त शेखर जमुआर ने जिला वासियों को जिला प्रशासन की ओर से शुभकामनाएं दी है। जिला वासियों से अपील की कि नववर्ष 2025 के आगमन पर वनभोज व वाहन परिचालन के दौरान सावधानी बरतें। जलाशयों में स्नान करने व पानी में उतरने से बचें। पानी की गहराई की जानकारी नहीं होने के कारण अनहोनी की आशंका बनी रहती है। असावधानी या अतिउत्साह हमारे जीवन को संकट में डाल सकती है। स्नान के दौरान डैम, नदी आदि जलाशयों की गहराई का पता नहीं लगता, जिससे दुर्घटनाएं परिलक्षित हुई है। पानी के आस-पास अत्यधिक

सावधानी बरतने की आवश्यक है। मौसम को देखते हुए नववर्ष के दौरान कोहरा होने की भी संभावना है। ऐसे में सावधानी पूर्वक वाहनों का परिचालन करें। वाहन चलाते समय या पिकनिक के दौरान शराब एवं अन्य मादक पदार्थो के सेवन से बचें। विशेषकर शराब का सेवन कर वाहन न चलाएँ। वनभोज के दौरान भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा गढ़वा जिले के प्रमुख वनभोज स्थलों जैसे- अन्नराज डैम, सुखलदरी फॉल, गुरूसेन्धू फॉल, सतबहिनी फॉल, सोन नदी, कनहर नदी, कोयल नदी के प्रमुख स्थानों सहित अन्य वनभोज स्थलों पर कर्मचारी व स्थानीय गोताखोरों की तैनाती की गई है। इस क्रम में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी को निर्देश दिया गया है कि विशेषकर एक जनवरी को अपने प्रखंड अंतर्गत प्रमुख स्थलों पर अपने अधीनस्थ कर्मियों के माध्यम से सतत निगरानी रखते हुए स्वयं भी वनभोज, पिकनिक स्थलों का निरीक्षण करें। अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा, श्री बंशीधर नगर, रंका को अपने क्षेत्र अंतर्गत विधि-व्यवस्था के वरीय प्रभार में रहेंगे। पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रमुख वनभोज स्थलों व जलाशयों के आस-पास सुरक्षा व्यवस्था भी सुनिश्चित किया जा रहा है। शराब का सेवन कर वाहनों का परिचालन करने वालों पर प्रशासन की पैनी नजर रहेगी।

एक ही दिन दो मजदूरों की मौत से गांव में मातम

नवीन मेल संवाददाता

रमना। सिलीदाग पंचायत निवासी श्यामा चंद्रवंशी की बिहार के सासाराम जिला अंतर्गत कुदरा पेट्रोल पंप पर कार्यरत कर्मी का अचानक असमय निधन व रमना पंचायत के रामगढ़ निवासी लाला पासवान के 24 वर्षीय पुत्र आनंद पासवान की सड़क दुर्घटना में मौत ने पूरे प्रखंड में नववर्ष का माहौल गमगीन कर दिया। जेएमएम नेता ताहिर अंसारी, समाज सेवी राजेश कुमार सिंह (राजा सिंह), मुखिया प्रतिनिधि मुकेश ठाकुर, सत्यप्रकाश रवानी, दीपक सिंह शोकाकुल परिजन से मिलकर ढांढस बंधाया। जानकारी के अनुसार रामगढ़ निवासी आनंद पासवान सिंगरौली में वाहन

चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करते थे। सोमवार को अपने बच्चे के जन्म दिन के लिए घर आ रहे थे। इस बीच उत्तर प्रदेश के औढ़ी मोड़ पर गाड़ी पकड़ने के क्रम में तेज गति से आ रही वाहन के चपेट में आ जाने से मौके पर ही उनकी मौत हो गयी।

कार पलटा, कोई हताहत नहीं

भवनाथपुर। नगरउंटारी मुख्य मार्ग पर कड़िया राज धाम के सामने एक तेज रफ्तार अनियंत्रित कार पलट गई। दुर्घटना में कार सवार सहित किसी के हताहत नहीं होने की सूचना है। घटना के बाद कार सवार मौके से फरार हो गये। बाद में घटना की सूचना पर स्थानीय थाने की पुलिस कार को कब्जे में लेकर थाने ले आई।

मृतक मजदूर के परिजनों से मुलाकात कर विधायक ने दिया मदद का आश्वासन

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। थाना क्षेत्र के बैतरी गांव निवासी मुंद्रिका यादव की जहरीली गैस रिसाव से हुई मौत के बाद उनके शव के गांव पहुंचने पर मातम का माहौल छा गया। 30 वर्षीय मुंद्रिका यादव अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनकी मौत गुजरात के भरूच में फ्लोरोकेमिकल लिमिटेड के सीएमएस संयंत्र में गैस रिसाव के दौरान हुई। इस घटना में चार मजदूरों की जान गई थी। मंगलवार को शव गांव पहुंचते ही परिजनों और ग्रामीणों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मुंद्रिका यादव के परिवार में उनकी पत्नी, 8 वर्षीय बेटी पूजा और 6 वर्षीय बेटा चंदन हैं। अब परिवार की जिम्मेदारी निभाने वाला कोई नहीं रहा। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय विधायक अनंत प्रताप देव उर्फ छोटे राजा मृतक के घर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात की। विधायक ने कहा कि यह घटना दुःखद है। सरकार द्वारा चलाई जा रही हर योजना का लाभ

इन्हें दिलाया जाएगा। मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना के तहत मृतक के दोनों बच्चों को 18 वर्ष की उम्र तक प्रति माह चार हजार रुपये की राशि दी जाएगी। इसके अलावा परिवार को राशन, पेंशन और अन्य योजनाओं से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा हमने इस घटना की पूरी रिपोर्ट सरकार तक पहुंचाई है। मृतक के परिजनों को हर संभव सहायता देने का आग्रह किया। विधायक के साथ झामुमो अनुमंडल अध्यक्ष मुक्तेश्वर पांडेय, जिला परिषद सदस्य धर्मराज पासवान, उपप्रमुख देवदत्त प्रसाद आर्य, सिसरी पंचायत मुखिया पति उदय अलबेला, पूर्व बीडीसी लवकुश प्रजापति, पूर्व मुखिया महेन्द्र शाह सहित कई स्थानीय लोग उपस्थित थे। सभी ने परिवार को ढांढस बंधाया और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

पिछड़े इलाके में इस तरह का आयोजन सराहनीय: विकास

नवीन मेल संवाददाता

मेराल। अंजुमन शान ए वतन के सौजन्य से तीसरटेटूका गांव के मैदान में मंगलवार को क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन 3 का आयोजन किया गया। उद्घाटन झामुमो के जिला अध्यक्ष तनवीर आलम खान, कांग्रेस जिला अध्यक्ष ओबेदुल्लाह हक अंसारी, प्रमुख दीपमाला कुमारी, गढ़वा जिला मुखिया संघ के अध्यक्ष शरीफ अंसारी, शान ए वतन कमेटी के जिला अध्यक्ष अतहर अली अंसारी, कन्या विवाह सोसाइटी के सचिव विकास कुमार माली, फरीद अंसारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। साथ ही राष्ट्रगान गाकर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टूर्नामेंट का शुरूआत किया। आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन 3 में कुल 16 क्रिकेट टीमों भाग लिया हैं। खेल का शुभारंभ में पहली पाली में कल्याणपुर और पेशका के बीच व दूसरी पाली में नवादा और झोतर के बीच क्रिकेट मैच खेला गया। सबसे पहले कल्याणपुर के खिलाड़ी टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि विकास कुमार माली ने कहा कि खेल के क्षेत्र में पैसे के अभाव में जो खिलाड़ी जिला, राज्य और अंतरराज्यीय खेल में भाग लेने के लिए सक्षम नहीं है। वैसे खिलाड़ी को कन्या विवाह विकास सोसाइटी सहयोग के लिए हमेशा तैयार है। उन्होंने पिछड़े इलाकों में इस तरह के खेल आयोजित होने पर प्रशंसा व्यक्त की। जिला अध्यक्ष तनवीर आलम और प्रमुख दीपमाला कुमारी ने कहा कि खेल से खिलाड़ियों का मानसिक व शारीरिक होता है। इस अवसर पर जिला परिषद प्रतिनिधि करीब अंसारी, मुखिया पति हरेंद्र चौधरी, फरीद अंसारी, मुन्ना जी, महबूब अंसारी, अयूब अंसारी, असगर अंसारी, मंसूर अंसारी, खालिद अंसारी सद्दाम अंसारी, महफूज अंसारी निजामुद्दीन अंसारी ने टूर्नामेंट में सक्रिय योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन अंजुमन शाने ए वतन के केंद्रीय अध्यक्ष तबीब आलम ने किया। इंपायरिंग का कार्य इकरार अंसारी, अफजल अंसारी ने किया।

समाहरणालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन

उपायुक्त ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

नवीन मेल संवाददता

मेदिनीनगर। उपायुक्त शेखर जमुआर ने मंगलवार को समाहरणालय स्थित सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया। जनता दरबार में जिला के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं को बारी-बारी से सुना व उसके निष्पादन के लिए संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवेदन अग्रसारित कर जल्द निष्पादित करने के निर्देश दिया। सर्वप्रथम ग्राम मझिगांवा से आये सुजीत प्रसाद ने अपने आवेदन के माध्यम से उपायुक्त को उनके ग्राम में आंगनबाड़ी सेविका के चयन में आ रही समस्या को दूर करने की बात कही। हरिहरपुर पंचायत के ग्राम डगर की मंजू देवी ने बताया कि उनके नाम और आईडी नंबर पर गलत तरीके से लंबे समय से उन्हीं के गांव की अंजू देवी सेविका के पद पर काम कर रही है, जिसके जानकारी उन्हें मंईयां सम्मान योजना का आवेदन करते समय पता चला। इस वजह से उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिल रहा। उन्होंने इसके निदान के लिए उपायुक्त से

अनुरोध किया। ग्राम परसोडीह के रविन्द्र राम ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला है, किंतु उनके पड़ोसियो द्वारा उनके निजी जमीन पर आवास निर्माण कार्य करने से हमेशा रोका जा रहा है। इसकी वजह से उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अतः उन्होंने उपायुक्त से ऐसे लोगों पर उचित कार्रवाई करने की बात कही, ताकि वह अपना मकान बना सके। रमना प्रखंड के ग्राम कोरगा के दीपक किशोर ने उनके जमीन का मुआवजा दिलाने संबंधित अनुरोध उपायुक्त से किया। इसी तरह बारी-बारी से लोगों ने विभिन्न प्रकार की समस्याओं को पदाधिकारी के समक्ष रखा। आमजनों से प्राप्त शिकायतों का समाधान के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई को निर्देश दिया। जनता दरबार में राशन, पेंशन, भूमि विवाद, अवैध कब्जा, आवास, मुआवजा, योजनाओं का लाभ, अतिक्रमण, रोजगार सृजन समेत अन्य समस्याओं को लेकर उपस्थित ग्रामीणों की बारी-बारी से उपायुक्त ने समस्याएं सुनी।

ग्राम सभा सशक्तिकरण और वन अधिकार कानून पर बैठक

चिनियां। प्रखंड के हेताड कला गांव में ग्राम सभा सशक्तिकरण और वन अधिकार कानून पर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अरुण सिंह ने की। संचालन अर्जुन सिंह ने किया। बैठक में सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे। बैठक में मुख्य रूप से ग्राम सभा और वन अधिकार कानून पर चर्चा की गई। बैठक में ग्रामीणों ने वन अधिकार कानून के तहत अपने सामुदायिक और व्यक्तिगत अधिकारों की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि वन विभाग ने ग्राम सभा की अनुमति के बिना योजनाएं शुरू की हैं और उनकी जानकारी छुपाई जा रही है। स्थानीय रोजगार और पारदर्शिता का अभाव वन विभाग द्वारा शुरू की गई योजनाओं में स्थानीय मजदूरों को काम नहीं दिया जा रहा है। योजना की लागत, मजदूरी, कार्य योजना से जुड़ी जानकारियां ग्रामीणों से छिपाई जा रही हैं। ग्रामीणों ने जंगलों की रक्षा और प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करने के लिए एकजुटता पर जोर दिया। ग्राम विकास के लिए समितियों का गठन करने और परंपरागत संस्कृति को बनाए रखने पर चर्चा हुई। ग्रामीणों ने वन विभाग पर झूठे मुकदमे दर्ज कर ग्रामीणों को परेशान करने का आरोप लगाया। वन अधिकार कानून के तहत अपने अधिकारों के लिए कानूनी प्रक्रिया अपनाने का निर्णय लिया गया। ग्राम सभा में फिलीप कुजूर ने कहा कि ग्रामीण अपने प्रतिनिधियों को विधानसभा और लोकसभा में चुनकर भेजते हैं, ताकि उनके विकास की बात हो। प्रतिनिधि केवल अपने स्वार्थ और बड़े कॉरपोरेट्स के हितों की रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन हमारे पूर्वजों की विरासत हैं।

सीएस ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण

चिकित्सक व फार्मासिस्ट ड्यूटी से गायब मिले

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। सीएस अशोक कुमार मंगलवार की सुबह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सीएल रजिस्टर, उपस्थिति पंजी और अस्पताल में ड्यूटी में तैनात चिकित्सक और अन्य अस्पताल कर्मियों बारे में ड्यूटी से संबंधित बारी-बारी से जानकारी ली। जांच के दौरान सीएस ने पाया कि आयुष चिकित्सक अभिनीत विश्वास द्वारा 27 दिसंबर को लिखे सीएल आवेदन पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी दिनेश सिंह ने सात दिन पहले 20 दिसंबर से ही छुट्टी स्वीकृत कर दी है। प्रधान लिपिक अरुण लकड़ा पिछले तीन दिनों से ड्यूटी से गायब मिले। नेत्र चिकित्सक सोनी कुमारी 28 दिसंबर से बिना सीएल के है। एमपीडब्ल्यू गुप्तेश्वर प्रसाद 3 दिनों से ड्यूटी से गायब पाए गए। डॉ. एमडी फैज और प्रिंस कुमार सोमवार से ही ड्यूटी से गायब मिले, लेकिन उन दोनों का सीएचसी के उपस्थिति पंजी में मंगलवार का एडवांस उपस्थिति बना मिला। डॉ. सुभग सिंह कैलान में आदिम जनजाति का चार सौ घर है, लेकिन घर-घर न जाकर शिविर के माध्यम से ईलाज किए जाने के नाम पर नाराज हुए। सीएस ने उक्त चिकित्सक को अपने साथ कैलान के आदिम जनजाति बहुल गांव ले जाकर चिकित्सक की भौतिक कार्यों की सत्यापन की। चिकित्सकों व कर्मियों का सीएल रजिस्टर मांगे जाने पर लिपिक सुनील पटेल द्वारा गोदरेज का चाबी नहीं होने की बात कह पल्ला झाड़ लिया। फार्मासिस्ट अजीत कुमार के आधे घंटे देर से ड्यूटी पर पहुंचने पर सीएस ने कारण पूछा तो उसने बाईक पंचर होने की बात बताया। एमटी का इंचार्ज विद्यानंद प्रजापति से मलेरिया का इंट्री डाटा की मांग किए जाने के बाद घर पर रजिस्टर होने का हवाला दिया। जिस पर सीएस ने घर से रजिस्टर लाकर दिखाने की बात कही। सीएचसी भवनाथपुर में पदस्थापित आयुष चिकित्सक जेपी ठाकुर को सदर अस्पताल गढ़वा से विरमित करते हुए पुनः सीएचसी भवनाथपुर में भेजने की बात कही।

गायब चिकित्सकों, कर्मियों का हाजरी काटा

जांच के दौरान सीएचसी में ड्यूटी से अनुपस्थित चिकित्सकों व कर्मियों का हाजरी काट दिया। जिनका हाजरी काटी गई है, उनमें एलटी कृष्णा चौधरी का तीन दिन, ओटी उपेंद्र राम तीन दिन, डॉ. अनुपमा तीन दिन, नीतीश भारती का तीन दिन, एमपीडब्ल्यू गुप्तेश्वर प्रसाद का तीन दिन बीपीएम प्रदीप पाठक का दो दिन तथा अरुण लकड़ा तीन दिन का हाजरी काटते हुए उनसे स्पष्टीकरण की मांग की है।

सेवानिवृत्त चौकीदार को दी गई विदाई

बड़गड़। थाना परिसर में मंगलवार को समारोह का आयोजन कर सेवानिवृत चौकीदार को विदाई दी गई। मौके पर सर्वप्रथम नव सृजित बड़गड़ थाना के प्रथम प्रभारी दीपक कुमार मौर्य ने सेवानिवृत्त चौकीदार शिवनाथ भुइहर को माला पहनाकर कर तथा अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। उनके सरकारी सेवा से मुक्त होने के बाद मंगलमय जीवन तथा उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इसके पश्चात स्थानीय जनप्रतिनिधियों, समाज सेवियों व गणमान्य नागरिकों ने सेवानिवृत्त चौकीदार के नौकरी के दौरान किए बेहतर कार्यो की सराहना की। सभी ने विभिन्न प्रकार के भेंट प्रदान कर सम्मानित किया। मौके पर वक्ताओं ने कहा कि कभी उन्होंने किसी को परेशान नहीं किया। वह क्षेत्र के लोगों को हर विकट परिस्थिति में सहयोग के लिए खड़ा रहते थे। जब यह इलाका नक्सल समस्या से ग्रस्त था उस समय भी उन्होंने अपनी जान का परवाह किए बगैर पुलिस प्रशासन व आम नागरिकों के साथ कदम से कदम मिलाकर इमानदारी पूर्वक अपनी जिम्मेवारी का निर्वहन किया। विदाई समारोह के दौरान भंडरिया थाना प्रभारी चेतन कुमार सिंह ने भी सेवानिवृत्त चौकीदार को शुभकामनाओं के साथ विदाई दी। मौके पर सअनि मुकेश कुमार, संतोष कुमार उपाध्याय, प्रभू प्रसाद मेहता, जैप -8 के पदाधिकारी कृष्णा उरांव, पुअनि दिलीप कुमार रवि, विधायक प्रतिनिधी ओम प्रकाश, मण्डल अध्यक्ष बजरंग प्रसाद,मुखिया जंगलपती लकड़ा, मुखिया बिन्को टोप्पो, बड़गड़ मुखिया पति दिनेश लकड़ा, मदगड़ी मुखिया पति सत्यानन्द बाखला,अर्जुन मिंज, प्रेम सागर जयसवाल, सोमा टोप्पो, अमानत अंसारी, प्रकाश सोनी, दिनेश बाखला, सत्यानंद बाखला, जलील अंसारी, बरूण केसरी, सुबास प्रसाद, परशुराम सिंह, शौकत अंसारी आदि उपस्थित थे।

प्रशिक्षण

प्रखंड कार्यालय सभागार में सहजकर्ता दल के सदस्यों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

पंचायत डेवलपमेंट इंडेक्स सर्वे की प्रक्रिया पूरा करना आवश्यक: ट्रेनर

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। प्रखंड कार्यालय के सभागार में पंचायती राज विभाग के तत्वावधान में जन योजना अभियान 2024 अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने के उद्देश्य से गठित सहजकर्ता दल के सदस्यों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को संपन्न हो गया। प्रशिक्षण में ग्राम पंचायत कुशदंड, हुलहुला खुर्द, गरबांध, भोजपुर, कधवन, कोलझिकी के ग्राम पंचायत सहजकर्ता दल के सदस्य शामिल थे। तीन दिवसीय प्रशिक्षण के क्रम में मास्टर ट्रेनर कौशल कुमार, सुरेंद्र दुबे द्वारा गांव की समस्याओं को पहचानने, उसका कारण जानने सहित उनके निवारण

के लिए महिला सभा, बाल सभा, ग्राम सभा, विशेष ग्राम सभा के माध्यम से वार्षिक कार्य, शुरू योजना का निर्माण किये जाने के लिए विस्तृत जानकारी दिया गया। मास्टर ट्रेनर द्वारा बताया गया की योजनाओं के निर्माण से पूर्व पंचायत डेवलपमेंट इंडेक्स सर्वे की पूरी प्रक्रिया पूर्ण करना आवश्यक है। गांव में सभी ग्राम सभा पंचायत निर्णय एप के माध्यम से किया जाना है। पारदर्शिता हेतु सभी ग्राम सभा का फोटो एवं वीडियो पंचायत निर्णय एप में अपलोड करना अनिवार्य है। तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षुओं को कई क्रियाकलापों के माध्यम से, खेलों के माध्यम से ग्राम सभा की प्रक्रिया के बारे में पूरी जानकारी दिया गया। प्रशिक्षण में पंचायत सचिव बीरेंद्र कुमार सिंह, रोजगार सेवक आलोक राज, अंबिका सिंह, सत्यनारायण सिंह, वीपीआरपी फैसिलिटेटर कुमारी ममता,संचिता देवी, खुशबू देवी, कमला कुमारी, मायावती देवी, रूबी रवानी ,वार्ड सदस्य आरती देवी, खुशबून बीबी, रूदा देवी, रीना देवी, लालजी राम, आंगनबाड़ी सेविका रेखा देवी, सरस्वती देवी, कृषि मित्र संजय प्रजापति,उपेंद्र वर्मा सहित बड़ी संख्या में प्रशिक्षु उपस्थित थे।

गढ़वा जनता ठगा महसूस कर रही है: झामुमो

नवीन मेल संवाददाता

चिनियां। झारखंड मुक्ति मोर्चा नेता सह 20 सूत्री उपाध्यक्ष नीतेश सिंह अपने आवास चिनियां प्रखंड के बरवाडीह में मंगलवार को प्रेस वार्ता का आयोजन किया। इस दौरान नीतेश सिंह ने कहा कि जब से आम चुनाव 2024 में गढ़वा विधायक सतेन्द्रनाथ तिवारी विधायक बने है। आम जनता ठगा महसूस कर रही है। बताते चलें कि विधायक पहले दुर्व्यवहार करते हैं, उसके बाद माफी मांगने का कार्य करते हैं। इस बात को जनता समझ रही है। उन्होंने कहा कि जेएमएम उग्र होकर आंदोलन करेगी। कहा कि जब तक जेएमएम की सरकार है। लोग भय मुक्त वातावरण में होकर कार्य करें। संजय गौतम ने कहा कि विधायक द्वारा ठेकेदार के साथ दुर्व्यवहार करना गलत है। वह संवैधानिक पद पर रहकर गलत नहीं कर सकते। जेएमएम इस मामले में उग्र आंदोलन करेगी।

रात्रि गार्ड ने प्राचार्य पर गबन का लगाया आरोप

भवनाथपुर। बीएसएम कॉलेज टॉउनशिप भवनाथपुर के रात्रि गार्ड संतोष कुमार ने भवनाथपुर विधायक अनंत प्रताप देव को आवेदन देकर महाविद्यालय के प्राचार्य पर लाखों रुपए का गबन करने का आरोप लगाया है। आवेदन में उल्लेख किया है कि बीएसएम कॉलेज भवनाथपुर के प्राचार्य आरपी शुक्ला द्वारा कांउटर से पैसा निकाल कर पैकेट में रखते हैं, उसे पैसे को बैंक नहीं भेजा जा रहा है। लाखों रुपए का गबन प्राचार्य द्वारा किया गया है। अपना बकाया पैसा ले लिये, लेकिन कर्मचारी मांगते है, तो नहीं देते हैं। उल्लेख किया है कि ईपीएफ का पैसा भी नहीं जमा कर रहे हैं। वर्ष 2020-21, 2021-22, 2022-23, 2023-24 की जांच सक्षम पदाधिकारी से कराया जाए। कर्मचारी की बकाया राशी भुगतान कराए। उन्होंने कहा कि उनका बकाया वेतन 50 हजार रुपाया मांगने पर नहीं दे रहे हैं।

नए साल में शराब पी कर गाड़ी चलाने पर कटेगा चालान

86 वाहनों की जांच, 32 का ऑनलाइन चालान, डेढ़ लाख फाईन वसूला गया

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। नये साल पर शराब पीकर वाहन चलाते पकड़े जाने पर जिला प्रशासन सीधे तौर पर वाहन चालकों का चालान कटाने का फैसला लिया है। नये साल पर पहली जनवरी को लोग पिकनिक करते हैं। इनमें कई युवक शराब के नशे में वाहन चलाते मिल जाते हैं। शराब पीकर वाहन चलाने से दुर्घटना की आंशका बढ़ जाती है। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के निर्देश पर जिला परिवहन कार्यालय के नेतृत्व में लगतार वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। जिला परिवहन पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार खुद इसकी कमान संभाल रखी है। वह खुद

वाहनों की जांच कर रहे हैं। जिला परिवहन पदाधिकारी ने लातेहार जिला के बालूमाथ थाना क्षेत्र के मकइयाटांड़, मनिका थाना के पास दुपहिया, चार पहिया वाहनों की जांच की। इस दौरान बगैर हेलमेट व सीट बेल्ट चलने वालों का चालान काटा गया। इसके अलावा शराब पीकर वाहन चलाने (ड्रंक एंड ड्राइव) वालों का ब्रीथ एनालाइजर से जांच की गयी और एल्कोहल की मात्रा पाये जाने पर उनका भी चालान काटा गया। इस दौरान कुल 86 वाहनों की जांच की गयी। 32 का ऑनलाइन चालान काटा गया और कुल 1,05,500 राशि वसूली गयी। जिला परिवहन पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार से लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। नये साल में शराब पीकर वाहन नहीं चलाने की हिदायत दी। कहा कि अक्सर देखा गया है कि नये साल में शराब पी कर वाहन चलाने से दुर्घटनायें अधिक होती है। उन्होंने वाहनों को गति सीमा के अंदर चलाने, हेलमेट व सीट बेल्ट का इस्तेमाल करने की बात कही। अपने नाबालिग बच्चों को बाइक आदि चलाने के लिए नहीं देने की अपील की। कहा कि ऐसा पाये जाने पर अभिभावकों पर भी कार्रवाई संभव है।

विधायक ने क्षेत्रवासियों को दी नववर्ष की बधाई

चंदवा। लातेहार विधानसभा के भाजपा विधायक प्रकाश राम ने अपने विधानसभा क्षेत्र के पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों और सहयोगी को नववर्ष पर शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की है। उन्होंने कहा कि नववर्ष नए लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए नई सोच और नई उर्जा के साथ काम करने का अवसर है। यह समाज के हर वर्ग के लिए सुखमय और फलदायी होने के साथ सभी के लिए विकास और बुलंदियों का नया सवेरा लेकर आए। विधायक ने पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थको की कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि आपकी सहयोगात्मक भावना ही मुझे मजबूत बनाती है। आने वाले वर्ष में हम साथ मिलकर और अधिक उपलब्धियां हासिल करने की उम्मीद करते हैं। वर्ष 2025 में सभी को ऐसा संकल्प लेकर कार्य करने की जरूरत है, जिससे समाज,विधानसभा और प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो।

टीबी रोगियों के बीच पोषण टोकरी का वितरण

लातेहार। सिविल सर्जन डॉ. अवधेश कुमार सिंह के निर्देश पर मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरवाडीह में यक्ष्मा के इलाजरत मरीजों के बीच अतिरिक्त पोषण टोकरी का वितरण किया गया। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत यक्ष्मा मरीजों को अतिरिक्त पोषण टोकरी सीसीएल व सिन्नी संस्थान के माध्यम से वितरण किया गया। टोकरी वितरण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है यक्ष्मा से ग्रसित व्यक्तियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए अतिरिक्त पोषण सहायता प्रदान करन। ताकि उनके सेहत में जल्द सुधार हो। मौके पर बरवाडीह के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, ब्लॉक कार्यक्रम मैनेजर, एसटीएस, सिन्नी संस्थान के कर्मी तथा स्वास्थ्य विभाग के कर्मी उपस्थित थे।

चार दिन का मासूम बच्चे की मौत, मां ने लगाया पिता पर गला दबाकर मारने का आरोप

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के ऊपरी कला गांव में एक चार दिन के मासूम की मौत का मामला प्रकाश में आया है। मां का आरोप है कि बच्चे के पिता ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। घटना 30दिसंबर की 4:30 बजे शाम की बताई जाती है। वही इस संबंध में नवजात बच्चे की मां गुंजन मिश्रा ने गांव मदनपुर बनिया थाना मदनपुर जिला औरंगाबाद बिहार निवासी अपने पति गौरव पाठक के खिलाफ हुसैनाबाद थाना में लिखित शिकायत की है। गुंजन मिश्रा ने बताया की मैं ट्रेन से अपने पति के साथ जपला अपने नाना श्याम बिहारी मिश्रा के घर ऊपरी गांव आ रही थी, जपला स्टेशन पर पहुंचते ही मुझे लेबर पेन शुरू हो गई । क्योंकि मैं आठ माह की गर्भवती थी, इसकी सूचना मैने अपने नाना को दी। सूचना मिलते ही मेरे नाना मुझे ऊपरी गांव स्थित एक निजी क्लिनिक में ले कर गए जॉच के बाद मैं वहां से अपने घर ऊपरी चली गई। दूसरे दिन 27 दिसंबर को फिर से मेरी तबियत बिगड़ने पर उसी क्लीनिक में लाया गया जहां मुझे नॉर्मल डिलीवरी से लड़का जन्म लिया.वहां से उसी दिन मै अपने नाना के घर लौट आई.30 दिसंबर को मेरे नवजात बच्चे को गलादबा कर मार दिया. जब बच्चा के शरीर में कोई हरकत नहीं हुआ तो मैं जपला के निजी क्लिनिक में बच्चे को लेकर पहुंची तो डॉक्टर ने कहा की घर ले जाएं मैं अपने बच्चे को लेकर हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल लेकर पहुंची तो वहां चिकित्सकों ने उसे देखने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बच्चे के शव को अपने कब्जे में लेकर मंगलवार को पोस्टमार्टम के लिये एमएमसीएच मेदिनीनगर भेज दिया।वहीं पुलिस ने आरोपी को अपने कब्जे में लेकर पूछताछ कर रही है। वहीं इस संबंध में हुसैनाबाद थाना प्रभारी संजय यादव ने बताया की नवजात की मां द्वारा कई तरह के ब्यान दे रही है, कभी इंजेक्शन देने की बात तो कभी कोई दवा का ड्रॉप मिला देने की बात कह रही है, पोस्टमार्म रिपोर्ट आने के बाद ही सच्चाई सामने आएगी।

अनाथ बच्चों के बीच कंबल वितरित

लातेहार। गारू प्रखंड के बारेसाढ़ सरनाधाम गुरुकुल में मंगलवार को 60 अनाथ बच्चों के बीच समाज सेवियों द्वारा कंबल वितरित किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी नूर आलम, बहाउद्दीन अंसारी, परमजीत, करीम, सदाब आलम ने संयुक्त रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य ठंड के मौसम में जरूरतमंद गरीब अनाथ बच्चों को राहत पहुंचाना था। बारेसाढ़ रामसेली सरनाधाम आश्रम के अध्यक्ष और लातेहार मुखिया जिला संघ के जिला अध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह ने कहा कि अनाथालय में रह रहे इन बच्चों की देखभाल समाज सेवियों के सहयोग से हो रही है। उन्होंने कहा कि इन बच्चों की परवरिश और शिक्षा के लिए कई लोग तन, मन और धन से सहयोग कर रहे हैं। अनाथालय ऐसे ही समाज सेवियों के प्रयासों का परिणाम है।

सोलर जलमीनार खराब, ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। प्रखंड के अमबवाटोली पंचायत में 4 जलमीनार पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा सोलर सिस्टम जल मीनार का निर्माण कराया गया था। निर्माण के 6 माह बाद ही सोलर सिस्टम खराब हो गया। सभी जलमीनार लंबे समय से खराब पड़ा है। खराब जल मीनार की ओर विभाग का कोई ध्यान नहीं है, इस कारण ग्रामीणों को पेयजल की समस्या से जूझना पड़ रहा है। अमबवाटोली पंचायत में लगा आधा से अधिक जलमीनार खराब पड़ा है। ग्रामीणों ने बताया कि यह जल मीनार 1 साल से खराब पड़ा है। इस संबंध

में स्थानीय मुखिया रोशनी कुजूर ने बताया कि खराब होने की शिकायत विभाग को दिया है, लेकिन अभी तक कोई पहल नहीं किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पीने के पानी का एकमात्र साधन उक्त सोलर जलमीनार ही है। इसके खराब हो जाने से स्थानीय ग्रामीणों के साथ इस रास्ते से गुजरने वाले राहगीरों के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोगों को पेयजल के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। दर्जनों घरों के लोग यहां से पानी ले जाते थे, लेकिन जलमीनार खराब होने से लोगों को परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने जल्द सोलर जलमीनार को चालू कराने की मांग किया है। वह इस संबंध में पीएचडी विभाग के दीपक महतो ने बताया कि फंड में अभी पैसा नहीं है पैसा आने के बाद मरमती किया जाएगा।

नए साल पर मेदिनीनगर-महुआडांड़ मार्ग पर हादसों की आशंका

गारू (लातेहार)। नए साल के मौके पर मेदिनीनगर-महुआडाड़ पथ पर वाहनों की तेज रफ्तार और बढ़ती आवाजाही के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है। सिंगल लेन सड़क होने के कारण यह मार्ग नए साल पर खासा व्यस्त रहता है। ऐसे में तेज रफ्तार वाहन न केवल पर्यटकों बल्कि स्थानीय लोगों के लिए भी खतरा बन सकते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि एक जनवरी को इस मार्ग पर भारी संख्या में पर्यटक मिरचईया फॉल, सुगाबांध फॉल, नेतरहाट और लोधा जलप्रपात की ओर जाते हैं। इसके चलते फोर व्हीलर और टू व्हीलर चालकों द्वारा तेज गति से गाड़ी चलाने और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी के कारण हादसों की संभावना बढ़ जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ शरारती तत्व जान बूझकर लापरवाही से वाहन चलाते हैं, जिससे सिंगल लेन सड़क पर गाड़ियों का संचालन मुश्किल हो जाता है। इस मार्ग पर पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। ग्रामीणों ने लातेहार के पुलिस अधीक्षक गौरव कुमार से गारू और बारेसाढ़ थाना क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाने की अपील की है। ग्रामीणों ने कहा की यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो स्थिति गंभीर हो सकती है। पुलिस प्रशासन से सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने और तेज रफ्तार वाहनों पर अंकुश लगाने की मांग की गई है। पर्यटक स्थलों की ओर जाने वाले इस महत्वपूर्ण मार्ग पर ट्रैफिक नियमों के पालन को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता है।

शपथ पत्र

मैं रोजी नाज पिता एकराम खान उम्र 18 वर्ष ग्राम-खुटिया, पो.+थाना-धुरकी, जिला- गढ़वा, राज्य- झारखंड का निवासी हूं। मैं शपथ पूर्वक बयान करती हूं कि मेरा नाम शैक्षणिक प्रमाण पत्र में रोजी नाज (ROZI NAZ) दर्ज है तथा मेरे आधार कार्ड (आधार संख्या 6656 8003 7671) में सुल्ताना खातून रोजी दर्ज है। जबकि रोजी नाज एवं सुल्ताना खातून रोजी उक्त दोनों नाम मेरा है जो पूर्णतः सही व सत्य है। मैं अपने आधार कार्ड में नाम सुधार करा कर रोजी नाज (ROZI NAZ) दर्ज कराना चाहती हूं। उपरोक्त आशय का शपथ पत्र निष्पादन कर रही हूं, जिसे सक्षम पदाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर अपना नाम आधार कार्ड में सुधार करा सकूं।

शपथ पत्र संख्या : 8/7410 दिनांक : 31/12/2024

धार्मिक स्थलों में आराधना के साथ होगी नये साल की शुरूआत

चंदवा। खट्टी मीठी यादों के साथ साल 2024 समाप्त हो गया। नई सुबह के साथ नये वर्ष 2025 का आगमन हो चुका है। लोग मध्यरात्रि से ही नये साल के जश्न में डूबे हैं। लोग अपने अपने धार्मिक स्थलों पर मत्था टेक सुख-समृद्धि की कामना कर लोग नये साल की शुरूआत करेंगे। सपरिवार अपने-अपने पसंदीदा पर्यटन स्थल पर पिकनीक मनाने को तैयार हैं। चंदवा में नगर मंदिर,नगर डैम,देवनद तट,बच्चों का पसंदीदा इको पार्क,उंचाई से गिरता मनोरम कांति झरना,हिंडालको पार्क,डुमारो पंचायत के ढोंटी गांव स्थित झुनझुनिया वाटर फॉल समेत कई दर्शनीय स्थल पर लोग बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर पिकनीक का लुत्फ उठाते हैं। चंदवा पुलिस प्रशासन भी शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्ती से निपटने को तैयार है। नव वर्ष को लेकर चंदवा पुलिस सभी चौक-चौराहों पर मुस्तैद है।

प्रखंड स्तरीय रबी कार्यशाला का आयोजन

बारियातू। प्रखंड कार्यालय सभागार परिसर में प्रखंड स्तरीय रबी फसल कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रखंड उप प्रमुख निशा सहादेव उपस्थित थी। इसके अलावा प्रखंड तकनीकी प्रबंधक प्रमान्द राम, प्रभारी बीईईओ समीर सुमन भेंगरा ने सभी पंचायत के उपस्थित कृषक मित्रों को कृषि विभाग बीज विनमय, आरएमवाई योजना सहित कृषि से संबधित योजनाओं बारे जानकारी दी। साथ में मिट्टी नमूना जांच के लिए सभी कृषक मित्रों को प्रखंड क्षेत्र से 10-15 नमूना लाकर जमा करने की बात कही। इससे जमीन में मिट्टी के अंदर कौन सा पोषक तत्व की कमी है, इससे किसानों को जानकरी मिल सके। साथ में पीएम कुसुम योजना व पीएम समृद्धि योजना के तहत सोलर प्लेट ट्रॉली किसानो फॉर्म भरकर योजना का लाभ ले सकते हैं। इसके बाद फसल मे आलू रोग में आलू के पत्ते, पाला व ठंडा से झूलस जाता है। उसे करबोडा जैम दवा प्रयोग कर आलू फसल को सुधार कर सकते है। मौके पर सभी पंचायतों के कृषक मित्र उपस्थित थे।

खेल आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है : पूनम देवी

- 18वीं टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। सदर प्रखंड के पोचरा में मंगलवार को सुभाष चंद्र बोस क्लब के तत्वावधान में 18वीं डबल खस्सी टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता संपन्न हो गया। समापन के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी ने कहा कि खेल हमेशा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देता है। खिलाड़ी मन लगाकर खेलें। आप सब इसी तरह से खेलते रहे और अपने राज्य और देश का नाम रोशन करें। विशेष अतिथि जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव ने कहा सुभाष चंद्र बोस क्लब द्वारा यह मंच पिछले 18 वर्षों से मिल रहा है। जहां दूर-दूर से खिलाड़ी आकर अपने प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। यह काबिले तारीफ है। आने वाला समय में क्लब द्वारा और भी प्रतियोगिता का आयोजन हो यही उम्मीद करते हैं। पूर्व मुखिया रामेश्वर सिंह ने कहा आप लोगों ने कड़ी मेहनत कर 32 टीमों के बीच प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचकर पुरस्कार प्राप्त कर रहे हैं। यह आप

लोगों का मनोबल बढ़ाएगी। आगे भी प्रयास जारी रखें और अपना नाम रोशन करें। कार्यक्रम का संचालन अनुपम कुमार मिश्र ने किया। मौके पर मुखिया रामजी सिंह ग्राम प्रधान रणजीत सिंह क्लब के सचिव अनूप कुमार ,लाल आशीष नाथ शाहदेव, डीऐवी विद्यालय लातेहार के प्रधानाचार्य घनश्याम सहाय शिक्षक प्रभात रंजन, सूरज भारद्वाज, जयदीप जायसवाल ,उपेंद्र प्रसाद ,रूपेश प्रसाद, बलराम प्रसाद, अमित कुमार, पंकज कुमार ठाकुर, लाल पुरुषोत्तम नाथ शाहदेव,जाबिर,आरिफ, बृजमोहन, गोविंद , सहित बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद थे।

अमवाटिकर ने जमाया कप पर कब्जा : टॉस हारकर अमवाटिकर क्रिकेट क्लब की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में सभी विकेट होकर 154 बनाया। सर्वाधिक लवकुश ने 55, चिश्ती ने 30 रन, डीसीसी के तरफ से गेंदबाजी करते हुए आदर्श और शनि में 3-3 दिन विकेट लिए। 155 रनों का पीछा करने उतरी डीसीसी क्रिकेट क्लब की पूरी टीम 9.4 ओवर में 90 रन बनाकर ऑल आउट हो गई । इसमें सर्वाधिक शनि ने 34, बक्शी ने 17 रन बनाए। अमवाटिकर के तरफ से शानदार गेंदबाजी करते हुए चिस्ती ने तीन ओवर में 6 रन देखकर तीन विकेट प्राप्त किया। मैन ऑफ द मैच लवकुश व मैन ऑफ द सीरीज आदर्श चुने गए। मैच में एंपायरिंग की भूमिका में दिलीप कुमार प्रसाद व लाल अभिषेक नाथ शाहदेव थे। स्कोरिंग आलोक सिंह ने किया। कमेंट्री पंकज सिंह देव ने किया।

असंतुलित होकर गिरा बाइक सवार, गंभीर

चंदवा। थाना क्षेत्र अंतर्गत चंदवा-माल्हन-मैकलुस्कीगंज मुख्य मार्ग पर गुरीटांड़ के समीप मंगलवार सुबह एक बाइक सवार युवक सामने से आ रहे ट्रक से बचने के क्रम में असंतुलित होकर सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया। दुर्घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसके चेहरे व सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोट के निशान हैं। घायल युवक की पहचान चंदवा थाना क्षेत्र के ही मड़मा निवासी राहुल गंझू पिता भोला गंझू (16) के रूप में हुई है। घायल युवक को 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे रिम्स रेफर कर दिया गया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि युवक तेज रफ्तार से गाड़ी चला रहा था। इस दौरान सामने से आ रहे ट्रक को देखकर वह अपने वाहन का संतुलन खो दिया और दुर्घटना का शिकार हो गया।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना

(चोरी गई हिरो स्पलेण्डर प्लस मोटरसाईकिल)

गढ़वा थाना कांड सं0–687 / 24 दिनांक–18.12.24 धारा–303(2) बी0एन0एस0 में चोरी गयी हिरो स्पलेण्डर प्लस मोटरसाईकिल जिसका रजि0 नं0–JH14K-3794 इंजन नं0–HA11E8PHH71690 एवं चेचिस नं0– MBLHAW227PHH52519 का अज्ञात अपराधकर्मी द्वारा चोरी कर लिया गया है। जिसकी बरामदगी अबतक नहीं हो पाई है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त चोरी गयी वाहन के बारे में किसी प्रकार की सूचना किसी व्यक्ति को प्राप्त हो तो पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मो0नं0–9431706284, या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0–9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक, गढ़वा

PR 343341 Police(24-25)#D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना

(चोरी गई पल्सर मोटरसाईकिल)

गढ़वा थाना कांड सं0–589 / 24 दिनांक–30.10.24 धारा–303(2) बी0एन0एस0 में चोरी गयी पल्सर मोटरसाईकिल जिसका रजि0 नं0–JH03AK-8072 इंजन नं0– DKXCPM00157 एवं चेचिस नं0– MD2A15EX6PCM56922 का अज्ञात अपराधकर्मी द्वारा चोरी कर लिया गया है। जिसकी बरामदगी अबतक नहीं हो पाई है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त चोरी गयी वाहन के बारे में किसी प्रकार की सूचना किसी व्यक्ति को प्राप्त हो तो पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय),गढ़वा के मो0नं0–9431706284, या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0–9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक, गढ़वा।

PR.NO.343342 Police(24-25):D

शहर के पिकनिक स्पॉट तैयार, प्रकृति की सुरम्य वादियों में वनभोज का आनंद लेने के लिए पहुंचते हैं पर्यटक

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 2025 नये साल का स्वागत करने के लिए हर कोई उत्साहित है। युवाओं में इसके लेकर उत्सुकता है। सभी ने अपने-अपने अंदाज में तैयारी कर रखी है। घरों में छोटे बच्चों से लेकर महिलाएं, युवतियां सभी नये साल में एक-दूसरे को हैप्पी न्यू इयर करने के लिए उतावला हैं। युवाओं ने अपनी पसंद की पिकनिक स्पॉट के अलावा घूमने-फिरने वाले स्थलों की तलाश कर ली है। नये साल में लोग अपने दोस्तों, रिश्तेदारों के साथ प्रमुख पर्यटक स्थलों, मंदिरों में पहुंचकर आनंद लेते हैं।

धार्मिक स्थलों पर रहेगी भीड़

मंदिर में पहुंचकर भगवान से आशीर्वाद लेकर हर कोई अपने नये साल की अच्छी शुरूआत करना चाहते हैं। नये साल में इन सभी मंदिरों के दरबार में भक्तों से गुलजार रहेगा। अहले सुबह से ही लोग नये साल में सुख-समृद्धि के साथ तरक्की की कामना के लिए भगवान का दर्शन करने पहुंचते हैं। इतिहास व संस्कृति को समेटे है संग्रहालय। संग्रहालय हर साल के पहले दिन सैकड़ों सैलानियों को अपनी ओर खींच लाता है। सबसे पसंदीदा और सर्वाधिक लोगों के जुटने वाला लातेहार जिला के लोध फॉल्स, सुग्गा बांध, मिर्चईया वॉटरफॉल, सुरकई फॉल, नेतरहाट बिल्कुल तैयार है। लोग यहां बार-बार आना चाहते हैं। प्रकृति की सुरम्य वादियों में वनभोज का असली आनंद लेने शहर के साथ ही आसपास के लोग यहां पहुंचते हैं।

सुबह उगते और शाम को डूबते सूर्य का छिटकता प्रकाश जब यहां के तालाब और उसके बीच खिले कमल के फूल से अठखेलियां करता है, तो हजारों कैमरे एक साथ फ्लैश करने को बेताब हो जाते हैं, जो यहां सिर्फ घूमने आते हैं वे भी पिकनिक मनाने वालों की मस्ती देखकर मस्त हुए बिना नहीं रह पाते।

Jharkhand Bijli Vitran Nigam Limited

CIN:U40108JH2013SGC001702)
Office of the General Manager-Cum-Chief Engineer,
Electric Supply Area, Medininagar

e-TENDER NOTICE

e-tender in two parts (Part-I Technical and Commercial and Part-II Price Part) is invited from the reputed tenderers having good experience of following same type of Civil Works and having sound financial status.

Sl. No.	NIT No.	Name of work	Estimated cost (In Rs.)	Earnest money to be deposited (In Rs.)	Cost of BOQ (non refundable) (In Rs.)	Time for completion
1	266/PR/JBVNL/ 2024-25	Repair and Maintenance of control room building and allied civil works of 33/11 KV PSS Tukbera under Electric Supply Circle, Daltonganj.	Rs 6,55,310.00	Rs 13,150.00	1250.00+225.00 (GST 18%) = 1475 .00	03 Month

Availability of tender document on website	02.01.2025 2:00 PM to 21.01.2025 at 5:00 PM
Last date and time for bid submission/uploading	21.01.2025 at 5:00 PM
Date and time for opening of Tender Part-I (Technical and Commercial)	22.01.2025 at 05:30 PM
Date and time for opening of Tender Part-II (Price Part)	Will be communicated later on
Tendering Officer and address for communication	GM(T) , Electric Supply Area ,Medininagar

Any query towards this tender can also be had from the office of the undersigned during office hours or may contact on Mob No. 8809507127

1. e-Tender documents and BOQ including terms & conditions, specification etc. can be downloaded and submitted online on website https://jharkhandtenders.gov.in. Any details required in this regard can also be had from the office of the undersigned during office hours. NIC helpline no. 0651-2400178.
2. Bidder shall deposit online tender fee as mentioned above for Cost of BOQ and EMD as per rules ofe-tendering portal (jharkhandtenders.gov.in). \\
3. The tenders will be received through electronic tendering mode only.

Sd/-
General Manager Cum Chief Engineer
Electric Supply Area, Medininagar

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

PR 343303 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd(24-25)D

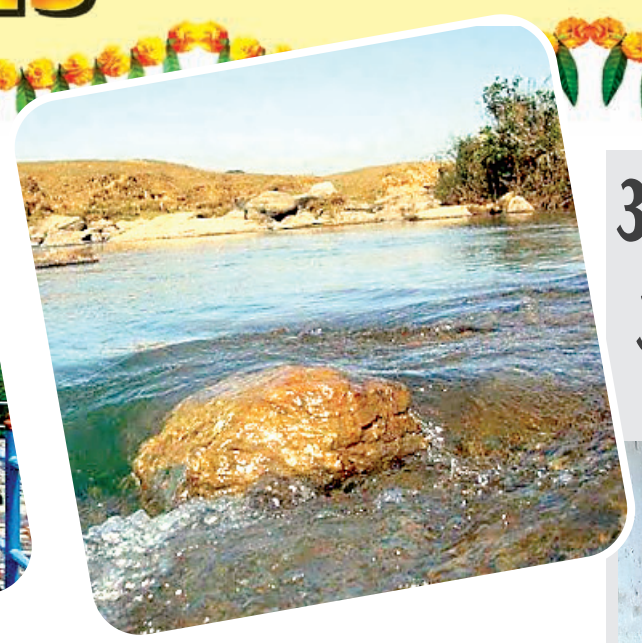

नववर्ष 2025 के स्वागत में हर ओर जश्न और उमंग का माहौल

लोहरदगा। वर्ष 2024 की विदाई और नववर्ष 2025 के स्वागत में हर ओर जश्न और उमंग का माहौल है। साल के अंतिम दिन हर पिकनिक स्पॉट पर लोगों की भारी भीड़ देखी जा रही है, वहीं जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किये गये है। नव वर्ष के स्वागत के लिए लोहरदगा में तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। शहर के प्रमुख होटलों, पार्कों और पिकनिक स्थलों में विशेष तैयारी की गयी है। वहीं नव वर्ष के मद्देनजर प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। पर्यटन विभाग की ओर से लोगों की सुविधा को लेकर व्यापक इंतजाम किया गया है। वहीं पर्यटन विभाग ने नये साल पर सावधानी से पिकनिक मनाने की अपील लोगों से की है। पर्यटन विभाग की ओर से सुझाव दिया गया है कि जल प्रपात और नदियों में न उतरें, चट्टानों से फिसलने का खतरा है। वहीं वॉटर फॉल्स का आनंद दूर से लें, पानी में न उतरें और करीब से सेल्फी न लें, पर्यटक मित्र और पुलिस के दिशा-निदेर्शों का पालन करें। विभाग की ओर से यह भी चेतावनी दी गयी है कि नशा करने और नशे की हालत में पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं गंदगी व कचरा न फैलाने ओर डस्टबिन का इस्तेमाल का आग्रह किया गया है।

सभी पिकनिक स्पॉटों में सुरक्षा पुख्ता रहेगा

लोहरदगा। एसपी हारिस बिन जमां ने कहा कि जिले के सभी प्रमुख पिकनिक स्पॉटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये जायेंगे। पर्याप्त मात्रा में पुलिस जवान रहेंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि खतरनाक जोन में सावधानी से पिकनिक मनायें. नदी व पहाड़ों पर मोबाइल से सेल्फी लें, लेकिन उसमें सावधानी जरूर बरतें. लोगों की खुशी में किसी प्रकार की खलल न पड़े. इसके लिए पुलिस प्रशासन की पूरी तैयारी है. जगह-जगह पर पुलिस बल तैनात रहेंगे. उन्होंने उन लोगों को चेताया है जो हड़िया व दारू पीकर बीच सड़क पर मतवारी करते हैं. साथ ही शराब पीकर वाहन चलानेवालों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है।

आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी, हड़िया बनाकर बेची अब दूसरों को स्वरोजगार के लिए कर रही प्रेरित

कैरो की दीपशिखा एसएचजी से जुड़कर बनी आत्मनिर्भर

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिले के कैरो प्रखण्ड निवासी दीपशिखा उराँव के पास मौसमी खेती करने के अलावा आय का कोई अन्य साधन नहीं था। दीपशिखा अपने पति के साथ बाहर काम करने जाया करती थी, इसी तरह उनकी घर की आजीविका चलती थी कआर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण वे हताश होकर घर पर ही हँड़िया बनाकर बेचने लगी। इसी बीच जेएसएलपीएस की महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा उन्हें अपने समूह में जोड़ा गया। एसएचजी में जुड़े होने से उनको एक दिन फूलो झानो आशीर्वाद अभियान के बारे में पता चला जिसकी सम्पूर्ण जानकारी दीपशिखा को जेएसएलपीएस कैरो की 2 कैडर दीदी संगीता लकड़ा एवं सुमिता कुमारी ने दिया। उन्होंने 10 वीं तक पढ़ी लिखी दीपशिखा उरांव को नवजीवन सखी बनने के लिए प्रेरित भी किया। दीपशिखा उरांव अपने गाँव में नवजीवन सखी कैडर के रूप में कार्यरत है और एक नई पहचान बनकर उभर रही है। दीपशिखा उराँव वर्तमान में खेती-बारी करने के साथ पशुपालन में भी जुटी हुई हैं जिसकी मदद से उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और समाज में एक नई पहचान बनी हैं। दीपसिखा अभी नवजीवन सखी कैडर का कार्य कर रही है और अन्य दीदियो को मुख्यधारा में लाने के लिए लगातार प्रयासरत है ।

अन्य लोगों को भी कर रही है जागरूक

दीपशिखा अपने गाँव के अन्य लोगों को हँड़िया निर्माण और बिक्री पर रोक लगाने की अपील करती हैं। दीपशिखा का फूलो झानो आशीर्वाद अभियान के अन्तर्गत सर्वे किया गया और उनको दारु-हँड़िया के दुष्परिणाम के बारे में बताया गया जिससे प्रेरित होकर दीपशिखा ने दारु- हँड़िया निर्माण व बिक्री छोड़ने का निर्णय लिया।

सड़क दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल

भंडरा। भंडरा-लोहरदगा मुख्यपथ में नवडीहा पतरा के समीप सोमवार को सड़क दुर्घटना में दो युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए। घायल युवको को 108 एम्बुलेंस से भंडरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। घायलो की पहचान भंडरा थाना क्षेत्र के कसपुर गांव निवासी कारी उरांव के 30 वर्षीय पुत्र घूरना उरांव एवं बीरता भगत के 24 वर्षीय पुत्र मंगलेश्वर उरांव के रूप में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नवडीहा पतरा के समीप बीच सड़क में खराब पड़ी ट्रैक्टर से स्कूटी का टक्कर हो गया जिसमें स्कूटी में सवार दो युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए जिसे स्थानीयों की मदद से स्वस्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां डॉक्टर द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया घटना में गम्भीर रूप से घायल युवक कसपुर निवासी घूरना उरांव को डॉक्टर ने रिम्स रेफर कर दिया।

सोसाइटी ने जरूरतमदों के बीच कंबल व अन्य सामनों का किया वितरण

लोहरदगा। लोहरदगा हेल्थ केयर सोसाइटी द्वारा मंगलवार को शहरी क्षेत्र के गरीब और जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल और जरूरत के सामानों का वितरण किया गया। सामाजिक दायित्व का निर्माण करते हुए लोहरदगा हेल्थकेयर सोसाइटी ने सदर अस्पताल में इलाजरत गरीब मरीजों के बीच फल व जरूरत के सामानों का वितरण किया। इस दौरान सोसाइटी के सेक्रेटरी जमील अख्तर ने कहा कि, सोसाइटी अपने सामाजिक दायित्व के प्रति सजग है। ठंड के मौसम में गरीबों को राहत देने का प्रयास किया जा रहा है। इस मौके पर लोहरदगा हेल्थ केयर सोसाइटी के सदस्य संदीप कुमार, नेहाल कुरैशी, इरफान खान उर्फ बाबू, अनस रजा अंसारी, मुन्ना कुरैशी, रेखा कुमार, करीना परीना परवीन समेत अन्य मौजूद थे।

लव जिहाद का मामला

नाबलिग को भगानेवाला राजस्थान से गिरफ्तार

लोहरदगा। लोहरदगा पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर भगाकर ले जाने वाले दो बच्चों के पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस गिरफ्त में आये प्राथमिकी अभियुक्त की पहचान फिरोज राय उर्फ चाँद उम्र करीब 24 वर्ष पिता-इम्तियाज उर्फ राजू राय सा०-सोंस थाना-चान्हों, जिला-रॉची के रूप में किया गया है। इसपर नाबालिग को गलत नियत से अपहरण करने का आरोप है। इस संदर्भ में भण्डरा थाना कांड सं0-73/2024, दिनांक-22.12.2024, धारा-137 (2)/96 बी०एन०एस० 2023 के तहत काण्ड दर्ज किया गया है। मामले में बताया गया कि कांड के दर्ज होने के उपरान्त त्वरित कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक, लोहरदगा के निदेर्शानुसार पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) समीर कुमार तिर्की के नेतृत्व में एस०आई०टी० टीम का गठन किया गया। एस०आई०टी० टीम के सदस्य पु०अ०नि० अरविन्द सिंह, थाना प्रभारी भण्डरा थाना, पु०अ०नि० पप्पू कुमार, आरक्षी / 369 आशुतोष कुमार सिंह एवं म०आ०/12 द्रोपदी बडाईक द्वारा तकनीकि सहयोग से विधिवत राजस्थान जाकर प्रा०अभि० फिरोज राय उर्फ चाँद को राजस्थान के अलवर जिला अंतर्गत थाना रामगढ़ की पुलिस के सहयोग से एवं एस०आई०टी० टीम ने अपने कुशल प्रयास से दिनांक-27.12.2024 को विधिवत गिरफ्तार किया एवं नाबालिक पीडिता को सकुशल बरामद किया। प्रा०अभि० के पास 02 (दो) मोबाईल फोन भी विधिवत जप्त किया गया। प्रा०अभि० की गिरफ्तारी पश्चात न्यायालय अलवर (राजस्थान) से रिमाण्ड/अनुमति लेकर न्यायालय, लोहरदगा में जप्त प्रदर्श के साथ उपस्थापन किया गया। तत्पश्चात प्राथमिकी अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। गौरतलब है कि शादी का प्रलोभन देकर उक्त आरोपी ने 19 दिसंबर को भगा ले गया। फिरोज खुद दो बच्चों का बाप है। लड़की स्थानीय स्कूल में आठवी कक्षा में पढ़ती थी। वह बीमारी का इलाज कराने के नाम पर स्कूल से निकली थी। घर वापस नहीं लौटने पर उसके घर वाले परेशान होकर उसकी खोजबीन करने लगे। बाद में पता चला की उसकी बेटी लव जिहाद की शिकार हो गई है। परिजनों ने इसकी शिकायत थाने में करते हुए बेटी को वापस लाने की गुहार लगाई थी।

खनन विभाग ने अवैध रूप से भंडारित 3500 घनफीट बालू किया जब्त

लोहरदगा। कैरो थाना अन्तर्गत ग्राम सढ़ाबे के विभिन्न स्थलों पर अवैध रूप से बालू का भण्डारण होने एवं रात्रि में उसे अन्य जगहों पर भेजने की गुप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए खनन विभाग ने बालू के अवैध भंडारण को जब्त किया है। खनन निरीक्षण अजय कुमार महतो ने बताया कि सढाबे बुधुवा उरांव टांड़ के पास 05 (पाँच) ढेर में लगभग 35 ट्रैक्टर यानि 3500 घनफीट बालू को जब्त किया गया है। ग्रामीणों से पूछताछ करने पर अवैधकर्ता का नाम पता मालूम नहीं चल पाया। स्थल पर कोई स्वतंत्र गवाह नहीं बनने के कारण साथ गये सशस्त्र बल के समीप विधिवत उक्त बालू को जब्त किया गया है।

समाहरणालय, लातेहार,(भू-अर्जन शाखा)

समाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन की अधिसूचना
(देखें नियम 6 का उप–नियम(1))

संख्या– /भू0 अ0 दिनांक–

भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा–4 के प्रावधनों के तहत् सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन हेतु इस कार्यालय के पत्रांक–217 दिनांक–07.06.2024 के द्वारा **राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक** के लिए M/s Social Action for Rural Development (SARDA) Chhotaki Murram Ramgarh Cantt. Ramgarh-829122 के द्वारा उक्त परियोजना हेतु S.I.A.(Social Impact Assessment) करने के लिए सहमति दी गई है। एतद् द्वारा **राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक** हेतु ग्राम–डडैया चादर–I में भूमि का रकबा–**215.44** एकड़ भूमि का सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन करने हेतु अधिसूचना निर्गत की जाती है।

1. परियोजना का नाम :– **राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक** मौजा– डडैया अंचल–चन्दवा जिला लातेहार
2. ग्राम का नाम :– डडैया चादर–I थाना नं0–247 राजस्व, थाना–चन्दवा पुलिस स्टेशन–चन्दवा, जिला लातेहार
3. भूमि की विवरणी :–

क्र० सं०	ग्राम का नाम	खाता संख्या	प्लॉट संख्या	भूमि का वर्गीकरण	कुल खतियानी क्षेत्र (रकबा)	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	खतियानी रैयत का नाम	पूरा पता सहित वर्तमान रैयत का नाम	भू–अर्जन की जाने वाली भूमि का चौहदी
514	डडैया चादर–I	93	597	धान दो	0.08	0.08	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	उत्तर– दक्षिण–
515	डडैया चादर–I	93	598	धान एक	0.02	0.02	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	उत्तर– निज दक्षिण– लालजीत उरांव
516	डडैया चादर–I	93	599	धान एक	0.12	0.12	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	उत्तर– लालजीत उरांव दक्षिण– निज
517	डडैया चादर–I	93	600	धान एक	0.10	0.10	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	उत्तर– निज दक्षिण– लालजीत उरांव
518	डडैया चादर–I	93	601	धान एक	0.17	0.17	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	उत्तर– निज दक्षिण– निज
519	डडैया चादर–I	93	603	धान एक	0.05	0.05	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	उत्तर– निज दक्षिण– मारवाड़ी उरांव
520	डडैया चादर–I	93	604	धान एक	0.04	0.04	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	उत्तर– मारवाड़ी उरांव दक्षिण– निज
521	डडैया चादर–I	93	606	धान एक	0.05	0.05	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	उत्तर– निज दक्षिण– निज
522	डडैया चादर–I	93	652	धान दो	0.02	0.02	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	उत्तर– निज दक्षिण– मारवाड़ी उरांव
523	डडैया चादर–I	93	653	धान दो	0.04	0.04	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	उत्तर– निज दक्षिण– लालजीत उरांव
524	डडैया चादर–I	93	660	धान दो	0.31	0.31	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	उत्तर– लालजीत उरांव दक्षिण– मारवाड़ी उरांव
525	डडैया चादर–I	93	661	टांड दो	0.31	0.31	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	उत्तर– लालजीत उरांव दक्षिण– आनंद गंझू
526	डडैया चादर–I	93	662	टांड दो	0.04	0.04	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	उत्तर– मारवाड़ी उरांव दक्षिण– निज
527	डडैया चादर–I	93	663	टांड दो	0.02	0.02	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	उत्तर– पुरानी परती दक्षिण– लालजीत उरांव
528	डडैया चादर–I	93	671	टांड दो	0.11	0.11	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	मंगल उराँव वो सोभा उराँव, पिता–धोधन उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व मारवाड़ी उराँव वो बोधन वो सुभे उराँव, पिता–भौरव उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन व लालजित उराँव वो रामजित उराँव, पिता–भगरू उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला पाहन टोली पत्रालय होलन	उत्तर– रामजीत उरांव दक्षिण– आनंद उरांव

PR 343257 Land Reforms(24-25).D

ह0/–उपायुक्त, लातेहार

न्यूज बॉक्स

युवक ने फांसी लगा कर की आत्महत्या

घाघरा। घाघरा थाना छेत्र के चेचेपाठ निवासी अनुज उरांव उर्म 18 वर्ष ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। घाघरा थाना क्षेत्र के बड़काडीह आईटीआई कॉलेज के पीछे कोईनार के पेड़ में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वही ग्रामीणों के द्वारा इसकी सूचना पुलिस दी गई जिसके बाद पुलिस घटनास्थल पहुंच शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल गुमला भेज दिया। मृतक के परिजनों ने बताया कि अनुज उरांव कल शाम 7 बजे घर से निकला था जिसके बाद वह वापस घर नहीं लौटा जिसके बाद परिजनों के द्वारा काफी खोजबीन किया गया लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। तभी आज सुबह चरवाहा ने कोईनार के पेड़ पर फांसी पर झूलता हुआ युवक को देखा इसके बाद इसकी सूचना गांव वालों एवं परिजन को दी। घटनास्थल पहुंच शव की पहचान की। हालांकि ग्रामीण दबे पांव तरह-तरह की चर्चा कर रहे थे ग्रामीण इस घटना को प्रेम प्रसंग से भी जोड़ा जा रहा है हालांकि पुलिस मामले की जांच में जुटी।

बाइक दुर्घटना में युवक की गई जान

बसिया(गुमला)। रांची सिमडेगा पथ पर आज फिर से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बसिया के किन्दीरकेला गांव के पास हुई इस दुर्घटना में तीस वर्षीय एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत की सूचना है। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को देर शाम की है जब सिमडेगा से रांची की ओर जा रहे एक अनियंत्रित कन्टेनर ट्रक ने मोटर बाईक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। मृत युवक किन्दीरकेला महुवाटोली का निवासी था। विगत दो दिनों से यह चौथी मौत है जबकि क्षेत्र में मोटरसाइकिल दुर्घटनाओं के लगातार हो रही दुर्घटनाओं से लोग सकते में हैं। आज हुई इस घटना के बाद लोग पुनः आक्रोशित हैं जबकि कुछ ऐसी सड़क दुर्घटना के विरोध में लोगों ने रविवार को बारह घंटों तक आवागमन ठप्प करके रख दिया था। इधर पुलिस ने मामले की संजीदगी को गंभीरता से लेते हुए घटनास्थल पर अपनी निगरानी बढ़ा दी है और शव को अपने कब्जे में ले लिया है।

प्रमोद कुमार मोची ने भीमा कोरेगांव के वीरों को किया नमन

गुमला। डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय एकता मंच के जिला अध्यक्ष और भीम टाईगर, बसपा प्रभारी लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र प्रमोद कुमार मोची ने 1 जनवरी 1818 को हुए भीमा कोरेगांव की ऐतिहासिक विजय को याद करते हुए शत-शत नमन किया। उन्होंने कहा कि हमारे वीर पूर्वजों ने मात्र 500 महारों की सेना के साथ 28,000 पेशवाओं को हराया था, और यह लड़ाई भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई। प्रमोद कुमार मोची ने इस साहसिक संघर्ष को याद करते हुए कहा कि यह विजय भारतीय वीरता और सामूहिक शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि हम हमेशा अपने इन वीरों के योगदान को याद करेंगे और उनकी शहादत को सलाम करेंगे। उन्होंने इस अवसर पर एक कार्यक्रम में भी भाग लिया और सभी लोगों से अपील की कि वे इतिहास से प्रेरणा लें और समाज में समानता और एकता की भावना को बढ़ावा दें।

नेत्र जांच शिविर का आयोजन

गुमला। डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय एकता मंच के जिला अध्यक्ष और भीम टाईगर, बसपा प्रभारी लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र प्रमोद कुमार मोची ने 1 जनवरी 1818 को हुए भीमा कोरेगांव की ऐतिहासिक विजय को याद करते हुए शत-शत नमन किया। उन्होंने कहा कि हमारे वीर पूर्वजों ने मात्र 500 महारों की सेना के साथ 28,000 पेशवाओं को हराया था, और यह लड़ाई भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई। प्रमोद कुमार मोची ने इस साहसिक संघर्ष को याद करते हुए कहा कि यह विजय भारतीय वीरता और सामूहिक शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि हम हमेशा अपने इन वीरों के योगदान को याद करेंगे और उनकी शहादत को सलाम करेंगे। उन्होंने इस अवसर पर एक कार्यक्रम में भी भाग लिया और सभी लोगों से अपील की कि वे इतिहास से प्रेरणा लें और समाज में समानता और एकता की भावना को बढ़ावा दें।

सिसई में पांच जनवरी को चंद्रवंशी समाज की बैठक, कई मुद्दों पर होगी चर्चा

सिसई (गुमला)। चंद्रवंशी समाज के प्रखंड उपाध्यक्ष मनोज वर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी देते हुए कहा कि आगामी पांच जनवरी को बसिया रोड सिसई में उनके आवास पर चंद्रवंशी समाज का एक आवश्यक बैठक रखा गया है। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में चंद्रवंशी समाज के केंद्रीय अध्यक्ष सह पूर्व विधायक राजकिशोर वर्मा का आगमन होने जा रहा है। जहाँ सी एन टी एक्ट के बारे में चर्चा की जायेगी। चंद्रवंशी समाज को सी एन टी एक्ट से बाहर कैसे रखा जाय इसके लिए केंद्रीय अध्यक्ष विधानसभा सत्र में समाज की बातों को रखेंगे। चंद्रवंशी समाज किस तरह एकत्रित हो, तथा किस तरह समाज अपना भागीदारी निभा सके। इसी विषय को लेकर आगामी पांच जनवरी को पूर्वाहन 11 बजे से एक अहम बैठक का आयोजन रखा गया है। इस बैठक को सफल बनाने के लिए प्रखण्ड उपाध्यक्ष मनोज वर्मा ने ज्यादा से ज्यादा संख्या में चंद्रवंशी समाज के लोगों को सम्मिलित होने का आग्रह किया गया है।

कांग्रेसी नेताओं ने प्रखंड विकास पदाधिकारी से की कंबल वितरण करने की मांग

सिसई (गुमला)। सिसई प्रखंड क्षेत्र में अत्यधिक ठंढ से राहत पाने के लिए गरीब, असहाय, वृद्ध, व जरूरत मंद महिला पुरुषों के लिए सरकार द्वारा प्रदत्त कंबल को अविलंब वितरण कराने एवं अत्यंत कड़कड़ाती ठंढ से बचने के लिए प्रखण्ड क्षेत्र के विभिन्न चौक चौराहों में अलाव व्यवस्था कराने हेतु। मंगलवार को सिसई प्रखण्ड के कांग्रेस नेता सह पूर्व बीस सूत्री अध्यक्ष गंगा उराँव व कार्यकताओं ने प्रखण्ड विकास पदाधिकारी से मुलाकात किये। और उन्हें अवगत कराते हुए आवेदन देकर कहा कि प्रखण्ड क्षेत्र में ठंढ बढ़ गया है। इसलिए यथा शीघ्र कंबल वितरण व अलाव का व्यवस्था किया जाय। प्रखण्ड विकास पदाधिकारी रमेश कुमार यादव ने कहा कि सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई है। दो जनवरी के बाद कंबल वितरण का कार्य प्रारंभ कर दिया जायेगा। एवं सभी चौक चौराहों पर अलाव का व्यवस्था भी किया जायेगा।

सांसद सुखदेव भगत बने पांच राज्यों के सीपीपी संयोजक

गुमला। लोहरदगा लोकसभा के सांसद सुखदेव भगत को कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) के पांच राज्यों झ झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, उड़ीसा, और बंगाल की राज्य कमेटी का संयोजक नियुक्त किया गया है। यह जानकारी कांग्रेस संसदीय दल के सचिव डॉ. अमर सिंह ने पत्र के माध्यम से दी। संसद सत्र में सुखदेव भगत के उत्कृष्ट कार्य और उनकी नेतृत्व क्षमता को देखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। सुखदेव भगत इन पांच राज्यों के सांसदों के साथ समन्वय स्थापित करेंगे और कांग्रेस संसदीय दल के कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने में अहम भूमिका निभाएंगे। उनके नेतृत्व में सांसदों को संसदीय कार्य प्रणाली के अनुसार प्रेरित करने और संगठन को मजबूती प्रदान करने की उम्मीद जताई गई है। सांसद भगत की इस उपलब्धि पर गुमला के कांग्रेस कार्यकताओं ने बधाई दी है। प्रदेश सचिव रमेश कुमार चीनी ने विश्वास जताया कि भगत अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। उन्होंने कहा कि भगत के निर्णय हमेशा संगठन के हित में सकारात्मक परिणाम देते रहे हैं। बधाई देने वालों में प्रदेश सचिव रोशन बरवा, दीपनारायण उरांव, मानिकचंद साहू, मुरली मनोहर प्रसाद, रोहित उरांव, राजनील तिग्गा, हेमावती देवी, हिमेश कुमार, अमर प्रदीप कुजूर, कलावती देवी, और अरुण गुप्ता समेत कई अन्य नेता शामिल हैं।

रायडीह में अज्ञात ट्रक की टक्कर से टेम्पो पलटा, आधा दर्जन लोग घायल

गुमला। रायडीह प्रखंड के खिराखाड़ मोड़ के समीप मंगलवार को एक अज्ञात ट्रक की टक्कर से एक टेम्पो पलट गया, जिसमें आधा दर्जन लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना रायडीह थाना से महज 500 मीटर की दूरी पर हुई। घायलों में बजरंग खड़िया (30 वर्ष) और सुबास एक्का (25 वर्ष) ग्राम मरदा के निवासी हैं, जबकि कौशल्या देवी (35 वर्ष) और अनिरुद्ध सिंह (41 वर्ष) ग्राम सलकाया के निवासी हैं। इसके अलावा आजाद राय (48 वर्ष) और अनिल साहू (50 वर्ष) भी इस हादसे में घायल हुए।

मिशन बदलाव टीम ने गुमला डीसी से की मुलाकात

गुमला । सरकारी कार्यालयों में आम लोगों, खासकर महिलाओं के साथ हो रही बदसलूकी और दुर्व्यवहार के मामले को लेकर मिशन बदलाव टीम ने गुमला के उपायुक्त से मुलाकात की और लिखित शिकायत पत्र सौंपा। टीम की ओर से नगर अध्यक्ष ज्योति वर्मा, नगर सचिव ज्योति गलोयरिया और महिला टीम के सदस्य शामिल हुए। संगठन ने आरोप लगाया कि खाद्य आपूर्ति विभाग के कर्मचारियों द्वारा महिलाओं के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया जाता है, जिससे उनके आत्म-सम्मान को ठेस पहुंचती है। खासकर जिला आपूर्ति कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों की यह हरकत आम महिलाओं के लिए परेशानी का कारण बन चुकी है। महिलाओं के इस मुद्दे को लेकर मिशन बदलाव टीम में गहरी नाराजगी जताई और मामले की गंभीरता को उपायुक्त के सामने रखा। ज्योति वर्मा ने कहा कि उच्चस्तरीय पदाधिकारी आमतौर पर सहयोग की भावना के साथ काम करते हैं, लेकिन कार्यालय में कार्यरत कर्मचारी अपने रौब का प्रदर्शन करते हैं और जनता के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। वहीं, ज्योति गलोयरिया ने कहा कि प्रशासन हमेशा हमारी मदद के लिए तत्पर रहता है।

पूर्व विधायक बैरागी उरांव को दी गयी श्रद्धांजलि, कांग्रेस नेताओं ने किया मौन धारण

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड मुख्यालय में मंगलवार को दिवंगत पूर्व विधायक बैरागी उरांव की याद में एक शोक सभा आयोजित की गई। इस सभा में कांग्रेस के कई प्रमुख नेता और स्थानीय गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। पूर्व मंत्री बन्धु तिर्की और झारखंड राज्य कृषि विपणन पार्षद इरविंद्र सिंह ने श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन धारण किया।इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष चैतु उरांव, राजेश रोशन तिर्की, अल्बर्ट तिग्गा, रघुनंदन प्रसाद, बिमल किशोर एक्का सहित अन्य नेताओं ने भी अपनी संवेदनाएँ व्यक्त कीं। बन्धु तिर्की ने दिवंगत विधायक के परिवार से बात की और उन्हें किसी प्रकार की सहायता का आश्वासन दिया।तिर्की ने बैरागी उरांव के योगदान को याद करते हुए कहा कि वे तीन बार विधायक रह चुके हैं और उन्होंने गुमला जिले के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने यह भी बताया कि उरांव का निधन पार्टी और व्यक्तिगत रूप से उनके लिए एक बड़ा नुकसान है। उन्होंने भगवान से प्रार्थना की कि दिवंगत विधायक की आत्मा को शांति मिले।तिर्की ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को दिवंगत बैरागी उरांव के मार्गदर्शन पर चलना चाहिए, ताकि चैनपुर अनुमंडल क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी को मजबूती मिले। यह सभा स्थानीय राजनीतिक समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण था, जिसमें उरांव के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनके योगदान को याद किया गया। परिजनों से कहा कि मैं मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की को पूर्व विधायक के घर बहुत जल्द लाऊंगा।

घाघरा पुलिस की कार्रवाई बालू सहित एक ट्रैक्टर को किया जब्त

घाघरा। घाघरा थाना छेत्र के खंभिया कुबाटोली स्थित कोयल नदी से अवैध रूप से बालू लोड एक ट्रैक्टर को घाघर पुलिस ने जब्त कर थाना लायी है। बताया जा रहा है कि उक्त बालू लदा ट्रैक्टर अपने गंतब्य को जा रही थी इसी क्रम में ग्रामीणों ने उसे पकड़कर इस आशय की सूचना घाघरा पुलिस को दी। मौके पर पुलिस पहुँच ट्रैक्टर को अपने कब्जे में कर इसकी जानकारी जिला खनन कार्यालय को भेज दी है। इस संबंध में पूछे जाने पर थाना प्रभारी तरुण कुमार ने बातया की मामले में प्राथमिकी दर्ज होगी। बता दें कि हाल में ही खंभिया कुंबाटोली स्थित कोयल नदी से घाघरा पुलिस ने तीन ट्रैक्टरों को जब्त किया था फिर भी अवैध बालू उठाव पर विराम नही लग रहा है।

हाथी भगाने वाले बम से आठ वर्षीय छात्र गंभीर रूप से घायल

गुमला। गुमला जिले के बसिया थाना क्षेत्र स्थित लुटुआ पतरा टोली में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। सोमवार शाम 8 वर्षीय मयंक मिंज, पिता अजीत मिंज, हाथी भगाने वाले पटाखा बम से जलकर गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों के अनुसार, मयंक अपने एक साथी के साथ गांव के पास स्थित बगीचे में खेल रहा था। वहां उन्हें एक बम पड़ा मिला। बच्चे बम को लेकर कटहल के पेड़ के नीचे गए और उसे फोड़ने की कोशिश की। इस दौरान बम विस्फोट हो गया, जिससे मयंक बुरी तरह झुलस गया और उसका साथी आंशिक रूप से घायल हो गया। घायल मयंक को तुरंत कोन बीर उप स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे मंगलवार को गुमला सदर अस्पताल रेफर किया गया। परिजनों ने बताया कि लगभग दो सप्ताह पहले जंगली हाथियों ने गांव में आतंक मचाया था और एक घर को क्षतिग्रस्त कर दिया था। इसके बाद वन विभाग ने हाथियों को भगाने के लिए गांव में टॉर्च और पटाखा बम का वितरण किया था।

डुमरी सीएचसी में रक्तदान शिविर का आयोजन

61 लोगों ने किया रक्तदान

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। डुमरी मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में मंगलवार को वर्ष 2024 के अंतिम दिन रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 61 यूनिट रक्तदान किया गया, जिससे डुमरी में अब तक का सर्वाधिक रक्तदान रिकॉर्ड बना। बीडीओ उमेश कुमार स्वांसी ने शिविर की सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि रक्तदान को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला और सभी वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। उन्होंने बताया कि इस शिविर की शुरूआत शशांक शेखर पांडेय द्वारा रक्तदान से हुई, उसके बाद एसएसबी के जवानों, प्रखंड एवं अंचल कर्मियों, अस्पताल कर्मचारियों सहित अन्य क्षेत्रवासियों ने भी रक्तदान किया, जिससे शिविर को अभूतपूर्व सफलता मिली। शिविर में मौजूद अंचल अधिकारी राम प्रवेश कुमार, गीत कुमारी, शांता टोप्पो, मंजुला मिंज सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

डेबिडीह में दो बाइकों की टक्कर, पांच घायल

पुलिस ने घायलों को पहुंचाया अस्पताल

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला सदर थाना क्षेत्र के डेबिडीह के पास सोमवार को दो बाइकों के बीच आमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई, जिसमें पांच लोग घायल हो गए। दुर्घटना में अटरिया निवासी कलावती देवी (30), सीमा कुमारी (5), और विजय उरांव (40) के साथ पोकमा निवासी सुनील उरांव (25) गंभीर रूप से घायल हुए। घटना की सूचना मिलते ही टोटो थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को नजदीकी निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया।

दोनों बाइकों के चालक और सवारों के स्वास्थ्य पर नजर रखी जा रही है

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों बाइकें तेज रफ्तार में थीं और अचानक आमने-सामने टकरा गईं। पुलिस ने घटना का मुआयना किया है और घायलों के परिजनों को सूचित कर दिया है। दोनों बाइकों के चालक और सवारों के स्वास्थ्य पर नजर रखी जा रही है। दुर्घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया था।

हत्या के आरोपी चचेरे भाई को गुमला पुलिस ने किया गिरफ्तार

गुमला। बिशुनपुर थाना क्षेत्र के चिंगारी नवा टोली गांव में हुए अशोक उरांव (35) की हत्या के आरोपी चचेरे भाई विक्रांत उरांव को पुलिस ने गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। 20 दिसंबर की रात, शराब के नशे में अशोक और विक्रांत के बीच अशोक के घर में किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसी दौरान विक्रांत ने अशोक पर जोरदार प्रहार किया, जिससे अशोक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और फिर गुमला सदर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पत्नी पूर्णिमा उरांव ने बिशुनपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई, जिसमें उसने विक्रांत पर हत्या का आरोप लगाया। घटना के बाद से विक्रांत फरार था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि आरोपी गुमला के छठ तालाब के पास देखा गया है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर विक्रांत को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद मंगलवार को उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से गांव वालों ने राहत की सांस ली है।

मयूरी ट्रस्ट ने लेमनग्रास की फसल के निरीक्षण के साथ महिला मंडलों को रोजगार से जोड़ा

किसानों की समस्याओं पर हुई चर्चा

गुमला। गुमला और घाघरा प्रखंड के सुदूरवर्ती गांवों में मयूरी ट्रस्ट और चैताली कॉलेज द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया। कोटाम, हेठजोरी, पतगच्छा, दिरगांव, तुसगांव, विमरला सलामी, और पकरी जैसे गांवों का दौरा कर महिलाओं और किसानों को रोजगार से जोड़ने के लिए बैठकें आयोजित की गईं। सचिव चैताली सेनगुप्ता ने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए कृषि को बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने किसानों को सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने और कृषि उत्पादन बढ़ाने की अपील की। उन्होंने आश्वासन दिया कि मयूरी ट्रस्ट किसानों के साथ कदम से कदम मिलाकर काम करेगा और उनकी समस्याओं को सुलझाने में सहयोग करेगा। डायरेक्टर बसंत कुमार गुप्ता ने बताया कि मयूरी ट्रस्ट के माध्यम से चैताली कॉलेज में शिक्षा के विभिन्न पाठ्यक्रम, नीट कोचिंग, और नर्सिंग की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही, ट्रस्ट ने किसानों को आश्वासन दिया कि लेमनग्रास की फसल को बेकार नहीं जाने दिया जाएगा। ट्रस्ट ने खेतों पर बची हुई फसल की खरीददारी की घोषणा की है। बैठकों के दौरान महिलाओं और किसानों ने सड़क निर्माण, सिंचाई, और अन्य बुनियादी सुविधाओं की मांगों को भी उठाया। ग्रामीणों ने प्रशासन से अधूरी सड़कों को जल्द पूरा करने की मांग की। इस अवसर पर मयूरी ट्रस्ट के सदस्य, समाजसेवी और स्थानीय ग्रामीण विशेष रूप से उपस्थित रहे और क्षेत्र के विकास में सहयोग का संकल्प लिया।

गुमला में 100 दिवसीय टीबी कैंपेन के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। 100 दिवसीय टीबी कैंपेन के तहत जवाहर नगर गुमला में महिला भजन मंडली के साथ टीबी जागरूकता सह जन भागीदारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में टीबी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गई, जिससे समाज में टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया। जिला यक्ष्मा केंद्र के पीपीएमसी कोऑर्डिनेटर हरिशंकर मिश्रा ने बताया कि टीबी जैसी गंभीर बीमारी को रोकने के लिए समाज में जागरूकता फैलाना बेहद जरूरी है। उन्होंने

कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से टीबी के लक्षण, उपचार और बचाव के उपायों के बारे में महिलाओं को जानकारी दी गई, ताकि वे अपनी और अपने परिवार की सेहत का बेहतर ख्याल रख सकें।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना

(चोरी गई गलेम्बर मोटरसाईकिल)

गढ़वा थाना कांड सं0–650/24 दिनांक–29.11.24 धारा–303(2) बी0एन0एस0 में चोरी गयी गलेम्बर मोटरसाईकिल जिसका रजि0 नं0–JH03W-5522 इंजन नं0– JA06ERKGA61782 एवं चेचिस नं0– MBLJAR027KGA10139 का अज्ञात अपराधकर्मी द्वारा चोरी कर लिया गया है। जिसकी बरामदगी अबतक नहीं हो पाई है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त चोरी गयी वाहन के बारे में किसी प्रकार की सूचना किसी व्यक्ति को प्राप्त हो तो पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मो0नं0–9431706284, या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0–9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक,
गढ़वा

PR 343340 (Police)24-25*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, डालटनगंज

अल्पकालीन पुर्न ई–निविदा आमंत्रण

सूचना संख्या – 05RI/2024–25/EE/RWD/DALTONGANJ

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, डालटनगंज द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से पथों का निविदा आमंत्रित की जाती है

दिनांक–30.12.2024

1. कार्य का नाम :

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)		कार्य समाप्ति की अवधि	टेण्डर कॉल नं0
			अंक में	अक्षर में		
1	EE/RWD/DALTONGANJ/15/2024-25	सोरडीहा मेन रोड से केतात मंदिर पथ तक पथ निर्माण । 2.80कि0मी0	308.214	तीन करोड़ आठ लाख एक्कीस हजार चार सौ रू0 मात्र	12 माह	द्वितीय

2.बेवसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि : 04.01.2025
3.ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : 18.01.2025 up to 5.00 PM
4.निविदा खोलने की तिथि एवं समय 20.01.2025 पूर्वाहन 3.30 बजे
5.निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, डालटनगंज ।
6.ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 –06562357595
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट Jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है ।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, डालटनगंज

PR 343266 (Rural Development)24-25*D

जनप्रतिनिधियों से आसहयोग रवैया से ग्रामीण निराश

श्रमदान कर तीन किलोमीटर सड़क का किया मरम्मती

नवीन मेल संवाददाता

घाघरा। घाघरा प्रखंड के सरकारी बाबुओं एवं जनप्रतिनिधियों के असहयोगात्मक रवैये से नाराज बेती जुगनुटोली के सैकड़ो महिला पुरुष ग्रामीणों ने तीन किलोमीटर खराब कच्ची सड़क को मरम्मत कर सुगम आवागमन लायक बना डाला। उक्त सड़क चुंदरी पंचायत के बेती फुटकल मोड़ से जुगनुटोली गॉव होते हुवे बेती पतराटोली को जोड़ती है और इस सड़क की लंबाई तीन किलोमीटर है। इतनी लंबी सड़क की परवाह न करते हुवे गॉव के महिला पुरुष ने सड़क की मरम्मती का फैसला किया और प्रत्येक घर से कम से दो लोगों को सड़क मरम्मती में लगने का निर्णय लिया गया और मंगलवार को

ग्रामीण इस अभियान में जुट गए और तीन किलोमीटर लंबे जर्जर सड़क को बना डाला। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत के मुखिया एवं पंचायत समिति सदस्य से सड़क बनाने की मांग की लेकिन इसपर किसी ने ध्यान नही दिया। थक हार कर ग्रामीण खुद सड़क बनाने में जुट गए और इस कार्य को अंजाम तक पहुँचाया। इस काम मे ग्रामीण सुमित्रा देवी, समली देवीज सती देवी, बसी देवी, धनमनी देवी, परमेश्वर उरांव, बसंत उरांव, दुखी भगत, सुखदेव उरांव, कृष्ना, पचा सहित सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष शामिल थे।

संपादकीय

नए साल में कुछ नया करें

आज एक नए साल की शुरूआत हो रही है। कोई आवश्यक नहीं कि हम धूम धाम करें परंतु यह विचार करें कि यह समय है हम सभी के लिए नई उम्मीदों, नई योजनाओं और नई ऊर्जा के साथ अपने लक्ष्यों की ओर कदम बढ़ाने का। पिछला साल चाहे जैसा भी रहा हो, उसकी गलतियों और असफलताओं को एक सीख के रूप में अपनाकर हमें आगे बढ़ते रहना चाहिए। अतीत को पीछे छोड़कर, नए अवसरों का स्वागत करना ही सही दृष्टिकोण है। हर बार नया साल हमें एक नई शुरूआत करने का अवसर देता है। यह समय है खुद को बेहतर बनाने का उन लक्ष्यों को हासिल करने का जिनकी हमने पहले कभी कल्पना की थी। हालांकि, यह जरूरी है कि हम अतीत की गलतियों से सबक लें, लेकिन उन पर अटक कर न रहें। इस दुर्लभ दिन को एक अवसर समझकर हम कुछ प्रेरणादायक विचारों को अपना मार्गदर्शक बना सकते हैं। महापुरुषों के कथन न केवल हमें प्रेरणा देते हैं, बल्कि हमारे भीतर सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास को भी मजबूत करते हैं। आप इन प्रेरणादायक विचारों को अपने दोस्तों और प्रियजनों के साथ भी साझा कर सकते हैं और उन्हें नए साल की शुभकामनाएं दे सकते हैं। आइए, इस नए साल को एक नई शुरूआत के रूप में स्वीकार करें और अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाकर सफलता की ओर अग्रसर हों। कहते हैं संगति गुणे दोषः यानी संगति से गुण या दोष आते हैं। हम सुखद जीवन के लिए अपनी संगति तो सुधार ही सकते हैं। कबीर संगत साधु की नित प्रति कीजै जाय ।

दुरमति दूर बहावासी, देशी सुमति बताय

बचपन में हमसे अपने घर में यदि कोई अवांछित हरकतें होतीं तो हमें कोसने के साथ साथ हमारी संगति को भी बखाना जाता। गुस्से में कहा जाता- इनकी संगति ही खराब है। किसके संग रह कर सिखा यह सब? यहां तक कि हमारी सखी-सहेलियों की जात-बिरादरी और पुश्तें गिनवा दी जातीं। तब से ही ये बात दिमाग में घर कर गई थी कि संगति का बड़ा गहरा असर पड़ता होगा जीवन में। तभी तो बड़े हमेशा संगति पर नजर रखते हैं। आज इसी संगति का असर, पूरी दुनिया में अपना असर दिखा रहा है। और कोरोना में तो और भी ज्यादा। अब तो साथ रह कर भी दूर -दूर रहने को मजबूर हम आज इस संगति विषय पर ही बात करते हैं क्योंकि मनुष्य जीवन की उन्नति संगति से ही होती है। संगति से उसका स्वभाव परिवर्तित हो जाता है। संगति ही उसे नया जन्म देता है। जैसे, कचरे में चल रही चींटी यदि गुलाब के फूल तक पहुंच जाए तो वह देवताओं के मुकुट तक भी पहुंच जाती है। ऐसे ही महापुरुषों के संग से नीच व्यक्ति भी उत्तम गति को पा लेता है।

तुलसीदास जी ने कहा है

जाहि बड़ाई चाहिए, तजे न उत्तम साथ। ज्यों पलास संग पान के, पहुंचे राजा हाथ।।
जैसे, पलाश के फूल में सुगंध नहीं होने से उसे कोई पूछता नहीं है, परंतु वह भी जब पान का संग करता है तो राजा के हाथ तक भी पहुंच जाता है। इसी प्रकार जो उन्नति करना चाहता हो उसे महापुरुषों का संग करना चाहिए।

- कबीर संगति साधु की, निष्फल कभी न होय।
ऐसी चंदन वासना, नीम न कहसी कोय।
संतों की संगत कभी निष्फल नहीं होती। मलयगिर की सुगंधी उड़कर लगने से नीम भी चन्दन हो जाता है, फिर उसे कभी कोई नीम नहीं कहता।
- एक घड़ी आधी घड़ी, आधी में पुनि आध।
कबीर संगत साधु की, कटै कोटि अपराध
एक पल आधा पल या आधे का भी आधा पल ही संतों की अच्छी संगत करने से मन के करोडों दोष मिट जाते हैं।

2024 की साइबर चुनौतियां और 2025 का सुरक्षा संकल्प

साल 2024 ने साइबर सुरक्षा के महत्व को गहराई से उजागर किया। साइबर अपराधों में वृद्धि ने यह स्पष्ट कर दिया कि डिजिटल युग में सतर्कता और सावधानी हमारी प्राथमिक सुरक्षा कवच हैं। ये घटनाएँ केवल चेतावनी मात्र नहीं थीं, बल्कि यह समझाने वाली थीं कि सतर्कता और सावधानी ही हमारी सबसे बड़ी सुरक्षा है। एक साधारण-सी भूल हमारे जीवन में भारी संकट ला सकती है। यह वर्ष हमें यह सिखाने वाला भी था कि डिजिटल सुरक्षा केवल तकनीकी उपायों तक सीमित नहीं है, यह हमारे डिजिटल व्यवहार और आदतों में अनुशासन और सतर्कता का समावेश भी है। 2024 ने हमें दिखाया कि एक छोटी सी सतर्कता हमारे व्यक्तिगत डेटा, वित्तीय जानकारी और सम्मान की रक्षा कर सकती है। अब समय आ गया है कि 2025 को एक नई शुरूआत के रूप में लिया जाए। हमें 2024 की सीखों को अपनी आदतों में ढालना होगा और एक सुरक्षित डिजिटल भविष्य की नींव रखनी होगी। 2024 की चुनौतियों ने हमें जो सबक सिखाए, उन्हें 2025 के लिए मजबूत संकल्पों में बदलना हमारा उद्देश्य होना चाहिए, जो हमें साइबर अपराध से सुरक्षित रखेंगे। हर सुझाव को जीवन में लागू करके हम खुद को और अपने समाज को इन खतरों से बचा सकते हैं।

2025 के लिए डिजिटल सुरक्षा के 25 अहम सुझाव

ओटीपी साझा नहीं करेंगे : ओटीपी, हमारे ऑनलाइन खातों की सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसे किसी के साथ साझा न करना आपका पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम है। किसी भी संदिग्ध कॉल, ईमेल, या मैसेज में ओटीपी की मांग हो तो इसे अनदेखा करें। ऑथेंटिकेशन ऐप का उपयोग करें, जो ओटीपी के साथ एक अतिरिक्त सुरक्षा लेयर प्रदान करता है।

अनजान नंबर से वीडियो कॉल स्वीकार नहीं करेंगे : साल 2024 में सेक्सटॉर्शन जैसे अपराधों ने यह सिखाया कि अनजान नंबर से आने वाले कॉल्स से सावधान रहना चाहिए। अनजान कॉल्स को ब्लॉक करना और पुलिस को रिपोर्ट करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। ट्रूकॉलर जैसे ऐप अनजान नंबर की पहचान में सहायक हो सकते हैं।

जॉब फिशिंग से बचेंगे : जॉब फिशिंग में अपराधी बड़ी कंपनियों के नाम पर नकली नौकरी प्रस्ताव देकर निजी जानकारी चुराते हैं। ऐसे ऑफर को स्वीकार करने से पहले हमेशा जॉब का स्रोत और ऑफर की प्रमाणिकता को जांचें। संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और केवल अधिकृत वेबसाइट पर ही लॉगिन करें।

डिजिटल अरेस्ट के झूठे दावों से सतर्क रहेंगे : साइबर अपराधी खुद को पुलिस अधिकारी बताकर धमकाते हैं और धन उगाही करते हैं। ऐसे कॉल्स पर ध्यान न दें और परिवार या वकील से तुरंत संपर्क करें। किसी भी संदेहास्पद स्थिति में 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करें।

बिजली/गैस कनेक्शन कटने के झूठे संदेशों पर भरोसा नहीं करेंगे : ऐसे संदेश जो बिजली या गैस कनेक्शन कटने की धमकी देते हैं, केवल फ्रॉड का हिस्सा हैं। हमेशा आधिकारिक हेल्पलाइन पर संपर्क करें और दिए गए किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें। बिजली विभाग के लिए 1912, और गैस कनेक्शन के लिए 1800-233-3555 पर कॉल करें।

एआई वॉयस क्लोनिंग से बचाव करेंगे : आजकल एआई की मदद से आवाज की हूबहू नकल संभव है। ऐसी किसी भी कॉल पर सावधान रहें जहां आपसे निजी जानकारी मांगी जाती हो। हमेशा सत्यापन के लिए अतिरिक्त सवाल पूछें।

सोशल मीडिया प्रोफाइल को निजी रखेंगे : सोशल मीडिया पर अधिक जानकारी साझा करना जोखिम भरा हो सकता है। अपने प्रोफाइल को निजी रखें और केवल करीबी लोगों के साथ जानकारी साझा करें।

गूगल पर 'कस्टमर केयर' सर्च नहीं करेंगे : गूगल पर कस्टमर केयर नंबर सर्च करना असुरक्षित हो सकता है। हमेशा आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर जानकारी प्राप्त करें।

फर्जी निवेश ऑफर्स को अनदेखा करेंगे (नकारेंगे) : सोशल मीडिया पर उपलब्ध आकर्षक निवेश योजनाओं से बचें। फर्जी ऐप्स और गारंटीड रिटर्न के झूठे वादों पर भरोसा न करें। सेबी हेल्पलाइन 1800-22-7575 का उपयोग करें।

क्रिप्टोकरेंसी निवेश में सतर्क रहेंगे : क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करते समय केवल प्रमाणित प्लेटफॉर्म का उपयोग करें। अनजान व्यक्तियों या समूहों की सलाह से बचें।

संदिग्ध ईमेल व फिशिंग लिंक से सतर्क रहेंगे : संदिग्ध ईमेल्स के लिंक या अटैचमेंट खोलने से बचें। किसी भी वेबसाइट पर लॉगिन करने से पहले उसकी प्रमाणिकता जांचें।

मोबाइल ऐप्स डाउनलोड करते समय सतर्क रहेंगे : केवल आधिकारिक ऐप स्टोर से ऐप्स डाउनलोड करें। किसी भी अनजान ऐप को अपने डिवाइस में इंस्टॉल न करें।

सार्वजनिक (पब्लिक) वाई-फाई का सीमित उपयोग करेंगे : पब्लिक वाई-फाई पर बैंकिंग और अन्य संवेदनशील कार्य न करें। वीपीएन का उपयोग करना सुरक्षा के लिए लाभदायक हो सकता

साइबर बीमा और साइबर क्राइम रिपोर्टिंग को प्राथमिकता देंगे : साइबर बीमा जैसी सेवाओं का लाभ उठाएं, जो साइबर हमलों के नुकसान को कम करने में मददगार हो सकती हैं। संदिग्ध गतिविधि होने पर तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन (1930) या नेशनल साइबर पोर्टल (cybercrime.gov.in) पर शिकायत दर्ज करें।

फर्जी लॉटरी और स्कीम से बचेंगे : आपने लॉटरी जीती है जैसे संदेशों पर ध्यान न दें। यह फ्रॉड का हिस्सा हो सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

आज की बात

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
बड़वानी (म.प्र.)

देश की बात

अगली श्रेणी के स्वप्निल बजट की आवश्यकता

भारतीय शेयर मार्केट एक बड़े तथा महत्वपूर्ण द्वंद में फंसे हुए हैं। प्रयास कर रहे कि तेज हो,पुनः तेजी आए परंतु कोई उछाल आ भी रहा तो टिक नहीं पा रहें हैं,किसी भी दिन विशेष बड़ी निर्णायक बढ़त पर बंद नहीं हो पा रहें हैं।ऊपरी ऐतिहासिक स्तरों से नीचे भावों पर हैं परंतु मैक्रो स्तर जैसे मार्केट पूंजीकरण तथा जीडीपी अनुपात पर, पीई अनुपात पर महंगे भी हैं। इसलिए खरीदारी भी आती है परंतु उछाल पर बिकवाली भी आ जाती है। ऐसे में यदि अपेक्षाकृत ऊंचे मूल्यांकन को न्यायोचित ठहराने के पक्ष में अवधारणा बनती है तभी वर्तमान स्तरों से बड़ी तेजी देखी जा सकती है। इसमें विदेशी निवेशकों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। वो यदि क्रय के मनोभाव में आते हैं तभी एक बड़ी अच्छी तेजी देखी जा सकती है।अभी तो वो विक्रेता ही हैं। पिछले सप्ताह भी उन्होंने 6324 हजार करोड़ रुपए के शेयर नकद संभाग में बेचे। किन्तु एक परिवर्तन रहा। स्टॉक फ्यूचर में उन्होंने पिछले सप्ताह के सभी चारों सत्रों में क्रय किया तथा कुल 12881 करोड़ रूपए की खरीद की। यह उनके नकद संभाग में विक्रय से दुगना क्रय था। इसका संकेत यह है कि एफआईआई सट्टा के सौदों में अपने मंदी के सौदे काट रहें हैं।अर्थात उन्हें सामान्य परिस्थितियों में मार्केट में इन स्तरों से बहुत बड़ी गिरावट नहीं लगती। परंतु बड़ी तेजी के लिए एफआईआई की नकद संभाग में भी खरीद आनी चाहिए। अमेरिकी शेयर मार्केट में पिछले सप्ताह पुनः उछाल देखने मिला तथा डाउ 650 अंक चढ़ा।यहां भी प्रतीक्षा करनी होगी कि अगले कुछ दिन डाउ की दिशा क्या रहती है। डॉलर इंडेक्स 107.79 है। इसमें उल्लेखनीय कमी नहीं आ रही। यह इमर्जिंग शेयर मार्केट के लिए नकारात्मक ही है। वैश्विक तथा भारतीय कोष प्रबंधकों के पास अच्छी नकदी है परंतु उन्हें विश्वास होना चाहिए, बनना चाहिए न कि मार्केट उचित मूल्यांकन पर हैं, तभी वो आक्रामक क्रेता बनेंगे। ऐसा तभी होगा जब अर्थव्यवस्था में पुनः सकारात्मक वृद्धि दर दिखेगी, कंपनियों के लाभ में अच्छी वृद्धि देखेगी। जो कंपनियां लाभ के मोर्चे पर अच्छा कर रही अथवा जिनमें कोई विशेष सकारात्मक बात आई है, उन कंपनियों में ही निवेश करना चाहिए। अभी बहुत चूजी होने की आवश्यकता है। ब्रेंट क्रूड 73.79 डॉलर प्रति बैरल है। बहुत दीर्घ अवधि के भाव के निवेशक अच्छे फंडामेंटल के शेयर इक्कठा करना प्रारंभ कर सकते हैं परंतु अत्यधिक मूल्यांकन के आशा शेयरों, होप शेयरों में अधिक निवेश नहीं करना उचित प्रतीत होता है। 1 फरवरी को भारत सरकार का बजट प्रस्तुत होगा। धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था को ले कर यह बजट बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। सरकार को बहुत संतुलन साधना होगा। ब्याज दरों में आक्रामक कटौती का समय आ गया है। भारत एक विकासशील अर्थव्यवस्था है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

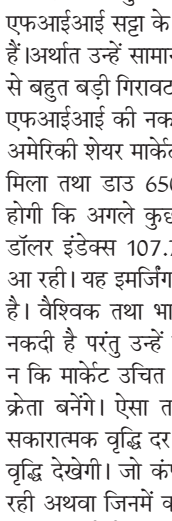

शशांक भारद्वाज
वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक
चॉइस ब्रोकिंग

अलग बात

सशक्त भारत के लिए सुशासन की आवश्यकता

स्वतंत्रता पाने के तीन चौथाई सदी बीतने के बाद आज भारत संभावनाओं का एक आकर्षक परिदृश्य प्रस्तुत करता है, जो अपनी अनूठी चुनौतियों और अपार अवसरों दोनों की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करता है। आज 140 करोड़ से अधिक की आबादी के साथ, भारत अपने इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। आगे के समय में भारत की आर्थिक प्रगति वर्तमान सुधारों, तकनीकी प्रगति और जनसांख्यिकीय बदलावों से काफी प्रभावित होगी। ऐसा अनुमान है कि 2025 तक भारत अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, जो मुख्यतः एक बड़े आकार वाले , युवा कार्यबल, बढ़ते मध्यम वर्ग और घरेलू खपत से प्रेरित है।यहाँ यह ध्यान रखने की बात है कि भारत केवल विकास नहीं बल्कि समावेशी विकास चाहता है जो लाखों लोगों को गरीबी और असमानता से मुक्ति दिला सके। डिजिटल इंडिया जैसी पहलों और फिनटेक के संतोषदायी अनुभव से प्रोत्साहित होकर भारत का डिजिटल अर्थव्यवस्था में परिवर्तन, नए रोजगार के अवसर पैदा कर सकता है और नवाचार को बढ़ावा दे सकता है। देश डिजिटल साक्षरता, बुनियादी ढांचे और उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करके तकनीकी सेवाओं, ई-व्यापार, कृत्रिम मेधा और डेटा विज्ञान में वैश्विक नेता बनने का लक्ष्य बना रहा है। उभरती प्रवृत्तियों को देखते हुए यह लग रहा है कि मेक इन इंडिया पहल के तहत अपने विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए भारत का प्रयास आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। बदलते परिवेश में, भारत विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स, मोटरगाड़ी (ऑटोमोटिव) व औषधीय (फार्मास्युटिकल) क्षेत्रों में एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर सकता है। दरअसल औद्योगिकीकरण और स्थिरता के बीच संतुलन बनाने की हमारी क्षमता ही आर्थिक मामलों में हमारी प्रगति को निश्चित करेगी। देश का लक्ष्य अक्षय ऊर्जा, विशेष रूप से सौर ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनना है, क्योंकि यह हरित प्रौद्योगिकियों और टिकाऊ व्यवस्थाओं के अनुकूल है। आज भारत कृत्रिम बुद्धि (एआई) और डेटा एनालिटिक्स से लेकर अंतरिक्ष अन्वेषण तक कई तकनीकी क्रांतियों में अग्रणी रहने की स्थिति में है। भारत का तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र तेजी से बढ़ रहा है और 2025 तक देश एआई, मशीन लर्निंग और ऑटोमेशन तकनीकों का प्रमुख केंद्र बन सकता है। इससे कृषि और स्वास्थ्य सेवा से लेकर शहरी नियोजन और शिक्षा आदि को लाभ पहुँचेगा। भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा पा रही है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

गिरीश्वर मिश्र

फेसबुक वॉल से

X से

आज का दोहा

विक्रम से बैताल ने, पूछा वही सवाल।
बदल जायगा क्या बता, आने वाले साल।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/ व्हाट्सएप 82925 53444। -संपादक

आपकी बात

समूचे विश्व ने वर्ष 2024 में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाले भारत की सराहना की

वैश्विक परिदृश्यव में भारत का उदय न केवल परिवर्तनकारी रहा है, अपितु दुनिया भर के नेताओं, अर्थशास्त्रियों और वैश्विक संस्थानों ने भी व्यापक रूप से उसको सराहा है। यह एक दशक के अथक प्रयास, रणनीतिक योजना और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व के मार्गदर्शन में भारत ने वैश्विक महाशक्ति के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। वर्ष 2024 में, हम विकास के साधन, तकनीकी नवोन्मेषक और स्थिरता में अग्रणी के रूप में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को समूचे विश्वन द्वारा तेजी से स्वीकारे जाने के साक्षी बनें। दुनिया भर के विशेषज्ञों, शीर्ष उद्योगपतियों और संगठनों ने देश की उपलब्धियों को लगातार रेखांकित किया है। कामयाबी का यह परचम केवल वर्ष 2024 में ही दृष्टिगोचर नहीं हुआ, अपितु बीते वर्षों में भी वैश्विक बयानों में प्रतिध्व नित होता रहा है। उदाहरण के लिए, वर्ष 2021 में, फर्स्ट सोलर के सीईओ मार्क विडमार ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के संबंध में प्रत्ये क देश को भारत द्वारा उठाए गए कदमों का अनुसरण करना चाहिए1, वर्ष 2017 में जेपी मॉर्गन के सीईओ जेमी डिमन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हमेशा से बहुत सुग्राही हैं, वह स्पमष्ट वादी हैं, वह बहुत स्मार्ट हैं,2 वर्ष 2023 में हसन अल्लाम होल्डिंग्स के सीईओ हसन अल्लाम ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत के निजी क्षेत्र, विशेषकर बुनियादी ढांचे, इंजीनियरिंग, विनिर्माण के क्षेत्र में जबरदस्त प्रगति हुई है। यह दशार्ता है कि त्वशरित गति से हो रही भारत की प्रगति और प्रधानमंत्री के नेतृत्व को वैश्विक विशेषज्ञ और प्रमुख उद्योगपति लगातार रेखांकित करते आए हैं। साथ ही ये मत इस वैश्विक सर्वसम्मुति को दशार्ते हैं : प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल तेजी से प्रगति कर रहा है, बल्कि बाकी दुनिया के लिए अनुकरणीय मानक भी स्थापित कर रहा है।

भारत और भारत की प्रगति के संबंध में वक्तव्य

सुजुकी मोटर्स के अध्यक्ष तोशीहिरो सुजुकी ने प्रधानमंत्री के मजबूत नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा, पिछले 10 वर्षों में, विनिर्माण उद्योगों के प्रति प्रधानमंत्री के मजबूत नेतृत्व और निरंतर समर्थन की वजह से भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में लगातार विस्तार हो रहा है। इसके परिणामस्वरूप, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार बन गया है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री के प्रगतिशील दृष्टिकोण और भारत के विकास की बदौलत यह उजागर हुआ कि प्रगति हासिल करने में शासन और दूरदर्शिता कैसे कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं।

डब्यूसे ईएफ के अध्यक्ष बोर्गे ब्रेंडे ने भारत की प्रगति के बारे में आशा व्यक्त करते हुए कहा, हमें लगता है कि आने वाले दशक में हम 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के बारे में बात कर सकते हैं, कम से कम आने वाले दो दशकों में। उन्होंने भारत की समृद्ध होती डिजिटल अर्थव्यवस्था और सेवाओं के बढ़ते निर्यात को रेखांकित करते हुए कहा, डिजिटल अर्थव्यवस्था और सेवाओं के निर्यात की बदौलत भारत सबसे अग्रणी रहा है। यह भारत के लिए बहुत उत्कृष्ट स्थिति है। भारत बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत के प्रति काफी दिलचस्पी है।

प्रौद्योगिकी और वित्तीय क्षेत्र से संबंधित अग्रणी हस्तियों ने भी भारत की प्रगति को स्वीकार किया है। मास्टरकार्ड में प्रेसिडेंट, इंटरनेशनल मार्केट्स, लिंग हाई प्रगति के मार्ग पर अग्रसर भारत के छोटे और मझोले उद्यम (एसएमई) क्षेत्र पर आधारित भारत की विकास गाथा को लेकर आशान्वित हैं, क्योंकि सरकार डिजिटलीकरण और वित्तीय समावेशन के संबंध में अपने प्रयासों को दोगुना कर रही है। उन्होंने कहा, यदि आप जनसांख्यिकी, मुद्रास्फीति में कमी, खर्च करने की क्षमता, निर्यात, सेवा क्षेत्र जैसे बुनियादी पहलुओं को देखें, तो भारत के लिए बहुत सी चीजें मजबूत हो रही हैं।

सेल्सफोर्स के सीईओ मार्क बेनिओफ : दुनिया 'भारतीय युग' की ओर बढ़ रही है व यह देश रोमांचकारी अवसर प्रस्तुत करता है। आप जानते हैं कि यह बहुत ही रोमांचकारी अवसर है।

गिटहब के सीईओ थॉमस डोमके : जब मैं अतीत और वर्तमान के भारत की तुलना करता हूं, तो अविश्वसनीय ऊर्जा दिखाई देती है, वह आगे बढ़ रहा है व विकसित हो रहा है। तब मेट्रो नहीं थी, और अब हमारे पास कई लाइनें हैं। हवाई अड्डा अद्भुत, आधुनिक और साफ-सुथरा है। मुझे लगता है कि सॉफ्टवेयर उद्योग में जो हो रहा है यह उसका भी प्रतिबिंब है। भारत में पहले से ही बड़ी संख्या में सॉफ्टवेयर डेवलपर मौजूद हैं।

जेपी मॉर्गन के सीईओ जेमी डिमन: उन्होंने यह अद्भुत चलन शुरू किया है, जहां हर नागरिक को हाथ, आंख की पुतली या उंगली से पहचाना जाता है। उन्होंने 700 मिलियन लोगों के लिए बैंक खाते खोले हैं, और भुगतान सुचारू रूप से संसाधित हो रहे हैं। उनकी शिक्षा प्रणाली और बुनियादी ढांचा शानदार है, एक न्यायप्रिय और सख्त व्यक्ति की बदौलत समूचा राष्ट्रे उन्न ति के पथ पर अग्रसर है।

कैश ग्रुप के अध्यकक्ष और ग्लोबल सीईओ जॉर्ज कैश : भारत अब बहुत अच्छा काम कर रहा है, और हम बाजार में प्रवेश करने के लिए उत्सुक हैं। हमने कई साल पहले कोशिश की थी और हम उतने सफल नहीं हुए थे, लेकिन इस बार हमें लगता है कि यह सही भागीदारों के साथ सही समय है।

एस4 कैपिटल के एक्जीहक्यूएटिव चेयरमैन मार्टिन सोरेल ने प्रधानमंत्री द्वारा ग्लोशबल लीडर के रूप में भारत की ब्रांडिंग किए जाने की सराहना की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ब्रांडिंग और देशों की ब्रांडिंग करने के मामले में माहिर हैं। भारत को स्थापित करने की दिशा में उन्होंने शानदार काम किया है।

(पीआईबी से सभार)

बोधि वृक्ष

जब मृत्यु अमरता के द्वारों को खोलेगी और मैं दुःख के कारागारों से मुक्त हो जाऊँगा। मेरे लिए क्रन्दन मत करना, आप पर, जो इस निर्जन किनारे पर अभी और शोक एवं विलाप करने के लिए पीछे रह गए हो, मुझे ही दया आती है।

मृत्यु को समझना

मृत्यु उपरान्त जीवन कितना गौरवपूर्ण है! आपको अब इस हड्डियों की पुरानी गठरी को इसकी सब परेशानियों के साथ, नहीं ढोना पड़ेगा। शारीरिक सीमितताओं से अबाधित, आप सूक्ष्म स्वर्ग में मुक्त होंगे। एक बार मैंनें मरते हुए उस युवक के बारे में लिखा जिसकी मानस झाँकी मैंने देखी, जिसमें ईश्वर ने मुझे मृत्यु के प्रति उचित दृष्टिकोण को दिखाया था। युवक बिस्तर पर पड़ा था और उसके चिकित्सकों ने उसे बताया था कि उसके जीवन का केवल एक ही दिन शेष है। उसने उत्तर दिया, मेरे प्रियतम प्रभु के पास पहुँचने में एक दिन है! जब मृत्यु अमरता के द्वारों को खोलेगी और मैं दुःख के कारागारों से मुक्त हो जाऊँगा। मेरे लिए क्रन्दन मत करना, आप पर, जो इस निर्जन किनारे पर अभी और शोक एवं विलाप करने के लिए पीछे रह गए हो, मुझे ही दया आती है। मेरे जाने में अपनी हानि के लिए रो रहे हैं; परन्तु मैं आपके लिए प्रसन्नता के आँसू रोता हूँ, क्योंकि आपकी भलाई के लिए मैं आपसे पहले जा रहा हूँ, ताकि सारे मार्ग पर ज्ञान के दीप जला कर रखूँ। और मैं वहाँ पर आपका स्वागत करने के लिए प्रतीक्षा करूँगा जहाँ पर मैं अपने और आपके एकमात्र प्रियतम प्रभु के साथ रहूँगा। हे प्रियजनों! मेरे हर्ष में आनन्द मनाओ! आप नहीं जानते आपके साथ इस संसार में क्या होने जा रहा है; आपको जीवित रहना और चिन्ता करते रहना होगा।

(क्रमशः)

श्री श्री परमहंस योगानंद

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. **RNI.** 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : **news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com**
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

पर्यटन विभाग श्रद्धालुओं से उचित व्यवहार के लिए दे रहा प्रशिक्षण

नवीन मेल संवाददाता

● इनमें 600 नाविक, 600 वेंडर, 1000 गाइड, 2000 टैक्सी व ई-रिक्शा ड्राइवर शामिल

प्रयागराज। महाकुंभ का काउंटडाउन शुरू हो गया है। सो उसकी तैयारियां भी उसी हिसाब से युद्ध स्तर पर हैं। श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए अनेक उपक्रम हो रहे हैं। पर्यटन विभाग द्वारा शहर का भ्रमण कराने वाले गाइड, टैक्सी चालकों, वेंडर्स व नाविकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ताकि, वे यहां वाले यात्रियों, श्रद्धालुओं का इलाहाबादी मेहमाननवाजी कर सकें, जिसमें धार्मिक व श्रद्धा का भाव भी हो। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं को शहर के अलग-अलग टूरिस्ट प्वाइंट के बारे में जानकारी दी जाती है। प्रशिक्षु गाइड्स को किसी टूरिस्ट प्वाइंट की क्या विशेषता है, यह बताने के लिए इसके बारे में कहानी कैसे कही जाए, इसका भी प्रशिक्षण दिया जाता है। सरकार उन्हें सिखा रही है कि हर टूरिस्ट स्पॉट के पौराणिक, ऐतिहासिक व धार्मिक विशेषताओं के बारे में कुछ और जानकारी कैसे जोड़ी जाए और उन्हें नए तरीके से कैसे पेश किया जाए। इसमें यह भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है कि यदि किसी पर्यटक की तबीयत बिगड़ जाती है, तो कैसे उसे प्राथमिक उपचार देना है। इसी तरह टैक्सी चलाने वालों को भी विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्हें डिजिटल पेमेंट के बारे में बताया-सिखाया जा रहा है। प्लास्टिक मुक्त कुंभ के संकल्प के बारे में टैक्सी चालकों व रिक्शा चालकों को बताया जा रहा है, जिससे वे अपने टैक्सी या रिक्शा में बैठने वाले पर्यटक को यह बता सकें कि यह कुंभ प्लास्टिक मुक्त कुंभ है। इसलिए पर्यटक कहीं पर भी प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करें। इन सबके साथ ही टैक्सी व रिक्शा ड्राइवर्स को ट्रैफिक नियमों के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। इसी तरह की ट्रेनिंग का कार्यक्रम नाविकों और मेला क्षेत्र के वेंडर्स के लिए भी चलाया जा रहा है। पर्यटन विभाग अलग-अलग श्रेणियों में कुल 4200 लोगों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा है, जिनमें 600 नाविक, 600 वेंडर, 1000 गाइड व 2000 टैक्सी तथा ई-रिक्शा ड्राइवर शामिल हैं।

महाकुंभ काउंटडाउन

शहर के अलग-अलग पर्यटन स्थलों का भी कायाकल्प करने का कार्यक्रम अपने अंतिम चरण में है। पर्यटन विभाग की ओर से कई मंदिरों में विकास के कार्य के साथ सौंदर्यीकरण का भी कार्य किया गया है। भारद्वाज आश्रम के कॉरिडोर का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो गया है। यहां पर भी सौंदर्यीकरण के कार्यों को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। आलोप शंकरी मंदिर, पांडेश्वर महादेव, मनकामेश्वर मंदिर, दशाश्वमेध मंदिर में भी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर किया गया है। उम्मीद है कुंभ मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिल सकेगी।

सनातन धर्म की अलख जगाने प्रयागराज महाकुंभ आ रही है पवित्र छड़ी यात्रा

महाकुंभनगर। प्रयागराज महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने आ रहे करोड़ों श्रद्धालु सनातन की अलख जगाने निकली पवित्र छड़ी का भी दर्शन कर सकेंगे। श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़े के सैकड़ों महात्मा इस पवित्र छड़ी को लेकर प्रयागराज पहुंच रहे हैं। हरिद्वार से यह पावन छड़ी यात्रा शुरू हो चुकी है। छड़ी यात्रा की अगुवाई प्रयागराज महाकुंभ में आवाहन अखाड़े के दादा जी धुनी वाले श्री महंत गोपाल गिरी कर रहे हैं। उनका कहना है कि अखाड़े के निर्देशानुसार छड़ी के चार श्री महंत चुने गए हैं जो उनके साथ चल रहे हैं। आवाहन अखाड़े के साधुओं का जत्था भी साथ है। यह पवित्र छड़ी यात्रा 1 जनवरी को प्रयागराज महाकुंभ पहुंचेगी, जहां विभिन्न स्थानों पर इस यात्रा का अखाड़ों के साधु संत और श्रद्धालु स्वागत करेंगे। इस छड़ी यात्रा की शुरुआत के इस साल 1220 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस यात्रा की अगुवाई कर रहे आवाहन अखाड़े के श्री महंत गोपाल गिरी का कहना है कि आदिगुरु शंकराचार्य जी के नेतृत्व में आज से 1220 वर्ष पूर्व अखाड़ा श्री शम्भू पंच दशनाम आवाहन नागा संन्यासी के 550 महात्माओं और श्री महंत द्वारा भारत के सनातन धर्म के मंदिरों का जीर्णोद्धार करने के लिए यह छड़ी यात्रा शुरू की गई थी। इस बार प्रयाग महाकुंभ में अखाड़ा श्री शंभू पंच दशनाम आवाहन नागा संन्यासी को 1478 वर्ष हो रहे हैं और 2025 में आवाहन अखाड़ा 123वां महाकुंभ स्नान करने जा रहा है।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शिरडी पहुंचकर किए साईं बाबा के दर्शन

एजेंसी। शिरडी

देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मंगलवार को शिरडी में साईं बाबा के दर्शन किए। कोविंद ने साईं मंदिर में पूजा अर्चना की और बाबा का आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं से बातचीत भी की। दर्शन के बाद पूर्व राष्ट्रपति ने मीडिया से बातचीत में कहा, "नया साल आ रहा है और मैं इसे अपने सौभाग्य के रूप में मानता हूं कि नव वर्ष के पहले दिन मुझे बाबा के दर्शन करने का अवसर मिला। मैंने बाबा से ना सिर्फ देशवासियों, बल्कि पूरी मानवता के लिए सुख, शांति, और समृद्धि की कामना की। वर्तमान में दुनिया और हमारा देश कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और मैंने बाबा से उन चुनौतियों का समाधान मांगा। उन्होंने आगे कहा, "उम्मीद है कि वर्ष 2025 सभी के लिए खुशहाल और समृद्ध होगा। इसके साथ ही, तीसरी बार एनडीए की सरकार बनने पर भी मैं आशीर्वाद चाहता हूं, ताकि यह सरकार देश के हित में और लोगों की भलाई के लिए काम कर सके।"

नए साल पर देश के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालु जुटते हैं। पूरा वर्ष सुखमय हो भगवान का आशीर्वाद बना रहे इसी सोच के साथ मंदिरों और पूजा स्थलों में जाते हैं। शिरडी में भी देश भर से भक्तगण जुटते हैं। उत्तर प्रदेश के काशी से भी कई श्रद्धालु पहुंचे। कुछ पूर्व राष्ट्रपति कोविंद से भी मिले। इस मुलाकात को उन्होंने अविश्वसनीय बताया।

बीपीएससी परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर धरना पर बैठे छात्र

एजेंसी। पटना

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द कर पुनर्परीक्षा की मांग को लेकर 14 दिनों से धरने पर बैठे अभ्यर्थियों की उम्मीदें अब जग गई है। छात्रों के प्रतिनिधिमंडल के राज्यपाल और मुख्य सचिव से मिलने के बाद उन्हें आशा जगी है कि कुछ पॉजिटिव परिणाम सामने आएगा।

दरअसल, रविवार को प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के बाद छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के नेतृत्व में मुख्य सचिव और राज्यपाल से मुलाकात की थी। उस प्रतिनिधि मंडल के सदस्य और सीतामढ़ी के रहने वाले सौरव सुमन ने कहा, "मुलाकात का पॉजिटिव आश्वासन मिला है। जब हमलोग राज्यपाल के पास गए थे तब कार्रवाई हुई है। हमने अपनी पूरी मांगों को लेकर एक पत्र लिखा। उसके बाद राज्यपाल ने आयोग के अधिकारियों को बुलाने की बात कहीं और उनसे बैठक की बात हुई। "वहीं मुख्य सचिव से मुलाकात के बाद वहां हमने अपनी सभी बातों को रखा है। शक के आधार पर कोई बात नहीं रखी गयी है। जो पुख्ता बातें थी, वह रखी गई । उन्होंने सभी बातों को सुनने के बाद आश्वस्त किया कि आप लोगों की बात 'फेयर' है। मुख्य सचिव ने आश्वासन देते हुए कहा कि बीपीएससी के चैयरमेन से बात की जाएगी। पुनर्परीक्षा के लिए कुछ पॉजिटिव कदम उठाएंगे। अब क्या होने वाला है पता नहीं, लेकिन आज शाम तक कुछ पॉजिटिव रिजल्ट की उम्मीद है। इधर, अभ्यर्थी रवीश आनंद कहते हैं कि सभी राजनीतिक नेता हमारे गार्जियन की तरह हैं।

आज का राशिफल

मेष : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा।

मिथुन : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कर्क : सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

सिंह : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंग।

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा।

तुला : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्टए अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी।

वृश्चिक : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें, क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

धनु : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

मकर : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी।

कुंभ : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी।

मीन : अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगे। सुख-आनंद कारक समय है।

समाहरणालय, लातेहार (भू–अर्जन शाखा)

समाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन की अधिसूचना

(देखें नियम 6 का उप–नियम(1))

संख्या– /भू0 अ0 दिनांक–

भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा–4 के प्रावधनों के तहत् सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन हेतु इस कार्यालय के पत्रांक–217 दिनांक– 07.06.2024 के द्वारा **राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक** के लिए M/s Social Action for Rural Development (SARDA) Chhotaki Murram Ramgarh Cantt. Ramgarh-829122 के द्वारा उक्त परियोजना हेतु S.I.A.(Social Impact Assessment) करने के लिए सहमति दी गई है। एतद् द्वारा **राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक** हेतु ग्राम–डडैया चादर–I में भूमि का रकबा–**215.44** एकड़ भूमि का सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन करने हेतु अधिसूचना निर्गत की जाती है।

1. परियोजना का नाम :– **राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक** मौजा– डडैया अंचल–चन्दवा जिला लातेहार
2. ग्राम का नाम :– डडैया चादर–I थाना नं0–247 राजस्व, थाना–चन्दवा पुलिस स्टेशन–चन्दवा, जिला लातेहार
3. भूमि की विवरणी :–

क्र0 सं0	ग्राम का नाम	खाता संख्या	प्लॉट संख्या	भूमि का वर्गीकरण	कुल खतियानी क्षेत्र (रकबा)	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	खतियानी रैयत का नाम	पूरा पता सहित वर्तमान रैयत का नाम	भू–अर्जन की जाने वाली भूमि का चौहदी
276	डडैया चादर–I	55	568	धान दो	0.48	0.48	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	उत्तर– निज दक्षिण– निज
277	डडैया चादर–I	55	569	धान दो	0.38	0.38	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	उत्तर– मारवाड़ी उरांव दक्षिण– बाबुलाल गंझु
278	डडैया चादर–I	55	646	टांड एक	0.03	0.03	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	उत्तर– फनेश्वर यादव दक्षिण– निज
279	डडैया चादर–I	55	649	पुरानी परती गैर काविल आवाद	0.45	0.45	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	उत्तर– दक्षिण–
280	डडैया चादर–I	55	658	टांड एक	0.34	0.34	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	उत्तर– निज दक्षिण– निज
281	डडैया चादर–I	55	659	टांड एक	0.26	0.26	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	उत्तर– निज दक्षिण– तपेश्वर
282	डडैया चादर–I	55	725 (P)	धान एक	0.13	0.13	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	उत्तर– मारवाड़ी उरांव दक्षिण– बाबुलाल गंझु
283	डडैया चादर–I	55	730 (P)	टांड एक	0.33	0.33	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	उत्तर– निज दक्षिण– हरिलाल यादव
284	डडैया चादर–I	55	731 (P)	टांड एक	0.30	0.26	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	उत्तर– निज दक्षिण– शितल उरांव
285	डडैया चादर–I	55	732 (P)	टांड दो	0.31	0.29	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	उत्तर– निज दक्षिण– निज
286	डडैया चादर–I	55	733	टांड दो	0.48	0.48	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	उत्तर– निज दक्षिण– निज
287	डडैया चादर–I	55	734	टांड एक	0.15	0.15	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	उत्तर– निज दक्षिण– निज
288	डडैया चादर–I	55	735 (P)	टांड एक	0.15	0.14	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	उत्तर– निज दक्षिण– जगधन यादव
289	डडैया चादर–I	55	748	टांड एक	0.63	0.63	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	उत्तर– लालजीत उरांव दक्षिण– लालजीत उरांव
290	डडैया चादर–I	55	915	मकान मय शहन	0.1	0.10	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	उत्तर– दक्षिण–
291	डडैया चादर–I	55	916	टांड एक	0.24	0.24	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	उत्तर– निज दक्षिण– निज
292	डडैया चादर–I	55	921 (P)	धान दो	0.24	0.12	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	उत्तर– तपेश्वर यादव दक्षिण– रामचरण उरांव
293	डडैया चादर–I	55	923 (P)	धान दो	0.29	0.21	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	मोहित यादव वो तपेशर यादव वो फुनेशर यादव, पिता–झमन यादव एक अंश समान, जाति–यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव एक अंश, जाति यादव, निवासी–निज ग्राम वो ग्राम सासन	उत्तर– रास्ता दक्षिण– बढ़न यादव
294	डडैया चादर–I	56	141	टांड दो	0.52	0.52	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– अली उराइन दक्षिण– बहादुर यादव
295	डडैया चादर–I	56	142	टांड दो	0.80	0.80	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– छकू धुनिया दक्षिण– निज
296	डडैया चादर–I	56	149	टांड दो	0.40	0.40	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान,जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान,जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– शितल उरांव दक्षिण– निज
297	डडैया चादर–I	56	150	टांड दो	1.03	1.03	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– आनंद गंझु दक्षिण– निज
298	डडैया चादर–I	56	401	टांड दो नई परती	1.20	1.20	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– पुरानी परती दक्षिण– फनेश्वर यादव
299	डडैया चादर–I	56	402	टांड दो नई परती	0.90	0.90	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– मोहित यादव दक्षिण– हरिलाल यादव
300	डडैया चादर–I	56	406	टांड दो	0.23	0.23	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– निज दक्षिण– निज
301	डडैया चादर–I	56	407	टांड दो	0.63	0.63	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– निज दक्षिण– निज
302	डडैया चादर–I	56	408	टांड दो नई परती	0.75	0.75	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– निज दक्षिण– निज
303	डडैया चादर–I	56	415	धान दो	0.84	0.84	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– मोहित यादव दक्षिण– निज
304	डडैया चादर–I	56	417	धान दो	0.34	0.34	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– बांध दक्षिण– फुनेश्वर यादव
305	डडैया चादर–I	56	418	धान दो	0.60	0.60	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	मोहित महतो वो तपेशर महतो वो फुनेशर महतो, पिता–झुमन महतो दो अंश समान, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व पारवती देवी, पति–चरकू यादव दो अंश, जाति अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व वारी देवी, पति–पाचु महतो एक अंश, जाति–अहीर, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– तपेश्वर यादव दक्षिण– निज

PR 343249 (Land Reforms) 24-25 (D)

ह0/–
उपायुक्त, लातेहार

खो खो विश्व कप 2025 का शेड्यूल जारी

पहले मैच में 13 जनवरी को भारत का सामना नेपाल से

नई दिल्ली (हि.स.)। खो खो विश्व कप 2025 का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। विश्व कप की शुरूआत 13 जनवरी 2025 को भारत और नेपाल के बीच इन्दिरा गाँधी इंडोर स्टेडियम में शाम 7 बजे से होगी। खो खो वर्ल्ड कप आयोजन समिति के चेयरमैन सुधांशु मित्तल ने बताया की महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले 19 जनवरी को शाम 7 बजे और पुरुष वर्ग के फाइनल मुकाबले 19 जनवरी को शाम 8.15 बजे इन्दिरा गाँधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किये जायेंगे। पुरुष और महिला टीमों को चार चार वर्गों में बांटा गया है। पुरुष वर्ग के ए ग्रुप में भारत, नेपाल, पेरू, ब्राजील और भूटान को रखा गया है। ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, घाना, अर्जेंटीना, नीदरलैंड और ईरान को रखा गया है। ग्रुप सी में बांग्लादेश, श्रीलंका, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और पोलैंड को ग्रुप सी में रखा गया है, जबकि इंग्लैंड, जर्मनी, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया और केन्या ग्रुप डी में है। महिला वर्ग में भारत, ईरान, मलेशिया और दक्षिण कोरिया ग्रुप ए में हैं। ग्रुप बी में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, केन्या, युगांडा और नीदरलैंड की टीमें हैं, जबकि ग्रुप सी में नेपाल, भूटान भूटान ,श्रीलंका, जर्मनी और बांग्लादेश हैं। दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, पोलैंड ,पेरू और इंडोनेशिया ग्रुप डी में है। टूनामेंट में कुल 90 मैच होंगे। दोनों वर्गों के क्वार्टर फाइनल मुकाबले 17 जनवरी को खेले जाएंगे। सेमीफाइनल मुकाबले 18 जनवरी को और फाइनल 19 जनवरी को होंगे।

वर्ष 2024 की चार सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर 'राचेल हेहो फ्लिंट ट्रॉफी' के लिए नामित

दुबई(हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को चार सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटरों को राचेल हेहो फ्लिंट ट्रॉफी के लिए नामांकित किया है। इन चार महिला क्रिकेटरों में तीन ऑलराउंडर और एक बल्लेबाज शामिल है। चार नामांकित खिलाड़ियों में एक दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ड्ट हैं, जिन्होंने एक वर्ष कैलेंडर में असाधारण प्रदर्शन किया है। उन्होंने सभी प्रारूपों की कप्तान के रूप में आगे बढ़कर नेतृत्व किया और लगातार बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया। वोल्वार्ड्ट ने एकदिवसीय में उन्होंने 87.12 की औसत से 697 रन बनाए, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 184 था। जबकि टेस्ट में उन्होंने 37.16 की औसत से 223 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 122 था। टी20 में उनका प्रदर्शन भी उतना ही प्रभावशाली रहा। 39.58 की औसत से 673 रन बनाए, जिसमें 102 का उच्चतम स्कोर भी शामिल है। वहीं, श्रीलंका की सभी प्रारूपों की कप्तान चमारी अथापथु के लिए बल्ले और गेंद दोनों से यह वर्ष असाधारण रहा। उन्होंने नौ वनडे मैचों में 65.42 की औसत से 458 रन बनाए, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 195 रहा और उन्होंने 9 विकेट भी लिए। टी 20 में उन्होंने 40 की औसत से 720 रन बनाए और 21 विकेट लिए।

हेली मैथ्यूज शीर्ष 10 में वापस, जेमिमा और ऋचा घोष की रैंकिंग में भी सुधार

दुबई (आईएएनएस)। वेस्टइंडीज की सलामी बल्लेबाज हेली मैथ्यूज ने शानदार अंदाज में 2024 का समापन किया, उन्होंने अपना सातवां वनडे शतक जड़ा और आईसीसी महिला बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में फिर से प्रवेश किया जबकि भारत की जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है।

भारत के खिलाफ दूसरे वनडे में मैथ्यूज की 109 गेंदों पर शानदार 106 रन की पारी ने न केवल उनकी टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया, बल्कि 652 की रेटिंग के साथ रैंकिंग में संयुक्त सातवें स्थान पर भी पहुंचा दिया। अब वह ऑस्ट्रेलिया की स्टार बाएं हाथ की बल्लेबाज बेथ मूनी के साथ संयुक्त सातवें स्थान पर हैं। मैथ्यूज ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन सीरीज में पहले अर्धशतक बनाने वाली ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली रैंकिंग में एक स्थान खिसककर तीसरे स्थान पर आ गईं (720 अंक), श्रीलंका की चामरी अथापथु (733 अंक) ने उन्हें पीछे छोड़ दिया, जो दूसरे स्थान पर पहुंच गईं। भारत की जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। रोड्रिग्स ने सीरीज में 29 और 52 रन बनाए और चार पायदान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गईं, जबकि घोष ने 13 और 23 रन की नाबाद पारी की बदौलत सात पायदान ऊपर चढ़कर 41वें स्थान पर पहुंच गईं।

ईयर एंडर : 2024 भारत ने खेलों में हासिल की बड़ी उपलब्धियां

साल 2024 ओलंपिक, पैरालंपिक, क्रिकेट समेत कई खेलों में साबित हुआ भारत के लिए ऐतिहासिक

नई दिल्ली,(आईएएनएस)। साल 2024 भारत की खेल यात्रा के लिए शानदार रहा। जहां देश ने ओलंपिक और पैरालंपिक दोनों वैश्विक इवेंट में बढ़िया प्रदर्शन किया। क्रिकेट, शतरंज के अलावा कई खेलों में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों की अथक मेहनत को सरकार का भी पूरा सहयोग मिला। खेलों को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए 470 करोड़ रुपये का फंड आवंटित किया था। पेरिस में खेल गांव में बढ़ती गर्मी की शिकायत के बीच मोदी सरकार ने खिलाड़ियों के प्रति अपना पूर्ण समर्थन प्रकट करते हुए ओलंपिक खेल गांव में 40 पोर्टेबल एयर कंडीशनर उपलब्ध कराए थे। यह सरकार के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर गहन फोकस का नतीजा था। 'खेलो इंडिया' और 'टॉप्स' जैसी सरकारी पहलों का समर्थन इन एथलीटों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिससे उन्हें बाधाओं को तोड़ने और वैश्विक मंच पर भारत के स्थान को फिर से परिभाषित करने में सक्षम बनाया जा रहा है। एक तरफ सरकार द्वारा खिलाड़ियों को पूरी तरह खेल पर फोकस करने के लिए बाकी तनाव से मुक्त कर ने की हरसंभव कोशिश की गई तो दूसरी ओर भारतीय खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन के साथ देश को निराश नहीं किया। भारत के लिए खासकर मनु भाकर ने ओलंपिक में इतिहास रच दिया। भारत की यह युवा निशानेबाज एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बन गई। स्वप्निल कुसाले ने शूटिंग में एक और मेडल जीतकर कमाल कर दिया। इसके साथ ही भारत ने ओलंपिक के एक ही संस्करण में एक खेल इवेंट में सर्वाधिक मेडल जीतने का रिकॉर्ड बना दिया।

किर्गिस्तान में एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भारत के पहलवानों ने चार रजत और पांच कांस्य पदक जीते। दुबई में आयोजित एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 में भारत ने सात स्वर्ण, 11 रजत और 11 कांस्य पदक जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया। भारत के गुलवीर सिंह ने जापान में हचियोजी लॉन्ग डिस्टेंस 2024 एथलेटिक्स मीट में पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। भारत के मान सिंह ने चीन के हांगकांग में एशियाई मैराथन चैंपियनशिप 2024 में 2 घंटे 14 मिनट 19 सेकंड (2:14:19) के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ स्वर्ण पदक जीता।

क्रिकेट की बात की जाए तो विराट कोहली को आईसीसी वनडे प्लेयर ऑफ 2023 और सूर्यकुमार यादव को आईसीसी पुरुष टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट ऑफ द 2023 चुना गया था। भारत ने रोहित शर्मा की अगुवाई में वेस्टइंडीज और यूएसए में आयोजित टी20 विश्व कप भी जीता। इनके अलावा, भारत में महिला क्रिकेट को एक महत्वपूर्ण बढ़ावा देते हुए, कैप्री स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाली महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) टीम यूपी वारियर्स को यूएन वुमन द्वारा 'जनरेशन इक्वलिटी एली' के रूप में मान्यता दी गई है।

नीरज चोपड़ा ने टोक्यो में गोल्ड मेडल जीतने के बाद पेरिस ओलंपिक के भाला फेंक इवेंट में भी सिल्वर मेडल हासिल किया। इसके साथ ही नीरज चोपड़ा ओलंपिक इतिहास में भारत के सबसे सफल खिलाड़ी बन गए।

ओलंपिक के बाद हुए पैरालंपिक खेलों ने तो कमाल कर दिया। इसमें भारत ने एक पैरालंपिक खेलों में सबसे ज्यादा पदक जीतने का रिकॉर्ड बना दिया। भारत के पैरालंपिक खिलाड़ियों ने 7 गोल्ड मेडल के साथ कुल 29 पदक जीते। **अवनि लेखरा** ने महिला 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 में गोल्ड मेडल जीता, जबकि **नितेश कुमार** ने बैडमिंटन में कमाल किया, उन्होंने पुरुष सिंगल एसएल3 प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता। ऐसे ही **सुमित अंतिल और धर्मबीर** ने क्रमशः एफ64 और एफ51 पुरुष भाला फेंक इवेंट में गोल्ड जीते।

ओलंपिक और पैरालंपिक के अलावा भारत का प्रदर्शन अन्य खेलों में भी खास रहा। जैसे शतरंज में भारत के **गुकेश डी** हाल में ही सबसे युवा विश्व चेस चैंपियन बन गए। ऐसे ही वैशाली रमेश बाबू भारत की तीसरी महिला ग्रैंडमास्टर बनीं। भारत चेस टीम ने हंगरी में हुए 45वें चेस ओलंपियाड में महिला और ओपन सेक्शन में गोल्ड मेडल हासिल किया।

भारत की दिव्यकीर्ति सिंह अर्जुन अवॉर्ड जीतने वाली देश की पहली महिला घुड़सवार बनी।

कुश्ती में मेडल जीतने की परंपरा भी जारी रही और अमन सहरावत कांस्य पदक जीतने वाले देश के सबसे युवा ओलंपिक पदक विजेता रेसलर बने।

व्यापार/लाइफ व साइंस

महू छावनी में आर्मी वॉर कॉलेज में बोले राजनाथ सिंह

रक्षा निर्यात 10 वर्षों में रिकॉर्ड 21,000 करोड़ रुपये के पार

वर्ष 2029 तक 50,000 करोड़ का है लक्ष्य

मध्य प्रदेश (आईएएनएस)। भारत का रक्षा निर्यात एक दशक पहले के 2,000 करोड़ रुपये से बढ़कर रिकॉर्ड 21,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने मध्य प्रदेश के दौरे के दौरान महू छावनी में आर्मी वॉर कॉलेज (एडब्ल्यूसी) में अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ने वर्ष 2029 तक 50,000 करोड़ रुपए का रक्षा निर्यात हासिल करने का लक्ष्य रखा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, हमारा रक्षा निर्यात, जो एक दशक पहले लगभग 2,000 करोड़ रुपये था, अब 21,000 करोड़ रुपये के प्रभावशाली स्तर को पार कर गया है। इसी के साथ हमने 2029 तक 50,000 करोड़ रुपये का निर्यात लक्ष्य रखा है।

उन्होंने जानकारी दी कि भारत में बनाए गए उपकरणों (मेड इन इंडिया इक्विप्मेंट) को दूसरे देशों में भेजा जा रहा है। सिंह ने कहा कि लगातार आगे बढ़ते और विकसित होते समय में एडवांस टेक्नोलॉजी में निपुणता हासिल करना समय की मांग है। उन्होंने आगे कहा कि सैनिकों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में मिलिट्री ट्रेनिंग सेंटर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने भाषण में कहा, इंफॉर्मेशन वॉरफेयर, एआई बेस्ड वॉरफेयर, प्रॉक्सी वॉरफेयर, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वॉरफेयर, स्पेस वॉरफेयर और साइबर अटैक बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं।

उन्होंने इस तरह के हमलों से लड़ने के लिए सेना को अच्छी तरह से प्रशिक्षित और सुसज्जित होने की जरूरत पर जोर दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इंफैंट्री स्कूल में वेपन ट्रेनिंग, मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (एमसीटीई) में एआई और कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, एडब्ल्यूसी में जूनियर और सीनियर कमांड जैसे क्षेत्रों में ट्रेनिंग के जरिए इंटीग्रेशन बढ़ाने की संभावनाओं का पता लगाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, कुछ अफसर भविष्य में दूसरे देशों में दूतावास या उच्चायोग में नियुक्त होंगे, जिनकी जिम्मेदारी अहम होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन अधिकारियों को वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने का प्रयास करना चाहिए।

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि सरकार भारत को दुनिया की सबसे मजबूत आर्थिक और सैन्य शक्तियों में से एक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, आर्थिक समृद्धि तभी संभव है, जब सुरक्षा पर पूरा ध्यान दिया जाए। इसी तरह, सुरक्षा व्यवस्था तभी मजबूत होगी जब अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। रक्षा मंत्री सिंह ने सीमाओं की सुरक्षा और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सबसे पहले प्रतिक्रिया देने में सशस्त्र बलों की भूमिका की सराहना की।

केंद्र 15,000 करोड़ से तैयार कर रहा 'ग्रीन स्टील मिशन'

नई दिल्ली (आईएएनएस)। केंद्र सरकार स्टील उद्योग को कार्बन उत्सर्जन कम करने और नेट जीरो लक्ष्य की ओर बढ़ने में मदद करने के लिए 15,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 'ग्रीन स्टील मिशन' तैयार कर रही है। यह जानकारी स्टील मंत्रालय द्वारा जारी वर्ष के अंत की समीक्षा में दी गई।

इस मिशन में ग्रीन स्टील के लिए पीएलआई योजना, रिन्यूएबल एनर्जी के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहन और उद्योग की पर्यावरण से जुड़ी सस्टेनेबिलिटी को बढ़ाने के लिए सरकारी एजेंसियों को ग्रीन स्टील खरीदने के लिए अनिवार्यताएं शामिल हैं।

इस साल सितंबर में स्टील क्षेत्र के डीकार्बोनाईजेशन के विभिन्न प्रमुख लीवरों पर स्टील मंत्रालय द्वारा गठित 14 टास्क फोर्स की सिफारिशों के आधार पर 'भारत में स्टील क्षेत्र को हरित बनाना' विषय पर एक रिपोर्ट जारी की गई थी। इसके बाद इस महीने की शुरूआत में भारत के लिए ग्रीन स्टील की टैक्सोनॉमी जारी की गई, जिसमें ग्रीन स्टील के लिए स्टार रेटिंग को परिभाषित किया गया है। समीक्षा में कहा गया है कि स्टील स्क्रैप रीसाइक्लिंग नीति घरेलू स्तर पर उत्पादित स्क्रैप की उपलब्धता बढ़ाकर इन प्रयासों को और आगे बढ़ाती है। मंत्रालय ने 12 दिसंबर को ग्रीन स्टील के लिए टैक्सोनॉमी जारी की, ताकि कम उत्सर्जन वाले स्टील को परिभाषित करने और वर्गीकृत करने के लिए मानक प्रदान किए जा सकें। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन और उपयोग के लिए राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन शुरू किया है। स्टील क्षेत्र भी मिशन में एक हितधारक है और इसे वित्त वर्ष 2029-30 तक मिशन के तहत

लौह और इस्पात क्षेत्र में पायलट परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए 455 करोड़ रुपए का बजटीय समर्थन आवंटित किया गया है। इस मिशन के तहत, इस्पात मंत्रालय ने इस साल सितंबर में वर्टिकल शाफ्ट में 100 प्रतिशत हाइड्रोजन का उपयोग करके डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन (डीआरआई) का उत्पादन करने के लिए दो पायलट प्रोजेक्ट और कोयले/कोक की खपत को कम करने के लिए मौजूदा ब्लास्ट फर्नेस में हाइड्रोजन का उपयोग करने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है। सरकार ने 'स्पेशिएलिटी स्टील' के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और आयात को कम करने के लिए अधिक निवेश आकर्षित करने की एक प्रमुख पहल के रूप में उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना भी शुरू की है। भाग लेने वाली कंपनियों ने 27,106 करोड़ रुपये के निवेश, 14,760 के प्रत्यक्ष रोजगार और योजना में 7.90 मिलियन टन 'स्पेशिएलिटी स्टील' के अनुमानित उत्पादन के लिए प्रतिबद्धता जताई है। अक्टूबर 2024 तक, कंपनियों ने पहले ही 17,581 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

भारत ने केले के निर्यात का लक्ष्य मूल्य एक बिलियन डॉलर रखा

नई दिल्ली (आईएएनएस)। केंद्र के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के अनुसार, भारत ने पिछले एक दशक में केले के निर्यात में दस गुना वृद्धि दर्ज की है। इसी के साथ अब समुद्री मार्ग से नीदरलैंड को सफल ट्रायल शिपमेंट के बाद अगले पांच वर्षों में एक बिलियन डॉलर के केले के निर्यात का लक्ष्य रखा गया है। समुद्री मार्ग खुलने के साथ, भारतीय केले के निर्यात के लिए रूस एक प्रमुख बाजार के रूप में उभर सकता है। भारत वर्तमान में हवाई मार्ग पर निर्भर है, जो परिवहन का एक उच्च लागत वाला तरीका है और निर्यात किए जा सकने वाले फलों की मात्रा को सीमित करता है। भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 में 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के केले का निर्यात किया, जो 2022-23 की तुलना में शानदार रहा। 2022-23 में हमने 176 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, वैश्विक केले के निर्यात में देश की हिस्सेदारी बढ़ी है। वर्ष 2013 में जो 0.21 प्रतिशत थी वह बढ़कर 2023 में 1.74 प्रतिशत पहुंच गई।

भारतीय शेयर बाजार 2024 के आखिरी कारोबारी दिन सपाट बंद

मुंबई(आईएएनएस)। घरेलू बेंचमार्क सूचकांक मंगलवार को उच्च अनिश्चितता और मूल्यांकन के बीच नए साल में सावधानी से प्रवेश करने के साथ सपाट बंद हुए। 2024 का अंतिम दिन मामूली नुकसान के साथ समाप्त हुआ, हालांकि दिन के निचले स्तर से रिकवरी हुई। नुकसान मुख्य रूप से आईटी और रियलिटी शेयरों में हुआ, जबकि अन्य क्षेत्रों में बढ़त देखी गई। 109.12 अंक या 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 78,139.01 पर बंद हुआ और निफ्टी 13.25 अंक या 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,658 पर बंद हुआ। निफ्टी बैंक 65.75 अंक या 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 50,887 पर बंद हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 36.30 अंक या 0.06 प्रतिशत की गिरावट के बाद 57,153.45 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 123.35 अंक या 0.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,763.30 पर बंद हुआ। कि तीसरी तिमाही के नतीजे और आम बजट को ध्यान में रखते हुए बाजार बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर, 2,321 शेयर हरे और 1,648 शेयर लाल निशान में बंद हुए, जबकि 110 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

बूथ केंद्रित सदस्यता अभियान को तेज करेगी भाजपा : राकेश

सभी जगह सदस्यता अभियान चलाने की बनी योजना

नवीन मेल संवाददाता

रांची। प्रदेश भाजपा कार्यालय में मंगलवार को संगठन पर्व सदस्यता अभियान 2024-30 के लिए प्रांतीय और जिला टोली की बैठक प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में विषय प्रवेश प्रदेश संयोजक राकेश प्रसाद, संचालन सह संयोजक रोशनी खलखो ने और धन्यवाद ज्ञापन पूर्व सांसद घूरन राम ने किया। इस अवसर पर कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह का भी कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन मिला। बैठक के उपरांत मीडिया ब्रीफिंग करते हुए संगठन महापर्व सदस्यता अभियान के संयोजक राकेश प्रसाद ने कहा कि पिछले 22 दिसंबर से प्रारंभ भाजपा का सदस्यता अभियान तेज गति से चल रहा है। प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर टॉप फाइव में लाने केलिए कार्यकर्ता लगातार ऑनलाइन सदस्यता कर रहे हैं। श्री प्रसाद ने कहा कि भाजपा का गांव, शहर सभी जगह बड़ा जनाधार है। राज्य के सभी 29 हजार से अधिक बूथों पर पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता व बूथ समिति है। उन्होंने कहा कि भाजपा फिर से बूथ केंद्रित सदस्यता अभियान चला रही है। सभी बूथों पर अधिक से अधिक सक्रिय सदस्य बनाने की योजना है। कहा कि भाजपा का केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व सबका साथ, सबका विकास के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए सर्व स्पर्शी, सर्व व्यापी और सर्व समावेशी भाजपा के निर्माण के लिए कटिबद्ध है। कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में हाट, बाजार, चौक, चौराहे, सार्वजनिक स्थलों पर विशेष कैंप लगाकर सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। कैंपों में आम जनता की भागीदारी और उत्साह बढ़ चढ़कर देखी जा रही है। कहा कि पार्टी के सभी प्रदेश से लेकर बूथ स्तर के पदाधिकारियों को विशेष जिम्मेवारी देकर सदस्यता अभियान को तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। कहा कि जहां मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं है उस स्थान पर मैनुअल रसीद के माध्यम से सदस्यता केलिए निर्देश दिए गए हैं। कहा कि प्रदेश भाजपा संगठन पर्व में अपने समर्थकों के माध्यम से एक मजबूत भाजपा बनाने में सफल होगी। कहा कि 15जनवरी के बाद प्रदेश में सक्रिय सदस्यता अभियान की शुरूआत होगी। बैठक में प्रदेश संगठन चुनाव प्रभारी एवं प्रदेश महामंत्री सह सांसद प्रदीप वर्मा प्रदेश पदाधिकारी बालमुकुंद सहाय, विकास प्रीतम, गणेश मिश्र, मुन्ना मिश्र, सुनीता सिंह सहित जिला की सदस्यता अभियान टोली के संयोजक, सह संयोजक उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

शिल्पी नेहा तिर्की ने डीजीपी को लिखा पत्र, किसानों के प्रति जाहिर की चिंता

रांची। कृषि, पशुपालन सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने डीजीपी अनुराग गुप्ता को पत्र लिखा है और किसानों के प्रति चिंता जाहिर की है। उन्होंने पत्र लिखकर कहा है कि राज्य के किसानों द्वारा खेतिहर पशुओं के अलावा दुधारू एवं अन्य पालतू जानवरों की खरीद ब्रिकी के लिए निरंतर निकटतम बाजार जाना पड़ता है। बाजार ले जाने के दौरान इन्हें पुलिस और प्रशासनिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है तथा पुलिस द्वारा अवैध वसूली भी की जाती है जिससे किसानों को गाय, बैल, बकरी एवं अन्य पशुओं को बाजार ले जाने में काफी कठिनाई होती है। किसानों में भय का वातावरण व्याप्त रहता है।

पंडरा लूट कांड मामला

व्यापार संगठन के सदस्यों ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार संगठन के सदस्यों ने पंडरा के घटनास्थल का किया निरीक्षण किया। वहीं मुख्यमंत्री, वरीय पुलिस अधीक्षक और पंडरा ओपी के थाना प्रभारी को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की। फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार संगठन के सदस्य सुमित गुप्ता को गोली मारे जाने के मामले में सिटी एसपी से मिलकर मामले में त्वरित कार्रवाई और घटना में संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की। वहीं फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार संगठन के सदस्यों ने व्यवसायी नीरज गुप्ता से मुलाकात कर मामले का जायजा लिया। इसी दौरान व्यापार संगठन के सदस्य घायल सुमित गुप्ता के भाई विनीत गुप्ता से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना। घटना पर फेडरेशन के सदस्यों ने मुख्यमंत्री, एसएसपी और पंडरा ओपी थाना प्रभारी को ज्ञापन दे कर कठोर कार्रवाई करने की मांग की। ऐसे घटना से व्यवसायियों में काफी रोष है। मौके पर सिटी एसपी राजकुमार मेहता से मुलाकात कर मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में संलिप्त दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष दीपेश निराला, उपाध्यक्ष उमाशंकर सिंह, रेणुका तिवारी, विनोद जैन बेगवानी, हरीश नागपाल, राकेश गुप्ता, सत्येंद्र प्रसाद सिंह, अरुण कुटियार, शाहिद आलम सहित अन्य सदस्य सम्मिलित थे।

पेज एक के शेष

छात्रवृत्ति और साइकिल वितरण का...

पदाधिकारियों का जनवरी माह 2025 का वेतन रोकें। मंत्री ने चमरा लिंडा सभी जिलों को निर्देश दिया कि आगामी 04 जनवरी तक प्री मैट्रिक से संबंधित सभी लंबित छात्रवृत्ति भुगतान के मामलों का निपटारा प्राथमिकता के साथ करें। कल्याण विभाग के पदाधिकारी जनहित और जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। कल्याण विभाग के अंतर्गत काम करने वाले सभी यह समझें कि वे सामाजिक कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी समस्या नहीं, बल्कि समाधान का रास्ता निकालें। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आने वाले माह फरवरी 2025 तक पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति राशि वितरण के सभी मामलों को पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति राशि वितरण कल्याण विभाग का एक महत्वपूर्ण कार्य है। अध्यनरत विद्यार्थियों को ससमय छात्रवृत्ति राशि मिलने से उन्हें शैक्षणिक पाठ्यक्रमों तथा परीक्षा की तैयारी में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विशेष तौर पर एसटी व एससी छात्र-छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर प्रदान करने का कार्य कर रही है, इसलिए यह जरूरी है कि छात्रवृत्ति की राशि निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत एसटी, एससी सहित सभी वर्गों के छात्र-छात्राओं को प्रदान की जाए। इस अवसर पर विभाग के सचिव कृपानंद झा और आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

जनवरी 2025 के अंत तक साइकिल वितरण का कार्य पूरा कर लें : कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने निर्देश दिया कि जनवरी 2025 के अंत तक साइकिल वितरण का कार्य पूर्ण करें। साईकिल योजना का उद्देश्य वर्ग-08 (कक्षा आठ) से ड्रॉप आउट रोकना है। इसलिए साइकिल का वितरण समय पर हो। नामांकन के साथ ही वर्ग-08 के बच्चों को साइकिल मिले, इसके लिए सभी आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आने वाले दिनों में भी सत्र प्रारंभ होने के साथ ही विद्यार्थियों को साइकिल उपलब्ध कराने का कार्य योजना तैयार रखें। किसी भी हाल में साइकिल वितरण कार्य में विलंब न हो, यह विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए।

सुनील भास्कर बनाए गए पलामू के...

गया है। वहीं, संजीव कुमार को हजारीबाग रेंज का डीआईजी बनाया गया है। अंबर लकड़ा को दुमका डीआईजी के पद पर पदस्थापित किया गया है। रांची डीआईजी के पद पर पदस्थापित अनूप बिरथरे को आईजी रैंक में प्रमोशन देते हुए एसटीएफ आईजी के पद पर पदस्थापित किया गया। हजारीबाग डीआईजी के पद पर पदस्थापित सुनील भास्कर को आईजी रैंक में प्रमोशन देते हुए पलामू आईजी के पद पर पदस्थापित किया गया है। जैप डीआईजी के पद पर पदस्थापित पटेल मयूर कन्हैयालाल को आईजी रैंक में प्रमोशन देते हुए आईजी मानवाधिकार के पद पर पदस्थापित किया गया है। रांची के एसएसपी चंदन सिन्हा को डीआईजी रैंक में प्रोन्नति देते हुए रांची एसएसपी के पद को डीआईजी रैंक में उत्क्रमित कर उन्हें पदस्थापित किया गया है। इसी प्रकार, देवघर एसपी अजीत पीटर डुंगडुंग को डीआईजी रैंक में प्रोन्नति देते हुए देवघर एसपी के पद को डीआईजी रैंक में उत्क्रमित कर इस पद पर उन्हें पदस्थापित किया गया है। वहीं, चंदन झा को एसआईबी डीआईजी, प्रियदर्शी आलोक को रेल डीआईजी, अनुरंजन किस्पोट्टा को स्पेशल ब्रांच का डीआईजी और अंबर लकड़ा को डीआईजी में प्रोन्नति देते हुए दुमका का डीआईजी बनाया गया है।

समाहरणालय, लातेहार, (भू-अर्जन शाखा)

समाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन की अधिसूचना

(देखें नियम 6 का उप–नियम(1))

संख्या– /भू0 अ0 दिनांक–

भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा–4 के प्रावधनों के तहत् सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन हेतु इस कार्यालय के पत्रांक–217 दिनांक–07.06.2024 के द्वारा **राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक** के लिए M/s Social Action for Rural Development (SARDA) Chhotaki Murram Ramgarh Cantt. Ramgarh-829122 के द्वारा उक्त परियोजना हेतु S.I.A.(Social Impact Assessment) करने के लिए सहमति दी गई है। एतद् द्वारा **राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक** हेतु ग्राम–डडैया चादर–I में भूमि का रकबा–**215.44** एकड़ भूमि का सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन करने हेतु अधिसूचना निर्गत की जाती है।

1. परियोजना का नाम :– **राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक** मौजा– डडैया अंचल–चन्दवा जिला लातेहार
2. ग्राम का नाम :– डडैया चादर–I थाना नं0–247 राजस्व, थाना–चन्दवा पुलिस स्टेशन–चन्दवा, जिला लातेहार
3. भूमि की विवरणी :–

क्र0 सं0	ग्राम का नाम	खाता संख्या	प्लॉट संख्या	भूमि का वर्गीकरण	कुल खतियानी क्षेत्र (रकबा)	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	खतियानी रैयत का नाम	पूरा पता सहित वर्तमान रैयत का नाम	भू–अर्जन की जाने वाली भूमि का चौहदी
407	डडैया चादर–I	72	877 (P)	धान एक	0.26	0.25	रूपन उराँव वो एतवा उराँव, पिता– वुधना उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला परसा टोला व बन्धन उराँव वो महगु उराँव, पिता– चरवा उराँव एक अंश समान, जाति– उराँव, निवासी निज ग्राम टोला परसा टोला	रूपन उराँव वो एतवा उराँव, पिता– वुधना उराँव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला परसा टोला व बन्धन उराँव वो महगु उराँव, पिता– चरवा उराँव एक अंश समान, जाति– उराँव, निवासी निज ग्राम टोला परसा टोला	उत्तर– बालगोविंद उरांव दक्षिण– महाविर उरांव
408	डडैया चादर–I	73	439	मकान मय शहन	0.02	0.02	सकतू भुइयाँ, पिता–वदला भुइयाँ, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पखल कुड़वा पत्रालय होलन	सकतू भुइयाँ, पिता–वदला भुइयाँ, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पखल कुड़वा पत्रालय होलन	उत्तर– दक्षिण–
409	डडैया चादर–I	76	346	टांड दो नई परती	0.18	0.18	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– धोन्जो उराइन दक्षिण– हुसैनी उराइन
410	डडैया चादर–I	76	347	टांड दो नई परती	0.08	0.08	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– जगधन गंझू दक्षिण– दुखन गंझू
411	डडैया चादर–I	76	348	टांड दो नई परती	0.43	0.43	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– जगधन यादव दक्षिण– बहादुर यादव
412	डडैया चादर–I	76	349	टांड दो नई परती	0.10	0.10	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– निज दक्षिण– निज
413	डडैया चादर–I	76	350	टांड दो नई परती	0.19	0.19	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– निज दक्षिण– निज
414	डडैया चादर–I	76	351	टांड दो	0.24	0.24	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– धोन्जो उराइन दक्षिण– हुसैनी उराइन
415	डडैया चादर–I	76	791	धान दो	0.47	0.47	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– रास्ता दक्षिण– हरिलाल महतो
416	डडैया चादर–I	76	792	धान दो	0.58	0.58	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– निज दक्षिण– निज
417	डडैया चादर–I	76	793	धान दो	0.17	0.17	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– निज दक्षिण– निज
418	डडैया चादर–I	76	794	टांड एक	0.24	0.24	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– निज दक्षिण– निज
419	डडैया चादर–I	76	795	टांड एक	0.90	0.90	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– निज दक्षिण– निज
420	डडैया चादर–I	76	796	धान एक	0.07	0.07	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– निज दक्षिण– निज
421	डडैया चादर–I	76	797	धान एक	0.13	0.13	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– निज दक्षिण– निज
422	डडैया चादर–I	76	798	धान एक	0.15	0.15	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	लक्ष्मण गंझू, पिता–हरखू गंझू एक अंश, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व अकलू गन्झू वो भुटर गंझू, पिता–सोहराई गंझू एक अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व किनू गंझू भोसन गंझू, पिता–मंगरा गंझू दो अंश समान, जाति– खेरवार, निवासी, निज ग्राम पत्रालय होलन व कमल गंझू, पिता–सुकर गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी– निज ग्राम पत्रालय, होलन व दुखन गंझू, पिता–जोगी गंझू दो अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन व कैली, पिता–सुकर गंझू एक अंश, जाति–खेरवार, निवासी–निज ग्राम पत्रालय होलन	उत्तर– निज दक्षिण– निज

PR 343253 Land Reforms(24-25).D

ह0/– उपायुक्त, लातेहार

सभ्यता के संदर्भ में वर्ष 2024 कैसे जागृति का वर्ष साबित हुआ?

मोदी सरकार के दस वर्षों में, भारत ने एक उल्लेखनीय सांस्कृतिक पुनरुत्थान का दौर देखा है, जिसने अपनी समृद्ध विरासत पर गर्व की भावना को फिर से जागृत किया है। जम्मू-कश्मीर में प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार से लेकर भव्य काशी विश्वनाथ धाम जैसे आध्यात्मिक केंद्रों को पुनर्जीवित करने और देश भर में मंदिरों के पुनर्निर्माण तक, इन प्रयासों ने हमें अपनी जड़ों से फिर से जोड़ा है। आधुनिक वक्त में मीरा बाई जैसे बिसराए हुए संतों और भगवान बिरसा मुंडा जैसे आदिवासी नायकों को सम्मानित किया गया है, जबकि महाकुंभ जैसी परंपराओं को विश्व स्तर पर बढ़ावा दिया गया है, जो ज़ाहिर तौर पर भारत की आध्यात्मिक भव्यता को दर्शाता है। अयोध्या में दिवाली जैसे रिकॉर्ड तोड़ने वाले भव्य उत्सव और संसद में पवित्र सेनगोल की स्थापना, सभ्यतागत मूल्यों के प्रति हमारे गहरे सम्मान को दर्शाती है। इस वर्ष भी यह सुनिश्चित करने के प्रयासों की एक दशक लंबी यात्रा जारी रही है कि भारत की विरासत भावी पीढ़ियों को इसकी शाश्वत भावना को संजोने और बनाए रखने के लिए प्रेरित करे।

इस वर्ष की शुरुआत अयोध्या में श्री राम लला के ऐतिहासिक अभिषेक के साथ हुई, जिससे लाखों लोगों का सदियों पुराना सपना पूरा हुआ और इतना ही नहीं, अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर का भी उद्घाटन हुआ, जो सीमाओं के परे, भारत की आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। इसमें मोइदाम को मिली यूनेस्को मान्यता और 297 चोरी हुए पुरावशेषों की वापसी भी इस साल को यादगार बनाती है।

बुनियादी ढांचा और आर्थिक विकास सांस्कृतिक परियोजनाओं से जुड़ा

वर्ष 2024 में पीएम मोदी के नेतृत्व में, भारत ने एक परिवर्तनकारी पहल शुरू की, जो सांस्कृतिक परियोजनाओं को बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास से जोड़ती है। बिहार में विष्णुपद मंदिर और बोधगया में महाबोधि मंदिर के लिए गलियारे के विकास की घोषणा से आध्यात्मिक पर्यटन में बढ़ोत्तरी होगी और इन क्षेत्रों को बेहद ज़रूरी आर्थिक बढ़ावा मिलेगा। भारत के दो सबसे पवित्र स्थलों तक पहुंच में सुधार करके, ये परियोजनाएं भारत की आध्यात्मिक विरासत और आधुनिक बुनियादी ढांचे के बीच की दूरी को खत्म करेंगी। गुजरात के लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर की आधारशिला भी रखी गई, जो भारत के प्राचीन समुद्री इतिहास को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लोथल को दुनिया के सबसे पुराने डॉकयार्ड और सिंधु घाटी सभ्यता के एक ऐसे ऐतिहासिक स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा जो 4,500 वर्षों से अधिक के हमारे समृद्ध समुद्री इतिहास को प्रदर्शित करेगा। इस परियोजना के कार्यान्वयन से करीब 22,000 नौकरियाँ पैदा होने की उम्मीद है, जिनमें 15,000 प्रत्यक्ष और 7,000 अप्रत्यक्ष रूप से होंगी। साथ ही इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और समुदायों के लिए सतत् विकास को बढ़ावा मिलेगा।

श्री राम लौटे अपनी जन्मस्थली

2024 में पीएम मोदी के नेतृत्व ने भारत की सभ्यतागत विरासत और सांस्कृतिक गौरव का बेहतरीन कायाकल्प किया। अयोध्या स्थित राम मंदिर में श्री राम लला का अभिषेक एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पल था, जिसने दुनिया भर के हिंदुओं की सदियों पुरानी आकांक्षाओं को पूरा किया। इस एतिहासिक घटना ने भारत की सभ्यतागत कथा में अयोध्या के स्थायी महत्व को रेखांकित किया। पीएम मोदी द्वारा अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर बीएपीएस मंदिर का उद्घाटन, भारत की सांस्कृतिक कूटनीति में एक ऐतिहासिक क्षण था। यह मंदिर मध्य पूर्व में पहला पारंपरिक हिंदू मंदिर है और इसे प्राचीन हिंदू वास्तुशिल्प सिद्धांतों के अनुसार डिजाइन किया गया है, जिन्हें शिल्पा शास्त्र के नाम से जाना जाता है। इसके ज़रिए न केवल भारतीय प्रवासियों के योगदान का जश्न मनाया गया, बल्कि यह वैश्विक अंतरधार्मिक सद्भाव का भी प्रतीक बना। घरेलू स्तर की बात करें तो, असम में प्रतिष्ठित मां कामाख्या मंदिर की पवित्र विरासत को संरक्षित करते हुए उस तक पहुंच बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी गलियारा परियोजना, मां कामाख्या दिव्य परियोजना की आधारशिला रखी गई। ये पहल भारत की विरासत को पुनर्जीवित करने और इसके गौरवशाली अतीत पर गर्व पैदा करने की पीएम मोदी की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

भाषाई और आध्यात्मिक विरासत का जश्न

2024 में भारत ने असमिया, बंगाली, मराठी, पाली और प्राकृत को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देकर अपनी भाषाई विविधता का जश्न भी मनाया। यह मान्यता न केवल देश की समृद्ध भाषाई विरासत का सम्मान करती है, बल्कि पीढ़ियों तक सांस्कृतिक संरक्षण को भी मजबूत करती है। इसके अतिरिक्त, 13 जून 2024 को पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर के सभी चार द्वारों को फिर से खोलने से, भक्तों की लंबे समय से चली आ रही मांग भी पूरी हुई और इस प्रतिष्ठित आध्यात्मिक स्थल तक पहुंच फिर से बहाल हो गई। 13 सितंबर 2024 को पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर 'श्री विजयपुरम' करने के प्रयास ने अपने इतिहास, खास कर स्वतंत्रता संग्राम में इस क्षेत्र के महत्व का सम्मान करने के लिए भारत के समर्पण पर जोर दिया। भारत 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ मेला 2025 के लिए भी तैयारी कर रहा है। यह आयोजन दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक समारोहों में से एक होने का अनुमान है, जिसमें एक अनुमान के मुताबिक 45 करोड़ (450 मिलियन) भक्त और आगंतुक शामिल होंगे।

सांस्कृतिक विरासत का पुनर्जीवन

वर्ष 2024 में पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने अपनी सभ्यतागत विरासत को संरक्षित करने और उसे मनाने में सराहनीय प्रगति की। मोदी सरकार के प्रयासों से असम में मोइदाम को भारत के 43वें यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता मिली, जो भारत की सांस्कृतिक विरासत के वैश्विक महत्व को दर्शाता है। इसके अलावा, कुरुक्षेत्र में "अनुभव केंद्र" के उद्घाटन ने महाभारत और भगवद् गीता जैसे प्राचीन ग्रंथों को एक बार फिर जीवंत कर दिया, जो भारत की विरासत को सुलभ और अनुभव करने योग्य बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके अलावा, गुजरात में ऐतिहासिक कोचरब आश्रम के पुनर्विकास ने गांधीवादी मूल्यों को संरक्षित करने के सरकार के समर्पण की पुष्टि की, साथ ही संभल में श्री कल्कि धाम की आधारशिला ने आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों को बढ़ावा देने पर अपना ध्यान केंद्रित किया। ये प्रयास भविष्य के लिए एक प्रगतिशील पाठ्यक्रम तैयार करते हुए भारत के प्राचीन ज्ञान को संरक्षित करने पर मोदी सरकार के फोकस को दर्शाते हैं। वित्त वर्ष 2024 में, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने 1.5 लाख करोड़ रुपए के टर्नओवर को पार करते हुए आत्मनिर्भर भारत को मूर्त रूप देते हुए 10 लाख नौकरियां पैदा कीं। यह वृद्धि इको-फैशन स्टेटमेंट के रूप में खादी के वैश्विक उदय को उजागर करती है, जो लोकल के लिए वोकल द्वारा संचालित, स्थिरता और आधुनिक नवाचार के साथ परंपरा का सम्मिश्रण है।

सांस्कृतिक कूटनीति और वैश्विक मान्यता

वर्ष 2024 में भारत ने सांस्कृतिक कूटनीति में महत्वपूर्ण प्रगति करते हुए वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति भी मजबूत की। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने पहले 'सांस्कृतिक संपत्ति समझौते' पर हस्ताक्षर किए, जिसका मकसद भारत के अमूल्य सांस्कृतिक खजाने को अवैध तस्करी से सुरक्षित रखना था। 15 नवंबर 2024 को, अमेरिका ने करीब 10 मिलियन डॉलर मूल्य की 1,400 से अधिक लूटी गई कलाकृतियाँ भारत को लौटाईं। सितंबर 2024 में, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन के साथ एक औपचारिक कार्यक्रम के दौरान, 297 पुरावशेष भी भारत को लौटाए गए। एक और ऐतिहासिक कदम के तहत, 100 महिला कलाकारों ने पहली बार महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए गणतंत्र दिवस परेड का नेतृत्व किया। ये प्रयास भारत के बढ़ते सांस्कृतिक प्रभाव का उदाहरण देते हैं और दर्शाते हैं कि पीएम मोदी के दृष्टिकोण देश को अपनी समृद्ध परंपराओं का सम्मान करते हुए अधिक वैश्विक मान्यता की ओर ले जा रहे हैं। **(पीआईबी से साभार)**

सांस्कृतिक उत्सव और पहल

पीएम मोदी ने दिल्ली में पहले बोडोलैंड महोत्सव का उद्घाटन किया, जो बोडोलैंड क्षेत्र की अनूठी संस्कृति, परंपराओं और इतिहास का उत्सव है। उन्होंने अष्टलक्ष्मी महोत्सव का भी उद्घाटन किया, जिसमें उत्तर पूर्व की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया गया। ये सांस्कृतिक समारोह जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को एकजुट करते हुए भारत की विविध सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित और बढ़ावा देने के पीएम मोदी के दृष्टिकोण को मजबूत करते हैं।

नर्स निमिषा प्रिया को 'हर संभव मदद' प्रदान कर रहे

नई दिल्ली (आईएएनएस)। भारत ने मंगलवार को घोषणा की कि वह केरल की नर्स निमिषा प्रिया को 'हर संभव मदद' प्रदान कर रहा है। निमिषा प्रिया को यमन में एक यमनी नागरिक की हत्या के लिए मौत की सजा सुनाई गई है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा, हमें यमन में निमिषा प्रिया की सजा के बारे में पता है। हम समझते हैं कि प्रिया का परिवार प्रासंगिक विकल्पों पर विचार कर रहा है। सरकार इस मामले में हर संभव मदद कर रही है। यह बयान यमन के राष्ट्रपति रशद अल-अलीमी की ओर से निमिषा प्रिया की मौत की सजा को हाल ही में मंजूरी दिए जाने के बाद आया है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि एक महीने के भीतर फांसी हो सकती है।

अमेरिकी ट्रेजरी विभाग में चीनी हैकर्स ने की सेंधमारी

वाशिंगटन (आईएएनएस)। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने साइबर सुरक्षा उल्लंघन की पुष्टि की है, जिसकी वजह से चीनी हैकर्स कर्मचारियों के वर्कस्टेशन और अवर्गीकृत दस्तावेजों तक पहुंच बनाने में सफल रहे। हालांकि, विभाग ने यह नहीं बताया कि कितने वर्कस्टेशन तक पहुंच बनाई गई या हैकर्स ने किस तरह के दस्तावेज हासिल किए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सांसदों को लिखे पत्र में, अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने कहा कि 'इस समय ऐसा कोई सबूत नहीं है, जो यह बताता हो कि खतरा पैदा करने वाले व्यक्ति की पहुंच अब भी ट्रेजरी की जानकारी तक बनी हुई है।

नांदेड़ जिले में एटीएस ने किया बांग्लादेशी युवक को गिरफ्तार

मुंबई (हि.स.)। नांदेड़ जिले के कौठा इलाके में एंटी टेरोरिस्ट स्कॉड (एटीएस) की टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से नाम बदलकर यहां रहने वाले बांग्लादेशी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले की नांदेड़ ग्रामीण पुलिस जांच कर रही है। टीएस पुलिस निरीक्षक दत्ता ने बताया कि युवक का असली नाम यासीन खान अनवर खान है, जिसने अपना बदलकर विकास विश्वास रख लिया था और इसी नाम से कौठा में काम कर रहा था। यासीन बांग्लादेश के ढाका के गोपालगंज जिले के गोपीनाथपुर का मूल निवासी है।

इसरो ने अंतरिक्ष में स्पैडेक्स मिशन को सफलतापूर्वक लांच किया

भारत अंतरिक्ष डॉकिंग में महारत हासिल करने वाला चौथा देश बनने की ओर अग्रसर : शाह

नई दिल्ली (आईएएनएस)

नववर्ष की शुरुआत से पहले इसरो ने देशवासियों को खुशखबरी दी है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अंतरिक्ष में स्पैडेक्स मिशन को सफलतापूर्वक लांच किया। इसरो के इस उपलब्धि पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर खुशी जाहिर की। 'एक्स' पोस्ट में केंद्रीय गृहमंत्री ने लिखा कि भारत अंतरिक्ष डॉकिंग में महारत हासिल करने वाला चौथा देश बनने की ओर अग्रसर है। स्पैडेक्स मिशन के सफल प्रक्षेपण पर इसरो टीम को बधाई। यह एक शानदार सफलता है, जो अंतरिक्ष डॉकिंग तकनीक में भारत के लिए एक नया रास्ता खोलती है। आगे की यात्रा के लिए हमारे प्रतिभाशाली लोगों को मेरी शुभकामनाएं।

● केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा, इससे आगे की यात्रा का मार्ग प्रशस्त होगा

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि इसरो का नया कीर्तिमान। पीएसएलवी-सी60 रॉकेट द्वारा स्पैडेक्स मिशन के सफल लांच पर इसरो की पूरी टीम को बधाई। इस अभियान की सफलता के साथ ही भारत ये तकनीक हासिल करने वाला चौथा देश बन जाएगा। 2024 के अंत में इसरो की यह महत्वपूर्ण उपलब्धि 140 करोड़ देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली है। अंतरिक्ष मामलों के राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने इस सफलता पर 'एक्स' पर लिखा, भारत अपने स्वदेशी रूप से विकसित 'भारतीय डॉकिंग सिस्टम' के माध्यम से अंतरिक्ष डॉकिंग की क्षमता की दिशा में कदम बढ़ाने वाले चुनिंदा देशों की सूची में शामिल होने वाला चौथा देश बन गया है। सिंह ने कहा कि यह तकनीक 'गगनयान' और 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' के लिए आकाश से आगे की यात्रा का मार्ग प्रशस्त करेगी। उल्लेखनीय है कि स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) मिशन के तहत दो उपग्रहों को 30 दिसंबर को श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी-सी60 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया गया।

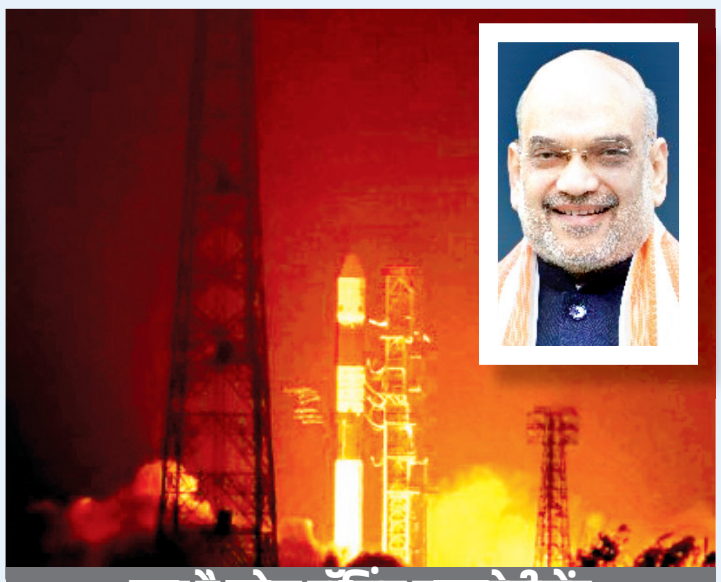

क्या है स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट

पीएसएलवी ने दो छोटे अंतरिक्ष यान - एसडीएक्स 01 (जो डॉकिंग प्रयोग के दौरान चेजर की भूमिका निभाएगा) और एसडीएक्स 02 (जो टारगेट की भूमिका निभाएगा) को लेकर उड़ान भरी। प्रत्येक का वजन लगभग 220 किलोग्राम है। उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में डॉकिंग के लिए एक साथ जोड़ा गया। इसरो करीब चार दिन में दोनों उपग्रहों के बीच पर्याप्त दूरी बनाने के बाद 'भारतीय डॉकिंग सिस्टम' के सॉफ्टवेयर को सक्रिय करेगा। इसमें चार डॉकिंग सेंसर, पावर ट्रांसफर प्रौद्योगिकी, स्वदेशी नवीन स्वायत्त डॉकिंग रणनीति, तथा उपग्रहों के बीच स्वायत्त संचार के लिए एक अंतर-उपग्रह संचार लिंक (आईएसएल) शामिल है। इसमें एक अंतर्निहित इंटेलिजेंस भी शामिल है जिससे दोनों उपग्रह एक-दूसरे की स्थिति का पता लगा सकते हैं। अंतरिक्ष डॉकिंग तकनीक में महारत हासिल करने से भारत न केवल अंतरिक्ष यात्रा करने वाले देशों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो सकता है। यह भारत के आगामी अंतरिक्ष अभियानों के लिए भी महत्वपूर्ण है, जिसमें चंद्रमा मिशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना और पृथ्वी से जीएनएसएस के समर्थन के बिना चंद्रयान-4 जैसे चंद्र मिशन शामिल हैं। इसरो के अनुसार, डॉकिंग के बाद दोनों उपग्रहों के बीच बिजली का हस्तांतरण भी होगा, जो समग्र अंतरिक्ष यान नियंत्रण, और अनडॉकिंग के बाद पेलोड संचालन जैसे अंतरिक्ष रोबोटिक्स एप्लिकेशन के लिए आवश्यक है। स्पैडेक्स प्रयोगों के लिए पीएसएलवी के चौथे चरण, पीओईएम-4 का भी उपयोग करेगा। इस चरण में शैक्षणिक संस्थानों और स्टार्टअप्स के 24 पेलोड भी अंतरिक्ष में स्थापित किए जाएंगे।

स्पैडेक्स तैनात : इसरो

नई दिल्ली (आईएएनएस)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को स्पैडेक्स मिशन को सफलतापूर्वक लांच किया। इसका लक्ष्य अंतरिक्ष में डॉकिंग तकनीक में महारत हासिल करना है। स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) मिशन के तहत दो उपग्रहों को 30 दिसंबर को श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी-सी60 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया गया। रॉकेट ने दोनों उपग्रहों को कुछ दूरी पर एक ही कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया। इसरो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, स्पैडेक्स तैनात! स्पैडेक्स उपग्रहों का सफल पृथक्करण भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक और मील का पत्थर है। इससे पहले रॉकेट की लांचिंग पर उसने लिखा था, लिफ्टऑफ! पीएसएलवी-सी60 ने स्पैडेक्स और 24 पेलोड को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। इसरो ने कहा कि स्पैडेक्स (स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट) ऑर्बिटल डॉकिंग में भारत की क्षमता स्थापित करने के लिए एक अग्रणी मिशन है, जो भविष्य के मानव अंतरिक्ष उड़ान और उपग्रह सर्विसिंग मिशनों के लिए एक महत्वपूर्ण तकनीक है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत अब डॉकिंग तकनीक में महारत हासिल करने वाला चौथा देश बनेगा।

जनवरी में 100वें प्रक्षेपण की तैयारी : इसरो प्रमुख

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश) (हि.स.)। स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) की सोमवार रात सफल लांचिंग के बाद इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) प्रमुख सोमनाथ ने कहा कि जनवरी में एनवीएस-02 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लांच व्हीकल (जीएसएलवी) पर लांच करने की तैयारी चल रही है। स्पैडेक्स की लांचिंग को मील का पत्थर बताते हुए उन्होंने कहा कि अगले साल 100वें प्रक्षेपण की तैयारी चल रही है। जनवरी में एनवीएस-02 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लांच व्हीकल (जीएसएलवी) पर लांच किया जाएगा। यह मिशन अगले साल के लिए निर्धारित मिशनों में से एक है। इसरो प्रमुख ने चंद्रयान-4 मिशन के बारे में भी जानकारी दी, जिसमें विभिन्न मॉड्यूल शामिल हैं, जिन्हें अलग-अलग समय पर लांच किया जाएगा और दो अलग-अलग मॉड्यूल में एकीकृत किया जाएगा।

क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों ने जारी किया संयुक्त बयान, कहा

आपदा राहत से रणनीतिक साझेदारी तक पहुंचे हम

नई दिल्ली (आईएएनएस)

ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका का रणनीतिक गठबंधन चतुर्भुज सुरक्षा संवाद (क्वाड) सहयोग के 20 साल पूरे कर रहा है। वर्ष 2004 में भारतीय महासागर में आए भूकंप और सुनामी के जवाब में स्थापित किया गया क्वाड एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में विकसित हुआ है, जो खुले, स्थिर और समृद्ध इंडो-पैसिफिक क्षेत्र का समर्थन करता है। क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों ने एक संयुक्त बयान में आसियान की महत्ता और एकता को लेकर अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की और क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। बयान के अनुसार, 20 साल पहले (2004) में हिंद महासागर में आए भूकंप और सुनामी के जवाब में, हमारे देशों ने इतिहास के सबसे बड़े आपदाओं में से एक से प्रभावित लाखों लोगों की मदद के लिए एकजुट होकर काम किया। हम उन लोगों की यादों का सम्मान करते हैं और बचे हुए लोगों का मान रखते हैं। इसमें उल्लेख किया गया कि चार देशों के 40,000 से अधिक आपातकालीन प्रतिक्रिया कर्मियों ने मानवीय सहायता और आपदा राहत प्रदान करने के लिए मिलकर काम किया, जो क्वाड के मिशन का एक अभिन्न हिस्सा बना हुआ है। बयान में आगे कहा गया है, मानवीय सहायता और आपदा राहत के प्रति हमारी आधारभूत प्रतिबद्धता मजबूत बनी हुई है। हम पूरे क्षेत्र में आपदाओं के लिए तैयारी करने और तत्काल तथा प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम करना जारी रखेंगे।

क्वाड के 20 साल

क्वाड ने पिछले कुछ वर्षों में अपने दायरे को व्यापक बनाया है और जटिल क्षेत्रीय तथा वैश्विक चुनौतियों का समाधान किया है। हाल की पहलों में जलवायु परिवर्तन से निपटना, समुद्री क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाना, एसटीईएम शिक्षा को बढ़ावा देना, आतंकवाद का मुकाबला करना और साइबर सुरक्षा को मजबूत करना शामिल है।

बयान में कहा गया, आपातकालीन स्थिति में शुरू हुआ क्वाड अब सकारात्मक परिणाम देने वाली पूर्ण साझेदारी में विकसित हो गया है।

क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करने का लिया संकल्प

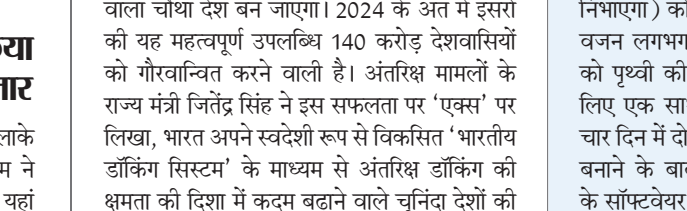

वर्ष 2024 में कई समुद्री सुरक्षा पहलों की घोषणा हुई

वर्ष 2024 में क्वाड सदस्य देशों ने कई समुद्री सुरक्षा पहलों की घोषणा की। एक प्रमुख आकर्षण इंडो-पैसिफिक में प्रशिक्षण के लिए समुद्री पहल (मैत्री/एमएआईटीआरआई) का शुभारंभ था, जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय साझेदारों को उनके जल क्षेत्रों की निगरानी और सुरक्षा में मदद करना है। भारत 2025 में मैत्री कार्यशाला की उद्घाटन मेजबानी करने के लिए तैयार है। इसके अलावा, क्वाड ने एक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क पायलट परियोजना भी शुरू की, जिसका उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं के लिए नागरिक प्रतिक्रियाओं का अधिक कुशलता से समर्थन करने के लिए सामूहिक एयरलिफ्ट क्षमताओं को बढ़ाना है। इंडो-पैसिफिक में नियम-आधारित समुद्री व्यवस्था को बनाए रखने के लिए एक समुद्री कानूनी वार्ता भी शुरू की गई।

वर्ष 2024 किसानों को आत्मनिर्भर बनाने वाला रहा : शिवराज सिंह

भोपाल (आईएएनएस)

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि वर्ष 2024 विकसित भारत के विराट संकल्प की सिद्धि का आधार बना है। किसानों की आय बढ़ाने के साथ आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2024 विकसित भारत के विराट संकल्पों की सिद्धि का आधार बना है। इस दौरान कृषि क्षेत्र में भी हमने अभूतपूर्व उपलब्धियां अर्जित की हैं। प्रधानमंत्री द्वारा प्रत्येक कैबिनेट में कृषि और किसान से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण सौगात दी गईं। इस दौरान किसानों की आय बढ़ाने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हुए। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने आगे कहा किसान की सेवा मोदी सरकार के लिए भगवान की पूजा है। प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल का शुभारंभ 'पीएम किसान सम्मान निधि' राशि जारी करने के साथ किया और 9.26 करोड़ किसानों को 20 हजार करोड़ सीधे भेजे। साथ ही फसलों की जलवायु अनुकूल 109 किस्में किसानों को समर्पित की और खरीफ विपणन सीजन 2024-25 के लिए 14 खरीफ फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ोतरी का ऐतिहासिक निर्णय लिया।